निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• 19 अप्रैल 2025 शनिवार • बोकारो संस्करण • वर्ष : 08 • अंक : 325 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

देश और दुनिया के इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं

1770 : कैप्टन जेम्स कुक ऑस्ट्रेलिया पहुंचने वाले पहले पश्चिमी व्यक्ति बने।
1775 : अमेरिकी क्रांति की शुरुआत हुई।
1852 : कैलिफोर्निया हिस्टोरिकल सोसायटी का गठन हुआ।
1864 : पंजाब के प्रसिद्ध आर्य समाजी नेता, समाज सुधारक और शिक्षाविद महात्मा हंसराज का जन्म हुआ।
1882 : प्रसिद्ध जीवविज्ञानी चार्ल्स डार्विन का निधन।
1910 : हैली पुच्छल तारा पहली बार खुली आंखों से देखा गया।

निवेश को बढ़ावा देने के लिए सीएम स्पेन और स्वीडन दौरे पर रवाना

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। शुक्रवार को स्पेन और स्वीडन के दौरे पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल रवाना हो गया है। प्रतिनिधिमंडल में सीएम हेमंत सोरेन, विधानसभा में महिला एवं बाल कल्याण कमेटी की चेयरपर्सन कल्पना सोरेन, मुख्य सचिव, सीएम के प्रधान सचिव, खनन निदेशक, जुडको निदेशक, उद्योग सचिव, उद्योग विभाग के संयुक्त निदेशक, उद्योग निदेशक, विशेषज्ञ और सीएम की सुरक्षा में एक अधिकारी शामिल हैं। उद्योग निदेशक सुशांत गौरव के अनुसार प्रतिनिधिमंडल सबसे पहले बार्सिलोना, मैड्रिड और स्वीडन के गोथेनबर्ग जायेंगे। 19 से 27 अप्रैल तक स्पेन और स्वीडन के विभिन्न शहरों में यह प्रतिनिधिमंडल विदेशी निवेशकों के साथ बैठक कर राज्य सरकार की नीतियों से उन्हें अवगत कराने का काम करेगा।

खदानों की नीलामी के लिए निवेशकों को सरकार करेगी आमंत्रित

स्पेन और स्वीडन के दौरे के क्रम में राज्य सरकार के द्वारा झारखंड के खदानों की नीलामी में हिस्सा लेने के लिए निवेशकों को आमंत्रित किया जाएगा। इस दौरान राज्य सरकार की औद्योगिक नीति और राज्य में उपलब्ध खनिज संसाधनों के बारे में विदेशी उद्योगपतियों को अवगत कराया जाएगा। इसके लिए मैड्रिड स्थित एक होटल में निवेशकों के साथ एक बड़ी बैठक आयोजित की गई है। उद्योग

निदेशक के अनुसार 22 अप्रैल को माइनिंग सेक्टर में काम करने वाली कई कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ अलग-अलग बैठक भी होगी। रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में स्पेन और स्वीडन में कई काम किए हैं जिनके साथ अनुभव साझा किया जाएगा। वहां की कंपनी आइबरड्रोला, एसिओना, एनर्जी विंड एनर्जी जैसी कंपनियों के साथ बातचीत होगी। सौर ऊर्जा को लेकर राज्य में उपलब्ध साधन और उसमें निवेश की संभावनाओं पर भी विस्तार से निवेशकों के साथ बातचीत होगी। कुल मिलाकर यह यात्रा राज्य में निवेश को बढ़ावा देने और विकास का मार्ग प्रशस्त करते हुए रोजगार को बढ़ावा देने के लिए सरकार की सोच है।

दौरे को लेकर भाजपा ने उठाये सवाल

झामुमो ने कहा- आप जलनखोरी की प्रचंड अग्नि में जलते रहिए

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के स्पेन और स्वीडेन दौरा को लेकर नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी के अलावा भाजपा के तमाम नेताओं ने सवाल उठाना शुरू कर दिया है। जवाब में मुख्य सत्ताधारी दल झामुमो ने भाजपा पर काउंटर अटैक किया है। पूरा विवाद उद्योग मंत्री की अनदेखी और कल्पना सोरेन को टीम में शामिल करने को लेकर है। भाजपा विधायक सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने लिखा है कि अगर दौरे का उद्देश्य विदेशी निवेश लाना है तो उद्योग मंत्री को क्यों नहीं साथ ले जाया जा रहा है। आखिर टीम में उद्योग सचिव और निदेशक क्यों शामिल हैं। क्या निवेश की बातचीत में मंत्री की कोई भूमिका नहीं? भाजपा ने सीएम से सवाल किया है कि अगर यह यात्रा सरकारी है तो उद्योग मंत्री की जगह कल्पना सोरेन किस हैसियत से शामिल हो रहीं हैं। बाबूलाल मरांडी ने आरोप लगाते हुए लिखा है कि '' हेमंत सोरेन सरकार में सहयोगी दलों के मंत्रियों को अपमानित करना अब एक परंपरा बनता जा रहा है''। बाबूलाल मरांडी के इन सवालों का झामुमो ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जवाब दिया है। पार्टी ने बाबूलाल मरांडी के पूछा है कि पूर्ववर्ती भाजपा सरकार में मोमेंटम झारखंड का उड़ता हाथी सबने देखा था। क्या आपने भी देखा था। हेमंत सरकार के नेतृत्व में झारखंड आगे बढ़ रहा है। लेकिन आप जलनखोरी की प्रचंड अग्नि में जलन से जलते रहिए। सीएम हेमंत सोरेन के विदेश दौरे को लेकर उठा विवाद अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से निकलकर जुबानी जंग का रुप ले चुका है। प्रदेश भाजपा के मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक का कहना है कि जिस कार्य के लिए सीएम विदेश जा रहे हैं, उस चर्चा में उद्योग विभाग के मंत्री संजय प्रसाद यादव ही नहीं रहेंगे। यह किस तरह की तानाशाही है। सीएम ने खुद उनको उद्योग मंत्री बनाया है। एक कदम हटकर अपनी धर्म पत्नी को ले गये हैं। कौन सा ऐसा मीटिंग होने वाला है कि उद्योग मंत्री जान जाएंगे तो आफत आ जाएगी। आखिर क्या माजरा है। इसपर झामुमो के प्रवक्ता मनोज पांडेय का कहना है कि मुख्यमंत्री में सभी मंत्रियों की शक्ति निहित होती है। वे निर्णय लेने में सक्षम हैं, रही बात कल्पना सोरेन की तो वह विधायक की हैसियत से तो जा ही सकती हैं। भाजपा द्वारा इस दौरे को सैर सपाटा कहने पर मनोज पांडेय ने कहा कि रघुवर दास भी विदेश गये थे। उनके साथ उनके पुत्र भी थे।

बिहार के सभी अनुमंडलों को जिला मुख्यालयों से जोड़ने के लिए चलेंगी 166 डीलक्स बसें

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राज्य के सभी 101 अनुमंडलों को जिला मुख्यालयों से जोड़ने के लिए जल्द ही डीलक्स बसों का परिचालन शुरू होगा। अगले महीने के दूसरे हफ्ते से ये बसें सड़कों पर दौड़ेंगी। बीएसआरटीसी (बिहार राज्य पथ परिवहन निगम) 6 शहरों के अनुमंडलों को 109 जोन में बांटकर कुल 166 बसों को चलाने की तैयारी कर रहा है। ये सभी बसें पटना, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, पूर्णिया, भागलपुर और गया की पंचायतों को जिला मुख्यालयों से जोड़ेंगी। इनके परिचालन का पूरा रूट निर्धारित कर लिया गया है। अभी सभी बसें परमिट फ़ेज में हैं। जल्द ही इन सभी का परमिट क्लियर कर दिया जाएगा।

बड़ों में कैमरा और पैनिक बटन

बीएसआरटीसी से मिली जानकारी के मुताबिक, ये सभी बसें डीजल से चलने वाली और नॉन-एसी होंगी, जिनमें 40 लोग बैठ सकेंगे। साथ ही बस में कैमरा, पैनिक बटन और जीपीएस ट्रैकर भी लगा होगा। इन बसों के शुरू होने से लोगों की पहुंच जिला मुख्यालयों के साथ ही राजधानी तक भी सुगम हो जाएगी। आने वाले दिनों में प्रखंड स्तर से भी बस सुविधा शुरू करने की योजना बन रही है। इनमें सबसे अधिक 32 बसें राजधानी से अन्य अनुमंडलों के लिए रवाना होंगी। पटना से रक्सौल, नरकटियागंज, जयनगर, गोपालगंज, दरभंगा, रांची, गुमला, नवादा, राजगीर, आरा-रांची, आरा-धनबाद, आरा-वाराणसी, बिहारशरीफ-रांची, बिहारशरीफ-बोकारो, पटना-हावड़ा, पटना-वाल्मीकिनगर-भैंसालोटन के लिए बसें चलेंगी।

अन्य जिलों के लिए भी चलेंगी बसें

पूर्णिया से कुल 25 बसें एक ट्रिप में चलेंगी। भागलपुर से 24, दरभंगा से 24, मुजफ्फरपुर से 30 और गया जिले से 31 डीजल बसें अलग-अलग समय पर चलेंगी। यह सभी बसें राज्य के सभी जिलों को जोड़ने के साथ आगे राजधानी से जुड़ेंगी। इनमें पटना, दरभंगा और गया के अनुमंडलों से झारखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के लिए भी बस चलाने की तैयारी है।

पटना में होगा एयर शो, आकाश में करतब दिखाएंगे जेट विमान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

सीएम नीतीश ने लिया तैयारियों का जायजा

पटना। राजधानी पटना में 23 अप्रैल को शोर्य दिवस के अवसर पर पहली बार एयर शो का आयोजन होने जा रहा है। आसमान में सूर्य किरण एरोबैटिक टीम और भारतीय वायुसेना के हॉक-132 जेट विमानों द्वारा अद्भुत करतबों का प्रदर्शन किया जाएगा। जेपी गंगा पथ के पास आयोजित यह एयर शो करीब एक घंटे तक चलेगा। इसके लिए तैयारी चल रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज एयर शो कार्यक्रम की तैयारियों की भी समीक्षा की। इस कार्यक्रम में सभ्यता द्वार के सामने जेपी गंगा पथ पर बैठने की व्यवस्था की जा रही है, जो प्रमंडलीय आयुक्त कार्यालय के सामने स्थित है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कार्यक्रम स्थल पर भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इससे पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शहीद वीर कुंवर सिंह आजादी पार्क का दौरा किया। यहां

उन्होंने 23 अप्रैल 2025 को आयोजित होने वाले वीर कुंवर सिंह विजयोत्सव कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि पार्क की सफाई और रखरखाव सुनिश्चित किया जाए, ताकि आने वाले लोग यहां पर आनंदित महसूस कर सकें। मुख्यमंत्री ने सभी अधिकारियों से कहा कि अपेक्षा की है कि वह इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम की सफलतापूर्वक योजना बनाएं और इसे ऐतिहासिक बनाने में कोई कसर न छोड़ें। इस निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, डॉ. एस. सिद्धार्थ, सचिव कुमार रवि, जिलाधिकारी डॉ. चंद्रशेखर सिंह, वरीय पुलिस अधीक्षक अवकाश कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। इधर, एयर शो लेकर सारी तैयारी पूरी हो चुकी है।

महिलाओं की समस्याओं का होगा समाधान : नीतीश

मुख्यमंत्री ने 'महिला संवाद' का किया शुभारंभ, वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को एक अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से 'महिला संवाद' का शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री द्वारा सभी माताओं, बहनों एव बेटियों को संबोधित किये गये पत्र का विमोचन भी किया। महिला संवाद कार्यक्रम के दौरान महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में सरकार द्वारा क्रियान्वित योजनाओं व कार्यों के विषय में महिलाओं को जानकारी प्रदान किया जायेगा। साथ ही महिलाओं को अपने गाँव या टोलों की समस्याओं और आकांक्षाओं को चिह्नित कर उसकी प्राथमिकता निर्धारण करने हेतु अवसर प्रदान किया जायेगा। संवाद के दौरान प्राप्त समस्याओं का विभिन्न स्तरों पर त्वरित समाधान किया जायेगा। प्राप्त

सूचनाओं के आधार पर सरकार की योजनाओं के सूत्रण एवं नीति-निर्धारण में महिलाओं की आकांक्षाओं को बेहतर ढंग से समाहित किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने सभी जिलों के लिये महिला संवाद जागरूकता वाहनों को एक अणे मार्ग से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जागरूकता वाहन की चारों तरफ से ब्रांडिंग की गयी है। इससे गांव में कार्यक्रम करने के दौरान या एक गांव से दूसरे गांव में जागरूकता वाहन की आवजाही के दौरान सरकार द्वारा महिलाओं के कल्याण से संबंधित किये गये कार्यों के प्रति आम लोगों का ध्यान आकृष्ट होगा। ज्ञातव्य है कि प्रगति यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा निर्देश दिया गया था कि जिले के सभी गाँवों में योजनाओं की स्थिति की जानकरी लेने एवं समस्याओं का निदान करने हेतु वरीय पदाधिकारियों को स्थल पर भेजा जाए। इसी क्रम में महिला संवाद का आयोजन किया जा रहा है जहाँ वरीय पदाधिकारियों की उपस्थिति में समुदाय की समस्याओं पर चर्चा होगी। स्थल पर जाकर वरीय पदाधिकारी वहां की समस्याओं से अवगत होंगे एवं उसका समाधान भी करेंगे। राज्य के सभी गाँवों में महिला संवाद का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम लगभग 70 हजार स्थानों पर होगा जिसमें 02 करोड़ से अधिक महिलाएँ भाग लेंगी। इस कार्यक्रम में गाँव की सभी महिलाओं को बुलाया जाएगा।

एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय टुण्डी का क्लर्क गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। टुण्डी विधायक मथुरा प्रसाद महतो को लगातार कई दिनों से शिकायत मिल रहा था कि एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय टुण्डी में कार्यरत क्लर्क अंकित कुमार लगातार लोगों से दुर्व्यवहार कर रहा है। जब इसकी जांच स्वयं विधायक ने करना चाहा और दूरभाष पर उक्त क्लर्क से संपर्क किया तो विधायक भी उक्त क्लर्क के कोपभाजन बन बैठे। विधायक ने अपने सभी समर्थकों को त्वरित एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय टुण्डी पहुंचने को कहा और एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय में सभी कार्यकर्ताओं एवं विद्यालय के कर्मचारियों के साथ विधायक ने स्वयं आपबीती सुनाई और तभी मनियांडीह थाना प्रभारी को फोन कर विद्यालय बुलाया और मनबढ़ू क्लर्क अंकित कुमार को तत्काल गिरफ्तार कर जेल भेजने की कार्रवाई की गई। विधायक मथुरा प्रसाद महतो के इस ठोस निर्णय पर सभी अभिभावकों एवं कार्यकर्ताओं ने राहत की सांस ली और गदगद हुए। मौके पर विधायक मथुरा प्रसाद महतो, उनके निजी सचिव बसंत महतो, टुण्डी प्रखंड अध्यक्ष फूलचंद किस्कू, कामेश्वर प्रसाद सिंह समेत बड़ी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

लोको पायलटों को दी जा रही बेहतरीन सुविधाएं, वर्किंग कंडीशन में आया सुधार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। लोको पायलट भारतीय रेल परिवार के महत्वपूर्ण सदस्य हैं। उनके वर्किंग कंडीशन को बेहतर बनाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। पिछले 10 वर्षों में लोको पायलटों के सभी रनिंग रूम को वातानुकूलित किया गया है और उन्हें अच्छे से सुसज्जित किया गया है। 2014 से पहले देश का एक भी रनिंग रूम वातानुकूलित नहीं था। पिछले 10 वर्षों में आधे से ज्यादा लोको केबिनों को एर्गोनोमिक सीटों, वातानुकूलन और अन्य सुधारों के साथ अपग्रेड किया गया है। 2014 से पहले एक भी लोको केबिन वातानुकूलित नहीं था। सभी नये लोकोमोटिव्स में शौचालय लगाए जा रहे हैं। 2014 से पहले यह निर्माण योजना का हिस्सा भी नहीं था। पुराने लोकोमोटिव्स में शौचालय लगाने के लिए रेट्रोफिटिंग की

जा रही है। इसके लिए डिजाइन में संशोधन भी किए जा रहे हैं। जिन मार्गों पर भारी ट्रैफिक रहता है, वहां नए रनिंग रूम बनाए जा रहे हैं। इन प्रयासों से लोको पायलटो के वर्किंग आवर्स में उल्लेखनीय कमी आई है। कोहरे में सुरक्षा के लिए फॉग- सेफ्टी उपकरण, कवच, ड्राइवर अलर्ट सिस्टम और इंप्रूव्ड ब्रेकिंग सिस्टम जैसी तकनीकों से रेलवे सेफ्टी बेहतर हुई है और लोको पायलटो को भी काफी सुविधा मिली है। ऑनबोर्ड सुविधाएं, उन्नत तकनीकें और रेस्ट के लिए पर्याप्त समय से लोको पायलटो के कार्य वातावरण लगातार बेहतर हुए हैं। मालगाड़ी सबअर्बन ट्रेन और पैसेंजर एवं मेल एक्सप्रेस गाड़ियों का परिचालन करने वाले लोको पायलटों के टॉयलेट ब्रेक और स्नेक्स हेतु व्यवस्था रहती है। माल गाड़ियां कई स्टेशनों और यार्ड में रुकती हैं। इन स्टेशनों पर पर्याप्त समय होता है जिससे कर्मचारी शौचालय का उपयोग कर सकते हैं। साथ ही यह समय नाश्ते के लिए भी उपयोग में लाया जा सकता है। सबअर्बन तथा मेट्रो ट्रेनों का परिचालन अल्प दूरी के लिए किया जाता है और इनके चालक दल टर्मिनल स्टेशनों पर शौचालय का उपयोग करते हैं। पैसेंजर ट्रेनों पर कार्यरत कर्मचारी स्टेशन पर ट्रेन के खड़े रहने के दौरान ट्रेन के शौचालय का उपयोग करते हैं और इस समय का उपयोग नाश्ते के लिए भी करते हैं। स्टेशन के कर्मचारी लोको पायलटों को सदैव सहयोग देते हैं। लोको पायलटो को वॉकी टॉकी की सुविधा भी दी गई है इसके द्वारा वह स्टेशन कर्मचारियों के संपर्क में रहते हैं।

तीन महीने के भीतर बड़े पैमाने पर होंगी नियुक्तियां

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राज्य में अगले तीन महीने के भीतर बड़े पैमाने पर नियुक्तियां होगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और झारखंड हाईकोर्ट के कड़े निर्देश के बाद झारखंड लोक सेवा आयोग और जेएसएससी ने सभी लंबित परीक्षाओं को जल्द आयोजित करने का निर्णय लिया है। दोनों आयोग की दो दर्जन से अधिक परीक्षाएं लंबित हैं। कुछ परीक्षाओं का रिजल्ट लंबित है, तो कुछ परीक्षा अब तक आयोजित नहीं हो पाई है। अगले तीन महीने के भीतर जिन परीक्षा को अंतिम मुकाम तक पहुंचाने की तैयारी की गई है उसमें सबसे महत्वपूर्ण 26001 पदों के लिए निकाली गई सहायक आचार्यों की बहाली शामिल है। इसके अलावे लंबे इंतजार के बाद 11वीं से 13वीं जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा के परिणाम भी घोषित किए जाएंगे। इस तरह से अगले तीन महीने के भीतर करीब 30 हजार पदों पर नियुक्ति होने की संभावना है। जिसमें सर्वाधिक शिक्षकों के पद हैं। इस संबंध में छात्र नेता सत्यनारायण शुक्ला कहते हैं कि आयोग पहले जो परीक्षा हो चुकी है उसका रिजल्ट घोषित करे, फिर जो विज्ञापन निकाले जा चुके हैं और वर्षों से उसकी परीक्षा

लंबित है ऐसी सभी परीक्षाओं को प्राथमिकता के आधार पर जल्द से जल्द लेकर रिजल्ट घोषित करे, ताकि छात्रों को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि जेपीएससी मेंस परीक्षा का रिजल्ट नौ महीने से लटका है। इसी तरह सीडीपीओ ,फूड सेफ्टी ऑफिसर परीक्षा अधर में लटकी हैं और छात्र परेशान हैं। सरकार के कड़े रुख के बाद जेपीएससी ने 2023 में स्वास्थ्य विभाग के जिला दंत चिकित्सा पदाधिकारी सीधी नियुक्ति परीक्षा के तहत 12 पदों के लिए होने वाली बहाली के लिए साक्षात्कार 29 अप्रैल को निर्धारित किया है। इसके अलावा राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों के पीजी विभाग एवं अंगीभूत महाविद्यालयों में सहायक प्राध्यापक के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए साल 2018 में होम साइंस, कॉमर्स और मैथमेटिक्स विषय के लिए निकाली गई बहाली को भी शीघ्र पूरा करने का निर्णय लिया गया है। झारखंड हाई कोर्ट ने पिछले दिनों हुई सुनवाई के दौरान जेएसएससी को 26001 सहायक आचार्य की नियुक्ति तीन माह के अंदर पूरा करने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट के निर्देश के बाद जेएसएससी नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने में जुट गई है। आयोग के द्वारा इस परीक्षा की अंतिम कुंजी उत्तर पत्र 20 अप्रैल को जारी करने का निर्णय लिया है। आयोग के वेबसाइट से छात्र 26 अप्रैल तक इसे डाउनलोड कर सकते हैं। गौरतलब है कि इस मामले में झारखंड हाईकोर्ट में अगली सुनवाई 23 अप्रैल को होगी। इसके अलावा हाईकोर्ट के निर्देश पर जनजातीय भाषाओं के स्वीकृत 1373 पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया तीन माह में पूरी कर लेने की तैयारी की जा रही है।

FOR REGISTRATION : ISO, TRADE MARK, PATENT

DESIGN AND COPYRIGHT, ATTORNEY

GLOBAL VISION

(A Complete Solution in Professional Services)

: Regd. Office/ Head Office :
Manaitand, Near Water Tank
Dhanbad, Jharkhand- 826001
Command Office : Jagat Trade Centre, Patna

Contact No.- 9835333441, 8210823092

E-Mail : globalvision96@yahoo.in

5 करोड़ से बना मॉडल स्कूल 8 साल से बंद बेगूसराय में पढ़ाई के बदले होती खेती

मेंटेनेंस के आभाव में बिल्डिंग हुआ जर्जर

बेगूसराय, एजेंसी। सरकार भले ही शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए नई-नई इमारतें खड़ी कर रही हो, लेकिन जमीनी हकीकत इससे जुदा है। बिहार के बेगूसराय जिले के तेघड़ा प्रखंड स्थित बजलपुरा गांव में एक मॉडल इंटर स्कूल की बिल्डिंग 2017 से तैयार है, लेकिन आज तक इसमें पढ़ाई शुरू नहीं हो पाई है। करीब 5.39 करोड़ रुपये की लागत से बना यह तीन मंजिला भवन आधुनिक सुविधाओं से लैस है, लेकिन यहां सन्नाटा पसरा है। स्थानीय लोगों की उम्मीदें उस वक्त जगी थीं जब बच्चों के लिए बेंच-कुर्सी, लैब का सामान, पीने के पानी के लिए इंडिया मार्का चापाकल व मोटर तक लगा दिए गए थे। लेकिन अब यह भव्य इमारत सांप और कीड़े-मकोड़ों का अड्डा बन चुकी है। खेल मैदान में खेती हो रही है और चारों तरफ झाड़-झंखाड़ उग आए हैं। भवन की खिड़कियों के शीशे टूट चुके हैं, और रखरखाव के अभाव में यह धीरे-धीरे जर्जर होता जा रहा है। स्थानीय अभिभावक नवनीत कुमार और अमरजीत सिंह बताते हैं कि आसपास के दस गांवों के बच्चों को इंटर की पढ़ाई के लिए 2 से 3 किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। जबकि यह स्कूल अगर चालू हो जाए तो बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने कई बार स्थानीय विधायक से गुहार लगाई, दस्तावेज भी दिए, लेकिन सिर्फ आश्वासन ही मिला। अमरजीत सिंह ने बताया कि राजकीय बुनियादी विद्यालय बजलपुरा के प्रधानाध्यापक ने कई बार पत्राचार किया, यहां तक कि भवन की देखभाल एक स्थानीय निवासी 2017 से मुफ्त में कर रहा है, फिर भी अब तक एक गार्ड तक की नियुक्ति नहीं हो सकी है। यह मामला सरकारी उदासीनता और विभागीय लापरवाही की बड़ी मिसाल बन गया है, जो यह दर्शाता है कि केवल इमारतें बना देने से शिक्षा की नींव नहीं मजबूत होती, जब तक उनमें पढ़ाई शुरू न हो। स्थानीय लोगों की यही मांग है कि इस स्कूल को जल्द से जल्द शुरू किया जाए ताकि बच्चों का भविष्य संवर सके।

पढ़ाई शुरू कराने का प्रयास जारी

जिला शिक्षा पदाधिकारी राजदेव राम ने बताया कि भारत सरकार के योजना से मॉडल विद्यालय बनाया गया, भवन हैंड ओवर हो गया, लेकिन पढ़ाई शुरू नहीं हो सका। पांच ऐसे मॉडल स्कूल बने थे, जिसमें तीन ही शुरू हो सका। शिक्षा विभाग प्रयास कर रहा है कि शुरू हो। मॉडल स्कूल का कॉन्सेप्ट बंद हो जाने के कारण ऐसा हुआ है। देख रहे हैं कि क्या कर सकते हैं, कुछ ना कुछ उपयोग किया जाएगा।

समस्तीपुर में 5 ट्रेनों का बदला रूट: गोरखपुर और गोरखपुर कैंट के बीच तीसरे ट्रैक का हो रहा है निर्माण

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर रेलवे प्रशासन ने कुसम्ही- गोरखपुर, कैंट-गोरखपुर-डोमिनगढ़ तीसरी लाइन निर्माण परियोजना के कार्य को लेकर 05 ट्रेनों का रूट बदला है। समस्तीपुर रेलवे मंडल प्रशासन द्वारा जारी की गई विज्ञप्ति के अनुसार 27 अप्रैल को कामाख्या से खुलने वाली गाड़ी सं. 15655 कामाख्या- श्रीमाता वैष्णो देवी, कटड़ा एक्सप्रेस बरौनी-मुजफ्फरपुर-छपरा ग्रामीण-भटनी-गोरखपुर कैंट के रास्ते चलायी जाएगी । इसी तरह 30 अप्रैल को श्री माता वैष्णो देवी, कटड़ा से खुलने वाली गाड़ी सं. 15656 श्रीमाता वैष्णो देवी, कटड़ा- कामाख्या एक्सप्रेस गोरखपुर कैंट-भटनी-छपरा-मुजफ्फरपुर के रास्ते चलायी जाएगी। 30 अप्रैल, को सहरसा से खुलने वाली गाड़ी सं. 15529 सहरसा-आनंद विहार जनसाधारण एक्सप्रेस मुजफ्फरपुर-छपरा ग्रामीण- भटनी-गोरखपुर कैंट के रास्ते चलायी जाएगी। 25 अप्रैल से 03 मई, तक बरौनी से खुलने वाली गाड़ी सं. 19038 बरौनी-बांद्रा अवध एक्सप्रेस मुजफ्फरपुर-छपरा ग्रामीण-भटनी-गोरखपुर कैंट के रास्ते चलायी जाएगी।

डीबीआर के निदेशक मनीष के गोपालगंज स्थित घर की होगी कुर्की

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर, प्रमुख संवाददाता। डीबीआर नेटवर्किंग कंपनी में लड़कियों के यौन उत्पीड़ण व जॉब के नाम पर ठगी के मामले में निदेशक मनीष सिन्हा के गोपालगंज स्थित आवास की कुर्की जब्ती की जाएगी। अहियापुर थाने की पुलिस ने उसकी संपत्ति कुर्की का वारंट कोर्ट से लिया है। गोपालगंज में नगर थाना के करिया मोहल्ला स्थित मनीष के घर की कुर्की के लिए अहियापुर थाने की पुलिस टीम वारंट लेकर जाएगी। मैजिस्ट्रेट की मौजूदगी में सारे सामान के साथ घर की खिड़की व दरवाजे तक उखाड़कर पुलिस जब्त करेगी। बीते आठ मार्च को अहियापुर पुलिस ने ढोल पीटकर मनीष के घर पर चिपकाया इश्तेहार था। साथ ही आत्मसमर्पण कराने के लिए एक माह का समय दिया था।

एक माह की समय सीमा समाप्त होने पर पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई में जुट गई है। बीते साल कोर्ट के आदेश के बाद अहियापुर थाने की पुलिस ने सारण की किशोरी का बयान दर्ज कर कंपनी के अधिकारियों के खिलाफ यौन उत्पीड़ण और ठगी की एफआईआर की थी। मामले में किशोरी ने पुलिस को कई वीडियो भी दिए थे। इसमें नौकरी के नाम पर फंसाई गई लड़कियों और युवकों से मारपीट करते हुए कंपनी के अधिकारी दिख रहे हैं। पुलिस ने मुख्य आरोपित कंपनी के सुपरवाइजर सीवान के कोदरा गांव निवासी तिलक सिंह और वीडियो में मारपीट करते दिख रहे उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के गौरा मदनपुर निवासी अजय प्रताप सिंह को गिरफ्तार कर बीते साल 19 जून को जेल भेजा था। सारण के मशरख इलाके की किशोरी ने आरोप लगाया था कि उसे नौकरी के नाम पर कंपनी में बुलाया गया। फिर प्रशिक्षण अवधि में नौकरी के नाम पर उससे 20 हजार रुपये ले लिए गए। इसके बाद उसे बाध्य किया गया कि वह अपनी तरह अन्य लड़के-लड़कियों को कंपनी में ज्वाइन कराए। इसके बाद ही सैलरी मिलेगी। किशोरी ने 50 से अधिक लड़के-लड़कियों को कंपनी से जोड़ा। इसके बाद भी उसे सैलरी नहीं मिली। कंपनी में रहते हुए तिलक सिंह ने शादी का झांसा देकर उसके साथ यौन उत्पीड़न किया। मामले में उसने मनीष सिन्हा समेत कंपनी के आठ अधिकारियों को आरोपित बनाते हुए केस दर्ज कराया। मशरख की किशोरी ने पुलिस के समक्ष पूछताछ में कहा कि दर्जनों युवतियों के साथ उसकी तरह ही यौन उत्पीड़ण और मारपीट की गई है। किशोरी की निशानदेही पर अहियापुर पुलिस ने बखरी में छापेमारी की, जहां से दर्जनों युवक-युवतियों को मुक्त कराया गया।

हाईकोर्ट से अजय प्रताप को मिली जमानत

मामले में जेल में बंद अजय प्रताप को हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है। बीते दो अप्रैल को हाईकोर्ट ने उसकी जमानत का आदेश दिया। उसे 20 हजार रुपये व दो जमानतदारों के बंधपत्र के आधार पर मुक्त करने का आदेश दिया गया है। वहीं, तिलक सिंह की जमानत अर्जी हाईकोर्ट से इस शर्त पर खारिज कर दी गई है कि उस पर चलाए जा रहे ट्रायल में विलंब होता है तो वह फिर से नई अर्जी दाखिल कर सकता है।

27 अप्रैल से हावड़ा-जमालपुर एक्सप्रेस में बढ़ेगी बर्थ

भागलपुर, एजेंसी। यात्रियों की सुविधा का ख्याल रखते हुए हावड़ा-जमालपुर-हावड़ा एक्सप्रेस में स्थायी तौर पर अतिरिक्त वातानुकूलित और स्लीपर क्लास कोच बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। ट्रेन संख्या 13071/13072 हावड़ा-जमालपुर-हावड़ा एक्सप्रेस में 27 अप्रैल से हावड़ा से और 28 अप्रैल से जमालपुर से चलने वाली एक अतिरिक्त एसी-3 टियर कोच और दो स्लीपर क्लास कोच जोड़े जाएंगे। प्रत्येक ट्रिप में 230 अतिरिक्त बर्थ उपलब्ध होंगी। इसलिए, ट्रेन 19 कोचों के बजाय 22 कोचों के साथ चलेगी।

ड्राइवर को आई झपकी, खड़े ट्रक में जा घुसा ऑटो सीवान में 3 महिलाओं समेत 11 घायल

2 की हालत गंभीर; पटना रेफर

सीवान, एजेंसी। सीवान के गुरुवार रात सीवान से गोरियाकोठी जा रही एक बेकाबू ऑटो खड़े ट्रक में पीछे से जा टकराई। इस भीषण टक्कर में 3 महिलाओं समेत 11 लोग घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। यह हादसा सराय थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़कागांव के पास हुई।

खड़े ट्रक से टकराई ऑटो, 11 घायल

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा उस वक्त हुआ, जब ट्रक चालक नीरज कुमार और खलासी चम्पा कुमार ट्रक से सामान उतार रहे थे। करीब 1 बजे पीछे से आ रही तेज रफ्तार ऑटो ने ट्रक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक से सामान उतार रहा ड्राइवर नीरज कुमार ट्रक और ऑटो के बीच में फंस गया। ट्रक ड्राइवर ने ऑटो को ट्रक में टकराने से रोकने की कोशिश की। इसी दौरान ऑटो-ट्रक के बीच दबने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और सभी घायलों को अस्पताल भिजवाया।

गंभीर घायलों को किया रेफर

हादसे में घायल हुए लोगों को स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से सदर अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों के अनुसार, ट्रक ड्राइवर नीरज कुमार और एक अन्य व्यक्ति की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया है। अन्य घायलों में खलासी चम्पा कुमार, जितेंद्र राम, अमित कुमार साह, मनीषा कुमारी, मुकेश प्रसाद, राजेंद्र प्रसाद, सरिता कुमारी और मनोज कुमार शामिल हैं। सभी घायलों का इलाज सीवान सदर अस्पताल में चल रहा है। सराय थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि सभी घायलों का अस्पताल में इलाज कराया जा रहा है। ऑटो सीवान से सवारियां लेकर गोरियाकोठी जा रही थी। बड़कागांव के पास पहुंचते ही वह बेकाबू होकर खड़े ट्रक से टकरा गई। फिलहाल, मामले की जांच कर रहे हैं।

बिहार के 102 अनुमंडलों से चलेंगी डीलक्स बस, बड़े शहरों से जुड़ेंगे कस्बे

पटना, एजेंसी। बिहार के 102 अनुमंडलों को डीलक्स बस सेवा से जोड़ा जाएगा। राज्य सरकार की कस्बों को बड़े शहरों से जोड़े जाने की योजना है। किन-किन जिला मुख्यालयों से अनुमंडलों के लिए यह बस सेवा होगी, यह तय कर लिया गया है। इसमें पटना के अलावा भागलपुर, मुजफ्फरपुर, सहरसा और मुंगेर जिले को शामिल किया गया है। इन शहरों से अनुमंडलों के लिए डीलक्स बस चलेंगी। बिहार राज्य पथ परिवहन निगम ने इसकी तैयारी कर ली है। इसके लिए 30 अप्रैल तक परमिट जारी कर दिए जाएंगे। मई के पहले या दूसरे सप्ताह में बसों का परिचालन शुरू हो जाएगा। राज्य भर में 166 डीलक्स बसों का परिचालन किया जाना है। इसका मकसद राज्य के सभी अनुमंडलों को जिला मुख्यालय से जोड़ना है। इससे पंचायत स्तर पर लोगों को बस सेवा से जिला मुख्यालय तक पहुंचने की सहूलियत होगी। बिहार राज्य पथ परिवहन निगम के अधिकारियों की मानें तो 96 बसों को परमिट दे दिया गया है। जल्द की बांकी बसों को भी परमिट दे दिया जाएगा। इसके बाद परिचालन शुरू होगा। डीलक्स बस सेवा शुरू होने से कस्बों के लोगों को बड़े शहरों तक पहुंचने में सुविधा होगी। ये बसें आधुनिक और आरामदायक होंगी। बताया जा रहा है कि इस प्रोजेक्ट के तहत 166 बसों की खरीद की गई है। सब कुछ ठीक रहा तो अगले महीने से डीलक्स बसें सड़कों पर दौड़ने लगेंगी।

संदिग्ध लोगों व उनकी बाइक की हो जांच

छपरा, एजेंसी। अगर आप पेट्रोलिंग में हैं तो स्टैटिक न रखकर आपको सड़क पर खड़ा होकर संदिग्ध अन्य लोगों का बॉडी सर्च कर डिक्की जांच करनी होगी। सीनियर एसपी डॉ कुमार आशीष ने बताया कि लगातार ऐसी सूचना मिलती आ रही है कि थाने की जो गाड़ी क्षेत्र में पेट्रोलिंग के लिए निकलती है वह एक जगह स्टैटिक रखते हैं व पुलिस पदाधिकारी और जवान गाड़ी में बैठे रहते हैं। अब हर हाल में उन्हें गाड़ी से उतर कर रोड पर सर्च अभियान चलाना है। संदिग्ध लोगों की बॉडी सर्च कर गाड़ी की जांच करनी है। रोको टोको अभियान के तहत उनसे जानकारी लेनी है कि किस उद्देश्य से निकले हैं।

जो भी संदिग्ध लगे उनकी फोटो खींच कर संबंधित पेट्रोलिंग अधिकारी को देनी है। एसपी ने बताया कि सभी अनुमंडल के पुलिस पदाधिकारी और थानाध्यक्षों को निर्देश दिया गया है। वे लगातार क्षेत्र में निकल रहे हैं । उन्होंने बताया कि शहरी तथा देहाती थाना क्षेत्रों में विशेष पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाई गई है। पेट्रोलिंग की जांच भी पदाधिकारी कर रहे हैं। वही जगह बदल बदल कर चेकिंग भी चलाने का निर्देश दिया गया है। सोनपुर से लेकर रसूलपुर तक गुरुवार को सभी थाना रोको टोको पुलिस से अभियान चलाया । गाड़ियों की सर्च किया जा रहा है। सभी अनुमंडल के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी भी इसकी मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

संविदा कर्मियों को बायोमेट्रिक हाजिरी के बिना पैसा नहीं मिलेगा, बिहार में मई से नई व्यवस्था

पटना, एजेंसी। बिहार के पंचायतों में मई महीने से नई व्यवस्था लागू होने वाली है। पंचायती राज विभाग के संविदा कर्मियों की अब बायोमेट्रिक हाजिरी लगेगी। अब बिना कार्यालय गए ग्राम कचहरी सचिवों का मानदेय भुगतान नहीं होगा। इस व्यवस्था से ग्राम कचहरियों में संविदा कर्मियों की उपस्थिति सुनिश्चित होगी। इससे गांव के लोगों का काम आसानी से होगा। पंचायती राज विभाग द्वारा बायोमेट्रिक मशीन का बी बैस सॉफ्टवेयर से एपीआई (एप्लीकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस) से लिंक कराया जा रहा है। इससे हाजिरी बनते ही सीधे सॉफ्टवेयर पर अपलोड होगी। इस व्यवस्था से अधिकारी भी संविदा कर्मियों को बिना बायोमेट्रिक हाजिरी बनाए मानदेय नहीं दिला सकेंगे। सिर्फ वैसी स्थिति में ही बिना बायोमेट्रिक हाजिरी बनाए मानदेय का भुगतान होगा, जब कर्मी प्रशिक्षण या अन्य किसी अनिवार्य कार्य से कार्यालय नहीं आ सके। पंचायती राज विभाग को शिकायत मिल रही थी कि संविदा कर्मी निर्धारित कार्यालय में नहीं रहते हैं। अब बायोमेट्रिक हाजिरी के कारण कार्यालय में उनकी उपस्थिति रहेगी। पंचायती राज निदेशक आनंद शर्मा ने बताया कि विभाग के संविदा कर्मियों के लिए मई से बायोमेट्रिक हाजिरी अनिवार्य की जा रही है। इस व्यवस्था से गांवों के लोगों का संबंधित कर्मचारियों के माध्यम से काम आसानी से होगा। बायोमेट्रिक हाजिरी का ट्रायल इस माह के अंत तक पूरा हो जाएगा। पंचायती राज विभाग में लगभग 12 हजार संविदा कर्मी हैं। इसमें लगभग 7500 कर्मी ग्राम पंचायत सचिव हैं। संविदाकर्मियों में न्याय मित्र, तकनीकी सहायक, लेखापाल सह आईटी सहायक, आरटीपीएस कार्यालय के कार्यालय सहायक, प्रखंड कार्यपालक सहायक आदि शामिल हैं।

ग्रामीण बोलें- अब प्रदर्शन करेंगे, अधिकारी बोले- जल्द समाधान होगा

नालंदा के हरनौत में नल-जल योजना फेल:30 घरों में नहीं पहुंच रहा पानी

नालंदा, एजेंसी। नालंदा के हरनौत नगर पंचायत को दर्जा मिले 10 साल से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन विकास कार्य अभी भी केवल कागजों तक ही सीमित है। सरकार की महत्वाकांक्षी हर घर नल जल योजना श्रीचंदपुर स्थित वार्ड संख्या 10 में पूरी तरह से विफल साबित हो रही है। तपती गर्मी में स्थानीय निवासी पेयजल के लिए तरस रहे हैं और इधर-उधर से पानी लाने को मजबूर हैं। दर्जनों ग्रामीणों ने अपनी व्यथा बताते हुए कहा कि श्रीचंदपुर गांव के वार्ड नंबर 10 में करीब 30 घरों के सैकड़ों निवासियों को नल जल योजना का लाभ नहीं मिल रहा है। स्थानीय निवासी सरवन पासवान, डोली देवी और सुशीला देवी ने बताया की आधे घरों में पानी पहुंचता है, जबकि बाकी लोग या तो कहीं और से पानी लाते हैं या फिर हैंडपंप पर निर्भर हैं।

कई बार की शिकायत, लेकिन कोई समाधान नहीं : मौके पर मौजूद स्थानीय निवासी सुधीर पासवान, अमर मलिक और वार्ड पार्षद राकेश रंजन ने इस समस्या पर अपना आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा की हमारे मोहल्ले में नगर पंचायत द्वारा मूलभूत सुविधाएं नहीं दी जा रही हैं। पंचायत कार्यालय हमारे साथ सौतेला व्यवहार कर रहा है। उन्होंने बताया कि इस समस्या को लेकर कई बार कार्यपालक पदाधिकारी को सूचित किया गया है, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला है।

समाधान नहीं निकला तो करेंगे घेराव : स्थिति की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं निकला तो वो नगर पंचायत कार्यालय का घेराव करेंगे। पेयजल की समस्या को लेकर लोगों में गहरा रोष दिखाई दे रहा है। इस मामले पर मुख्य पार्षद प्रतिनिधि धीरज कुमार उर्फ पल्लू सिंह ने कहा की पाइप बिछाने का कार्य प्रगति पर है। जल्द ही समस्या का समाधान कर लोगों के बीच नल जल योजना बहाल कर दी जाएगी। वहीं कार्यपालक पदाधिकारी सुमन सौरभ का कहना है कि वार्ड संख्या 11 में नया बोरिंग कराया गया है और वहां से 10 दिनों के अंदर लोगों को नल जल योजना का लाभ मिलने लगेगा।

तिलक में चांदी का कटोरा नहीं मिला तो दूल्हा पक्ष का बवाल, जमकर चले लात-घूंसे, शादी भी तोड़ी

पटना, एजेंसी। बिहार के पटना जिले में तिलक समारोह के दौरान दूल्हा और दुल्हन पक्ष के बीच बवाल मच गया। मामला धनरुआ थाना क्षेत्र के एक गांव का है। तिलक में चांदी का कटोरा नहीं मिलने पर दूल्हा पक्ष के लोगों ने हंगामा कर दिया। फिर वर-वधू पक्ष के लोगों के बीच जमकर लात-घूंसे चलने लगे। देखते ही देखते, शादी का माहौल अखाड़े में तब्दील हो गया। मारपीट में दोनों पक्षों से 6 लोग घायल हो गए। दूल्हे के परिजन ने शादी भी तोड़ दी। जानकारी के अनुसार बुधवार रात को गांव के एक घर में तिलक समारोह का आयोजन किया गया। शादी 20 अप्रैल को होनी थी। कादिरगंज के एक गांव से दुल्हन पक्ष के लोग तिलक चढ़ाने दूल्हे के यहां आए। दुल्हन पक्ष की ओर से जो उपहार लाए गए, उसमें चांदी का कटोरा नहीं होने पर दूल्हे वाले भड़क गए। फिर दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई। आरोप है कि वर पक्ष के लोगों ने तिलक में चढ़ाए जाने के लिए लाई गई बाइक समेत अन्य कई सामानों को क्षतिग्रस्त कर दिया। उन्होंने शादी करने से भी मना कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने वर पक्ष के दो लोगों को हिरासत में ले लिया। उनसे पूछताछ की गई। पुलिस ने बताया कि कन्या पक्ष से लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

ईएसआई कामगारों के लिए बड़ी सौगात, आयुष्मान अस्पतालों में करवा सकेंगे मुफ्त इलाज

रांची, एजेंसी। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा है कि कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआइसी) से बीमित कामगार परिवारों का इलाज ईएसआइसी के अस्पतालों, डिस्पेंसरियों तथा इससे सूचीबद्ध दो हजार से अधिक अस्पतालों के अलावा आयुष्मान भारत से सूचीबद्ध किसी भी अस्पताल में हो सकेगा।

बीमित कामगार किसी भी आयुष्मान भारत से सूचीबद्ध अस्पताल में अपना और अपने परिवार का इलाज करा सकेंगे। केंद्रीय मंत्री गुरुवार को रांची के नामकोम स्थित ईएसआइसी के 220 बेड के अस्पताल के उद्घाटन के बाद समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने बताया कि देशभर में 3.77 करोड़ कामगारों के लिए ईएसआइसी के 165 अस्पताल, 1500 डिस्पेंसरियां तथा दो हजार से अधिक अस्पताल सूचीबद्ध हैं। अब इसमें आयुष्मान भारत से सूचीबद्ध अस्पताल भी जुड़ गए हैं।

अपने संबोधन में डॉ. मांडविया ने कहा कि शीघ्र ही इस अस्पताल में 50 सीटों का मेडिकल कॉलेज भी शुरू होगा, जिससे तीन लाख से अधिक श्रमिकों को सुपर स्पेशियलिटी सुविधाएं प्राप्त हो सकेंगी। उन्होंने बताया कि यह अस्पताल केवल एक इमारत नहीं है, बल्कि यह हमारे श्रमिकों की मेहनत और समर्पण का प्रतीक है। कोविड महामारी के बाद किए गए सरकार के प्रयासों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज प्रदान किया जा रहा है। इसके साथ ही 60 करोड़ से अधिक लोगों को आयुष्मान भारत

योजना के तहत प्रति वर्ष पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज हो रहा है। अब किसी गरीब को इलाज के लिए साहूकारों के पास जाना नहीं पड़ता है।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. मांडविया ने ईएसआइ के लाभार्थियों को सम्मानित किया और उन्हें नकद लाभ स्वीकृति पत्र प्रदान किए। उन्होंने इस अस्पताल के निर्माण में सम्मिलित रहे श्रमिकों को भी सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि यह अस्पताल केवल एक भवन नहीं, बल्कि एक मंदिर है। यहां कार्यरत सभी चिकित्सक और कर्मचारी पुजारी के समान हैं और जो भी मरीज यहां आते हैं, वे हमारे लिए भगवान के समान हैं। हम उनकी पूरी सेवा श्रद्धा और समर्पण के साथ करेंगे।

इस अवसर पर सांसद प्रदीप वर्मा, केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की चिकित्सा आयुक्त दीपिका गोविल, क्षेत्रीय बीमा आयुक्त प्रणय सिन्हा तथा ईएसआइसी के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। समारोह में उपस्थित केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि नया भारत न तो पीठ दिखाता है और न ही किसी दूसरे देशों के समक्ष हाथ फैलाता है। उन्होंने कोरोना टीका को बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि कई देशों में जब पोलियो का उन्मूलन हो गया था तो उसके 12-20 वर्षों बाद भारत में पोलियो का टीका आया था।

नए भारत ने कोरोना का टीका दूसरे देशों को देने का काम किया। भारत अब दूसरों को देनेवाला राष्ट्र बन गया है। उन्होंने कहा कि कोरोना के विरुद्ध युद्ध के सेनापति मांडविया ही थे। जून 2018 में 200 बेड वाले अस्पताल के नए भवन निर्माण को मंजूरी मिली थी। 31 मई 2018 को निर्माण शुरू हुआ। - ईएसआइसी ने अक्टूबर 2024 में 50 एमबीबीएस सीटों वाले मेडिकल कॉलेज की स्थापना को भी मंजूरी दी, जिसका संचालन निकट भविष्य में शुरू होने वाला है। अस्पताल में सामान्य चिकित्सा, शल्य चिकित्सा, स्त्री रोग, अस्थि रोग, नेत्र रोग (आंख) और दंत चिकित्सा जैसे आवश्यक विभागों के साथ-साथ विभिन्न सहायक सेवाएं भी उपलब्ध हैं। अस्पताल परिसर में एक बेसमेंट, ग्राउंड फ्लोर और चार अतिरिक्त मंजिलें हैं, जो 7.9 एकड़ के परिसर में फैली हुई हैं।

चार मंजिला अस्पताल भवन का निर्माण 99.06 करोड़ की लागत से किया गया है और यह 17,559 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। इसमें तीन आधुनिक ऑपरेशन थियेटर (ओटी) हैं, एक अतिरिक्त ऑपरेशन थियेटर (ओटी) का और प्रविधान है। इसमें 34 वार्ड और 6 आइसोलेशन वार्ड, 40 ओपीडी कमरे और सभी डॉक्टरों, प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए पर्याप्त जगह मुहैया कराया गया है।

संक्षिप्त समाचार

मौसम विभाग का अलर्ट, जारी रहेगा तूफान और बिजली का कहर, 20 अप्रैल तक होगी झमाझम बारिश

रांची, एजेंसी। साइक्लोनिक सर्कुलेशन और बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव के कारण झारखंड में मौसम में लगातार बदलाव देखा जा रहा है। मौसम विभाग ने पूरे राज्य में बारिश, तेज हवा, बिजली गिरने और ओलावृष्टि की संभावना को लेकर 20 अप्रैल तक यलो अलर्ट जारी किया है। रांची व आसपास के जिलों के अलावा राज्य के अधिकांश हिस्सों में हुई वर्षा के बाद जहां मौसम सुहावना हो गया है। वहीं, गेहूं की फसल को नुकसान पहुंचने की बात सामने आ रही है। विशेषकर वैसे किसान जिन्होंने देर से गेहूं की फसल लगाई थी, उनके बीज के अंकुरित होने का खतरा मंडराने लगा है।

इस वर्षा से आम और लीची की खेती कर रहे किसानों को अच्छा खासा लाभ पहुंचा है। लाही कीट से आम और लीची को बचाना जहां आसान हो गया है। वहीं, इन फलों के रसदार होने की संभावना भी बढ़ गई है।

बता दें कि मौसम विज्ञान केंद्र रांची ने पूर्वानुमान जारी करते हुए 20 अप्रैल तक किसानों को सतर्क रहने की सलाह दी है। जारी पूर्वानुमान में बताया गया है कि राज्य के उत्तर पश्चिमी क्षेत्र यानी पलामू, गढ़वा, चतरा, कोडरमा, लातेहार और लोहरदगा को छोड़ बाकी जिलों में मेघगर्जन के साथ 40 से 50 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से तेज हवा बहने की संभावना है। मौसम विज्ञानी अभिषेक आनंद ने बताया कि तेज हवा बहने के साथ कहीं कहीं बिजली गिरने की भी संभावना है। इसे मद्देनजर रखते हुए उन्होंने बाहर न निकलने, पेड़ के नीचे नहीं रहने, इलेक्ट्रानिक गैजेट्स का प्रयोग न करने की सलाह दी है।

झारखंड में पिछले 24 घंटे के दौरान लगभग सभी जगहों पर मेघगर्जन एवं आंधी के साथ हल्की व मध्यम दर्जे की वर्षा हुई है। राजधानी रांची का अधिकतम 30.7 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 17.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। सबसे अधिक वर्षापात 42 मिमी खूंटी में रिकॉर्ड की गई, जबकि सबसे अधिक अधिकतम तापमान 36.6 डिग्री सेल्सियस डाल्टनगंज का और सबसे कम न्यूनतम तापमान 17.7 डिग्री सेल्सियस धनबाद में रिकॉर्ड किया गया।

धर्म बदल लेंगे 118 परिवार, 11 गांव के लोगों ने दी चेतावनी

जमशेदपुर, एजेंसी। झारखंड के जमशेदपुर में 118 परिवारों ने सामाजिक बहिष्कार पर बड़ा निर्णय लेने की तैयारी कर ली है। डुमरिया प्रखंड के 11 गांवों के 118 परिवारों का ग्राम प्रधान ने सामाजिक बहिष्कार कर दिया है। इससे पीड़ित ग्रामीणों ने गुरुवार को डीसी ऑफिस पहुंचकर न्याय दिलाने की गुहार लगाई है। न्याय नहीं मिलने पर उन्होंने धर्म परिवर्तन की चेतावनी दी है।

इन सभी के ग्राम प्रधानों ने अलग-अलग कारणों से इन्हें बहिष्कृत कर दिया है। ये सभी इस मामले में न्याय के लिए पहले सांसद और फिर सांसद की चिट्ठी लेकर उपायुक्त से मिलने पहुंचे थे। इनमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी थीं। उपायुक्त की अनुपस्थिति में उन्होंने जिला योजना पदाधिकारी मृत्युंजय कुमार को ज्ञापन सौंपकर न्याय की गुहार लगाई। सामाजिक रूप से बहिष्कृत लोगों में से एक छोटा अस्ती गांव के सोनाराम हेम्ब्रम ने बताया कि वे सभी लोग अलग-अलग कारणों से बहिष्कृत किए गए हैं। उनके गांव के 12 परिवारों को इसलिए बहिष्कृत कर दिया गया, क्योंकि उनलोगों ने पूर्णिमा के दिन सोहराय पर्व मनाया था।

चाकड़ी के 60 परिवार सहित मरांगसंघा, बादलगोड़ा, कासालीडीह, बोमरो, कोलाबरिया, मेरालडीह और कुदुरसाई आदि गांवों के लोग वर्षों से बहिष्कार का दंश झेल रहे हैं। इसी प्रकार भागवत सोरेन और कुदाय माझी ने बताया कि बहिष्कार की वजह से वे लोग सभी प्रकार की सरकारी सुविधाओं से वंचित हैं। उनके धार्मिक कार्य भी बंद है, क्योंकि उन्हें जाहेरथान में घुसने नहीं दिया जाता है। उनका हुक्का-पानी बंद है, इसलिए उनसे अगर पड़ोस के किसी परिवार ने बात भी कर ली तो प्रधान उनका भी बहिष्कार कर देता है। उन्होंने अब पूरे प्रखंड के लिए एक ही प्रधान की भी मांग की है। उन्होंने कहा कि वे एक साल से बीडीओ, एसडीओ से लेकर सभी अफसरों से न्याय मांग चुके हैं। लेकिन अबतक उनकी बात नहीं सुनी गई है। इसलिए वे अब 15-20 दिन और इंतजार करेंगे। इसके बाद धर्म परिवर्तन कर लेंगे। और इसकी पूरी जवाबदेही जिला प्रशासन की होगी।

सरायकेला-खरसावां में पत्थर से कूचकर युवक की हत्या के तीन आरोपी धराये

सरायकेला, एजेंसी। सरायकेला-खरसावां जिले के कपाली थाना अंतर्गत ताजनगर में बीते 15 अप्रैल को एक युवक की पत्थर से कूचकर हत्या का मामला पुलिस ने उजागर कर दिया है. मामले में संलिप्त तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है. गिरफ्तार आरोपियों में मो सलाउद्दीन, मो अब्दुल अंसारी उर्फ सोनू और मो कालीन शामिल है. आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त ईट-पत्थर और मृतक का एक टूटा हुआ फोन बरामद किया गया है.

अनुमंडल पुलिस कार्यालय में शुक्रवार को पत्रकारों को घटना की जानकारी देते हुए एसडीपीओ अरविंद कुमार विन्हा ने बताया कि, कपाली के अंसारनागर डैमडूबी बस्ती निवासी मो हुसैन की बीते 15 अप्रैल को पत्थर से कूचकर हत्या कर दी गयी थी. मामले में मृतक की पत्नी अरीबा परवीन ने कपाली थाना में दो नामजद अभियुक्त मो शाहबाज और अफाक के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करवाया था. मामला दर्ज कर पुलिस त्वरित घटना की जांच में जुट गयी थी.

पुलिस ने टीम गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू की. मामले की जांच के दौरान जुटे साक्ष्य के आधार पर

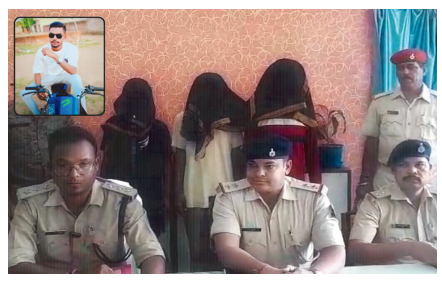

तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया. गिरफ्तार आरोपियों में मो सलाउद्दीन, मो अब्दुल अंसारी उर्फ सोनू और मो कालीन शामिल है. पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त ईट-पत्थर और मृतक का एक टूटा हुआ फोन बरामद किया है. एसडीपीओ ने बताया कि मो सलाउद्दीन पर पहले से धारा 307 के तहत हत्या की कोशिश और हत्या करने का आरोप है. घटना में संलिप्त अन्य लोगों की जांच की जा रही है. प्रेस वार्ता के दौरान चांडिल सर्किल इंस्पेक्टर अजय कुमार, कपाली ओपी प्रभारी सोनू कुमार, कौशल कुमार, हीरालाल मुंडा, मनोज मिश्रा एवं अन्य उपस्थित रहें.

हजारीबाग में गुमटी पर बैठे युवक को मारी 4 गोली

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग में बीती रात बाइक सवार तीन अपराधियों ने एक युवक को गोली मार दी। युवक को चार गोली लगी है। उसकी हालत गंभीर बनी हुई। स्थानीय लोगों की मदद से उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना बरकट्ठा गोरहर थाना क्षेत्र बंडासिंघा शिवमंदिर के पास की है। वहीं, घायल युवक के पिता के अनुसार, सरस्वती पूजा के दौरान छेड़छाड़ का बेटे ने विरोध किया था। इसी बात पर उसे मारने की धमकी दी गई थी। यह घटना उसी विवाद से जुड़ा लग रहा है।

घायल की पहचान अनूप यादव (30) के रूप में की गई। जख्मी ने बताया कि वो शिवमंदिर के निकट एक गुमटी में बैठा था। तभी एक बाइक पर सवार तीन लोग आए और धडाधड़ चार गोली मार कर फरार हो गए। बाइक पर सवार हरिओम सिंह (पिता लक्ष्मी सिंह), सचिन पाण्डेय (पिता बीरेंद्र पांडेय) व एक अन्य था। घायल के पिता बैजनाथ यादव ने बताया कि जिनपर अनूप

यादव को गोली मारने का आरोप लगा है, वह पूर्व में भी आपराधिक मामले में रांची जेल से बाहर आए हैं।

पिता ने बताया कि सरस्वती पूजा में छेड़छाड़ के दौरान मना करने पर अनूप को धमकी दी गई थी। इसको लेकर थाना को भी सूचना दी गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इससे अपराधियों का मन बढ़ा। इधर, गोरहर थाना प्रभारी सोनू कुमार ने कहा कि गोली लगने की सूचना है। अपराधी को पकड़ा जाएगा।

वहीं, तीन दिन पहले हजारीबाग के इचाक थाना क्षेत्र में पेट्रोल पंप के मैनेजर शंकर कुमार (36) की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। फिर बाइक की डिक्की में रखे लाखों रुपए लूट लिए थे। इस मामले में अब तक पुलिस हत्यारों को गिरफ्तार नहीं कर सकी है।

सीपी सिंह वह गिद्ध हैं, जो हमेशा लाश नोंचने..., विधायक के बयान पर भड़के मंत्री इरफान अंसारी

रांची, एजेंसी। राज्य सरकार के स्वास्थ्य, खाद्य आपूर्ति एवं आपदा प्रबंधन मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने रांची से भाजपा के विधायक सीपी सिंह पर गुरुवार को जोरदार हमला बोला।

उन्होंने सीपी सिंह द्वारा कसाई कहे जाने पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि वे बुजुर्ग व्यक्ति हैं, लेकिन उन्हें सामान्य शिष्टाचार और भाषा का ज्ञान नहीं है। उनको हर मुसलमान कसाई नजर आता है। सीपी सिंह जैसे लोग झारखंड के अमन-चैन और सुख-शांति के लिए खतरा हैं।

सीपी सिंह वह गिद्ध हैं, जो हमेशा लाश नोंचने की फिराक में रहता है। ऐसा लगता है कि भाजपा की राजनीति में किनारा कर दिए जाने के बाद वे घोर निराशा के दौर में हैं। उनकी ऐसी खराब स्थिति के लिए वे उनसे सहानुभूति रखते हैं।

अगर सीपी सिंह चाहें तो वे स्वास्थ्य मंत्री होने के नाते उनका उपचार स्वयं रिनपास लेकर जाने को तैयार हैं। सीपी सिंह का मानसिक उपचार काफी आवश्यक है। मुस्लिमों से उन्हें इतनी नफरत है कि वे अपने विधानसभा क्षेत्र में मौजूद मुस्लिम इलाकों में झांकते तक नहीं हैं।

मंत्री इरफान ने कहा कि ऐसे लोगों को जनप्रतिनिधि रहने का अधिकार नहीं है, जो अपने क्षेत्र के लोगों को जाति, धर्म के आधार पर भेदभाव की नजर से देखता है। सीपी सिंह अगर सच्चाई जानना चाहते हैं तो उन्हें इतिहास का अध्ययन करना चाहिए।

हेमंत सोरेन का बड़ा ऐलान, झारखंड के सरकारी कर्मचारियों का होगा 1 करोड़ का बीमा

रांची, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की उपस्थिति में गुरुवार को वित्त विभाग और भारतीय स्टेट बैंक के बीच राज्य सरकार के कर्मचारियों के सैलेरी पैकेज को लेकर एमओयू हुआ। इस पर वित्त विभाग की विशेष सचिव राजेश्वरी बी और भारतीय स्टेट बैंक के उपमहाप्रबंधक देवेश मित्तल ने हस्ताक्षर किए। एमओयू के तहत जिन सरकारी कर्मचारियों का सैलरी अकाउंट एसबीआई में होगा, उन्हें बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के एक करोड़ रुपए तक का दुर्घटना बीमा समेत स्वास्थ्य बीमा, जीवन बीमा और कई अन्य बैंकिंग सेवाओं का लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी श्रेणी के सरकारी कर्मियों के सम्मान, सुरक्षा और कल्याण के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। सरकारी कर्मियों को आर्थिक सुरक्षा देने की दिशा में आज नए अध्याय की शुरुआत हो रही है। दुर्घटना बीमा राज्य कर्मियों को सेवा काल के दौरान दुर्घटना में मौत होने पर उनके परिजनों को एक करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता मिलेगी। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा एसबीआई के साथ एमओयू केवल एक समझौता नहीं, बल्कि यह सीएम के नेतृत्व वाली सरकार की अपने राज्य कर्मियों के कल्याण, सम्मान, सुरक्षा और विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। इस अवसर पर मुख्य सचिव अलका तिवारी, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, प्रधान सचिव वंदना दादेल, एसबीआई के मुख्य महाप्रबंधक (झारखंड -बिहार) केबी बंगारराजू और महाप्रबंधक प्रभाष बोस मौजूद रहे।

सरकारी कर्मियों को दे रहे आर्थिक सुरक्षा

सीएम ने कहा कि आर्थिक सुरक्षा हो या फिर स्वास्थ्य

या जीवन सुरक्षा, हमारी सरकार सभी सरकारी कर्मियों की आर्थिक सुरक्षा को लेकर दूरदर्शी सोच और संवेदनशीलता से कार्य कर रही है। जैसे सरकार को आपकी चिंता है, वैसे अब झारखंड जैसे पिछड़े राज्य में एसबीआई जैसी संस्थाएं सहयोग के लिए आगे आ रही हैं।

राज्य के विकास में कर्मचारियों का अहम रोल- सीएम ने कहा कि राज्य कैसे आगे बढ़े, इसके लिए नीति निर्धारण से लेकर कार्य योजनाओं को धरातल पर उतारने का माध्यम सरकारी कर्मचारी बनते हैं। ऐसे में सरकारी कर्मियो का मनोबल बढ़ाने के साथ, उन्हें कार्य करने के लिए बेहतर वातावरण दिया जा है। सरकारी कर्मचारी भी राज्य हित में अपने कार्यों का निर्वहन पूरी ईमानदारी एवं निष्ठा के साथ करें।

महिला क्रिकेट में पश्चिमी सिंहभूम ने रचा इतिहास:जमशेदपुर को 77 रनों से हराकर फाइनल में पहुंची

चाईबासा, एजेंसी। झारखंड राज्य क्रिकेट संघ की अंतर जिला महिला सीनियर क्रिकेट प्रतियोगिता में पश्चिमी सिंहभूम ने शानदार प्रदर्शन किया है। टीम ने जमशेदपुर को 77 रनों से हराकर फाइनल में जगह बनाई है।

चाईबासा के बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मैच में पश्चिमी सिंहभूम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की। टीम ने 40 ओवर में 160 रन बनाए। रश्मि गुड़िया ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 52 रन बनाए। उन्होंने 9 चौके और एक छक्का लगाया। कप्तान प्रियंका सवैयाँ ने 5 चौकों की मदद से 48 रन की पारी खेली। जमशेदपुर की गेंदबाजी में पल्वजीत कौर ने 4 विकेट लिए। सिमरन निशा मंसूरी को 3 और पल्विका राठौड़ को 2 विकेट मिले।

इधर, लक्ष्य का पीछा करते हुए जमशेदपुर की टीम 39 ओवर में सिर्फ 83 रन बनाकर आउट हो गई। टीम की ओर से कुमारी सविता ने सर्वाधिक 26 और पल्विका राठौड़ ने 10 रन बनाए। पश्चिमी सिंहभूम की अनामिका कुमारी ने शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने 19 रन देकर 4 विकेट झटके। सीता सिंकु ने 2 विकेट लिए। इसरानी सोरेन, चाँदमुनि पुरती, प्रियंका सवैयां और अंजलि दास को 1-1 विकेट मिला। अनामिका कुमारी को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्हें 5 हजार रुपए का नकद पुरस्कार मिला। पश्चिमी सिंहभूम की टीम का फाइनल मुकाबला 19 अप्रैल को रांची से होगा। जिला क्रिकेट संघ के महासचिव ने टीम को फाइनल में पहुंचने पर 5 हजार रुपए देने की घोषणा की है।

एक्शन में मंत्री इरफान अंसारी, जीएम को नौकरी से निकालने के बाद रिम्स निदेशक को पद से हटाया

रांची, एजेंसी। राजेन्द्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स), रांची के निदेशक डॉ. राज कुमार पद से हटा दिए गए हैं। रिम्स की शासी परिषद के अध्यक्ष सह राज्य सरकार के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने गुरुवार को इस संबंध में आदेश जारी किया।

निदेशक को पद से हटाने संबंधित प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का भी अनुमोदन प्राप्त है। स्वास्थ्य मंत्री द्वारा जारी आदेश में उल्लेख है कि निदेशक, रिम्स के पद पर कार्यरत रहने के दौरान डॉ. राज कुमार ने मंत्रिपरिषद, शासी परिषद तथा विभाग द्वारा लोकहित में दिए गए निर्देशों का पालन नहीं किया।

रिम्स अधिनियम, 2002 के अंतर्गत निर्धारित उद्देश्यों को पूर्ण करने में डॉ. राज कुमार की सेवा संतोषजनक नहीं पाई गई। उन्हें तीन महीने का वेतन और भत्ता देते हुए तत्काल प्रभाव से निदेशक, रिम्स के पद से हटाया

जाता है।

रिम्स में तैनाती से पूर्व डॉ. राज कुमार न्यूरो सर्जरी विभाग, संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, लखनऊ में प्राध्यापक के पद पर तैनात थे। इससे पहले स्वास्थ्य मंत्री की कार्रवाई जद में बुधवार को झारखंड मेडिकल एंड हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर एंड प्रोक्योरमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के जीएम प्रोक्योरमेंट नीलरंजन सिंह आए थे। मंत्री ने उन्हें पुरानी योजनाओं पर धीमी गति से काम करने और अनियमितता के आरोप में तत्काल प्रभाव से कार्यमुक्त करने का आदेश दिया था।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा है कि स्वास्थ्य सेवा आपात सेवा के दायरे में आता है। इसमें लापरवाही और अनुशासनहीनता राज्य सरकार किसी स्तर पर बर्दाश्त नहीं करेगी, जो भी अधिकारी और कर्मी काम नहीं करेगा, वह स्वास्थ्य विभाग में नहीं रहेगा।

बेहतर होगा कि अधिकारी और कर्मी समय रहते हुए अपनी कार्यप्रणाली में अपेक्षित सुधार लाए। स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के मार्गदर्शन में राज्य में चौबीस घंटे कार्य चल रहा है। ऐसे में किसी प्रकार की कोताही अगर अधिकारी करते हैं तो निश्चित तौर पर कार्रवाई होगी।

इरफान अंसारी ने गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की और उन्हें झामुमो का केंद्रीय अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई दी। इरफान अंसारी ने कहा कि मुख्यमंत्री का विदेश दौरा राज्य में निवेश और विकास के द्वार खोलेगा। सरकार समग्र विकास की परिकल्पना के साथ आगे बढ़ रही है।

पूर्वांचल और पश्चिम में बारिश और वज्रपात का अलर्ट, बुंदेलखंड में चलेगी लू; झांसी रहा सबसे गर्म

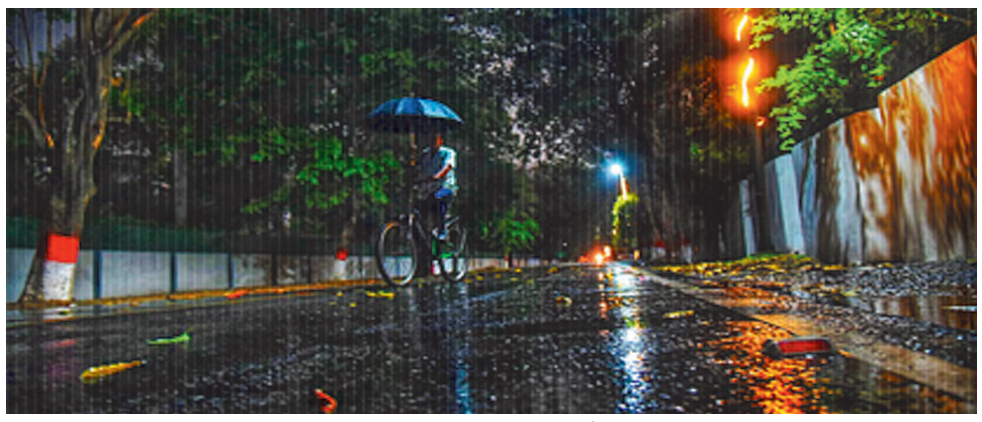

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में बृहस्पतिवार को तराई और पूर्वी हिस्सों में झोंकेदार हवाओं संग बूंदाबांदी देखने को मिली। मौसम विभाग से मिले आंकड़ों के मुताबिक बलरामपुर, गोंडा, बहराइच, सुल्तानपुर, सीतापुर, बाराबंकी, बलिया, बरेली आदि में तेज हवा संग हल्की बारिश हुई। कहीं कहीं ओले गिरने की भी सूचना मिली।

मौसम विभाग की ओर से शुक्रवार को प्रदेश के पूर्वी और पश्चिमी संभाग के लगभग 45 जिलों में झोंकेदार हवाओं और गरज-चमक संग बूंदाबांदी की चेतावनी जारी की गई है। बूंदाबांदी से पारा गिरेगा और तात्कालिक तौर पर गर्मी से राहत मिलेगी।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक ईरान से चले पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से प्रदेश के दोनों संभागों में रुक-रुक कर 20 अप्रैल तक बूंदाबांदी के संकेत हैं। इस मौसमी उलटफेर के असर से 18 से 20 अप्रैल के बीच तापमान में गिरावट आएगी और तात्कालिक तौर पर गर्मी से राहत मिलेगी।

इन इलाकों में है तेज हवा और गरज-चमक संग वज्रपात की चेतावनी: बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, कुशीनगर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, कानपुर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, इटावा, औरैया, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर एवं आसपास इलाकों में।

झांसी का अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। ऐसे में झांसी प्रदेश में सबसे गर्म रहा। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि शुक्रवार को धूल भरी तेज हवा चल सकती है। वहीं, 19 अप्रैल के बाद बुंदेलखंड के कई जिलों में लू चलने की भी आशंका है।

जिले में बृहस्पतिवार को सुबह से ही आसमान साफ था। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, वैसे-वैसे सूरज की तपिश बढ़ती गई। ऐसा लगा जैसे आसमान से आग बरस रही है। लोगों को त्वचा में जलन सी महसूस होने लगी। बुधवार की तुलना में दिन के तापमान में लगभग तीन डिग्री सेल्सियस का इजाफा हो गया और ये 42.1 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। यह सामान्य से 2.4 डिग्री अधिक है। वहीं, न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रहा, जो कि सामान्य से 1.3 डिग्री ज्यादा है।

मौसम केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक डॉ. अतुल कुमार सिंह का कहना है कि शुक्रवार को धूल भरी तेज हवा चल सकती है। शनिवार से तापमान में किसी तरह का उतार-चढ़ाव देखने को नहीं मिलेगा और इजाफा होना शुरू हो जाएगा। आगामी दिनों में अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच सकता है। बुंदेलखंड के कई जिलों में लू चलने की भी स्थिति बन सकती है।

आंधी- बारिश से यूपी में 11 मौतें : यूपी में गुरुवार को अचानक आई आंधी और बारिश की वजह से यूपी के अवध हिस्से में 11 मौतें हुईं। यह घटनाएं अयोध्या, बाराबंकी और अमेठी जिले में हुईं। दीवार, टीन शेड और पेड़ गिरने से यह हादसे हुए। सीएम योगी ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि प्रभावित परिवारों से मिलकर उन्हें तत्काल राहत पहुंचाई जाए। साथ ही साथ अधिकारी क्षेत्र का भ्रमण करें। गुरुवार को हुए इस हादसों में बाराबंकी में पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं छह लोग घायल हुए। इसी तरह अयोध्या में अलग-अलग हादसों में पांच महिलाओं की मौत हुई और आधा दर्जन लोग इसमें घायल हो गए। अमेठी जिले में बिजली गिरने से एक महिला की मौत हो गई। बेमौसम हुई इस बारिश से कई मार्गों में पेड़ गिरे। पेड़ गिरने से यातायात बाधित होने के साथ-साथ बिजली व्यवस्था भी प्रभावित हुई। आम और गेहूं की फसल को बड़ा नुकसान हुआ है।

आंधी-बारिश से अवध में 11 मौतें, कई घायल; सीएम योगी ने दिए अधिकारियों को सहायता पहुंचाने के निर्देश

अचानक आई आंधी और बारिश की वजह से यूपी के अवध हिस्से में 11 मौतें हुई। यह घटनाएं अयोध्या, बाराबंकी और अमेठी जिले में हुईं। दीवार, टीन शेड और पेड़ गिरने से यह हादसे हुए। सीएम योगी ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि प्रभावित परिवारों से मिलकर उन्हें तत्काल राहत पहुंचाई जाए। साथ ही साथ अधिकारी क्षेत्र का भ्रमण करें। गुरुवार को हुए इस हादसों में बाराबंकी में पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं छह लोग घायल हुए। इसी तरह अयोध्या में अलग-अलग हादसों में पांच महिलाओं की मौत हुई और आधा दर्जन लोग इसमें घायल हो गए। अमेठी जिले में बिजली गिरने से एक महिला की मौत हो गई। बेमौसम हुई इस बारिश से कई मार्गों में पेड़ गिरे। पेड़ गिरने से यातायात बाधित होने के साथ-साथ बिजली व्यवस्था भी प्रभावित हुई। आम और गेहूं की फसल को बड़ा नुकसान है। यूपी में अवध क्षेत्र में बृहस्पतिवार की शाम अचानक बिगड़े मौसम ने कहर बरपाया। तेज आंधी, बारिश व ओलावृष्टि ने किसानों के लिए परेशानी खड़ी कर दी। वहीं बाराबंकी में टिन शेड, दीवार और पेड़ गिरने से चपेट में आए पांच लोगों की मौत हो गई। जबकि छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बाराबंकी के नवाबपुर कोड़री गांव में विष्णुलाल की पत्नी फूलमती (40), उनका बेटा राहुल (22) और देवर वासुदेव का बेटा ध्रुव (6) खेत में मेंथा की सिंचाई करने गए थे। शाम को आंधी आने पर तीनों गांव के बाहर बने स्कूल परिसर में टीन शेड के नीचे खड़े हो गए। इस दौरान टीन शेड पिलर समेत ढह गया, जिसके नीचे दबकर फूलमती और ध्रुव की मौत हो गई। राहुल को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। असंद्रा क्षेत्र के कचार मजरे हकामी निवासी मुन्नालाल की पुत्री ज्योति (12) व राजू यादव का पुत्र शिवम (13) अपने भाई सौरभ, सुमित गांव की राधा, हरिओम के साथ बकरी चराने गए थे। तेज आंधी के दौरान सभी बच्चे बकरियों को लेकर पास में ही बंद पड़े मुर्गी फॉर्म में चले गए। आंधी के दौरानमुर्गी फॉर्म का टिनशेड व दीवार गिर गई। इसमें बच्चों के साथ बकरियां दब गईं।

संक्षिप्त समाचार

भदोही में खाक हुआ कॉटन मिल... आग से 8 करोड़ का नुकसान

भदोही , एजेंसी। भदोही कोतवाली के कार्पेट सिटी स्थित एक कातन मिल में रात दो बजे भीषण आग लग गई। आग लगने से आठ करोड़ का नुकसान हो गया। आग पर काबू पाने के लिए पांच जिलों की अग्निशमन वाहनों को बुलाया गया था। चार से पांच घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक पूरा मिल जलकर खाक हो गया था।

भदोही निवासी अनिल जायसवाल की कार्पेट सिटी में एक्स्पो मार्ट के ठीक सामने कातन मिल है। हर दिन की तरह वे शाम को कामकाज निपटाकर घर चले गए। रात में कर्मचारी वहां करते हैं।

रात करीब डेढ़ से दो बजे मिल की मशीन में शार्ट सर्किट से निकली चिंगारी से आग पकड़ लिया। जब तक लोग कुछ समझ पाते, तब तक आग ने विकराल रूप से धारण कर लिया। काटन मिल के मालिक अनिल के अनुसार रात दो बजे उन्हें कंपनी के गार्ड ने फोनकर इसकी जानकारी। वे कंपनी से चार किमी दूर आवास पर रहते हैं।

इस बीच कंपनी में लगी फायर हाईड्रेट से आग पर काबू पाने का प्रयास किया जाना लगा और अग्निशमन विभाग को सूचना दी गई। कर्मचारी आग बुझाने में लगे थे। इस बीच लाइट कट गई और बचाव कार्य बाधित हो गया। हालांकि थोड़ी देर में फिर से लाइट आने पर आग बुझाया जाने लगा, तब तक पानी खत्म हो गया। हालांकि आसपास से आग बुझाने का प्रयास करने लगे। इस बीच जिले की अग्निशमन की तीन गाड़ियां पहुंच गई। कंपनी में बड़ी मात्रा में कातन होने के कारण आग तेजी से विकराल होता जा रहा था। इस बीच मिर्जापुर, प्रयागराज, वाराणसी और जौनपुर से अग्निशमन को बुलाया गया। पांच जिलों की आठ गाड़ियां आग बुझाने में जुटी रही, लेकिन आग इतना विकराल था कि उसे पूरी तरह से काबू पाने में करीब चार से पांच घंटे लग गए। तब तक कंपनी में करीब साढ़े पांच करोड़ का तैयार माल, दो करोड़ की मशीन और मकान पूरी तरह से जलकर गए। पीड़ित ने बताया कि शार्ट सर्किट से आग लगी है। उनका करीब आठ करोड़ का नुकसान हुआ है।

खेरेश्वर चौराहे पर बरात की बस से निकला धुआं, बरातियों में मची खलबली

अलीगढ़ , एजेंसी। एटा से दिल्ली जा रही बरात की बस में धुआं निकलने से बरातियों में खलबली मच गई। बस को खेरेश्वर चौराहा पर रोका गया।

जनपद एटा के थाना जलेसर के किला कोतवाली निवासी सवारउददीन ने बताया कि उनके बेटे मुकीम की बरात बस से दिल्ली जा रही थी। बस में 60-70 बराती सवार थे। बस जैसे ही रोरावर थाने के खेरेश्वर चौराहे पर पहुंची ही थी, तभी नीचे के पाइप से धुआं निकलने लगा। जिसको देख कर राहगीरों और स्थानीय लोगो ने शोर मचाया। शोरगुल सुन कर चालक ने बस को रोक दिया।

मई में सीएम को करना है लोकार्पण: पहले ही आरएमपीएस यूनिवर्सिटी की इमारत में आईं दरारें, 101.41 करोड़ लगे

अलीगढ़ , एजेंसी। अलीगढ़ के राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय (आरएमपीएसयू) की इमारत में लोकार्पण से पहले ही दरारें आ गई। 101.41 करोड़ से बन रहे विश्वविद्यालय भवन का लोकार्पण मुख्यमंत्री द्वारा मई में प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित आगमन से पहले इमारत में दरारें आने से अधिकारियों के हाथ-पैर फूलने लगे हैं। लोधा मूसेपुर में विश्वविद्यालय का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। 30 अप्रैल तक निर्माण कार्य पूर्ण करने के लिए कार्यदायी संस्था को समय दिया गया है। प्रशासनिक भवन से लेकर कक्ष का निर्माण हो चुका है। कक्ष में खिड़की, दरवाजा से लेकर व्हाइट वॉश तक हो गया है, लेकिन दीवारों में दरारें आ गई हैं।

लोकबंधु अस्पताल: शॉर्ट सर्किट नहीं... सिगरेट-बीड़ी के टुकड़े ने कराया अग्निकांड, शासन को भेजी जाएगी रिपोर्ट

लखनऊ , एजेंसी। लोकबंधु अस्पताल में आग शॉर्ट सर्किट के कारण नहीं, बल्कि किसी के बीड़ी-सिगरेट पीकर फेंकने से लगी थी। पांच सदस्यीय जांच कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में इसका जिक्र किया है। जांच अधिकारियों का मानना है कि जलती बीड़ी या सिगरेट का टुकड़ा खिड़की के रास्ते स्टोर में आ गया था, जिससे आग लग गई।

जांच टीम ने पाया कि सभी एमसीबी व स्विच चालू हालत में थे, जिस कारण शॉर्ट सर्किट से आग लगने की संभावना नहीं है। अहम बात यह है कि कमेटी ने 15 दिन में सौंपी जाने वाली जांच रिपोर्ट महज तीन दिन में तैयार करके शासन को भेजी है।

कानपुर रोड स्थित लोकबंधु राज नारायण संयुक्त चिकित्सालय में सोमवार की रात दूसरे तल के फीमेल मेडिसिन वार्ड में आग लग गई थी। इससे काफी नुकसान हुआ। घटना की जांच के लिए प्रमुख सचिव स्वास्थ्य पार्थ सारथी सेन शर्मा ने पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया था। टीम को 15 दिनों में रिपोर्ट देनी थी। जांच टीम ने तीन दिन में ही जांच पूरी करके रिपोर्ट शासन को भेज दी है। अफसरों का कहना है जांच रिपोर्ट में शॉर्ट सर्किट के प्रमाण नहीं मिले।

बीएचयू के डॉक्टरों को सलाम, डेढ़ साल की बच्ची का ट्यूमर निकाला, 10 घंटे की सफल सर्जरी

वाराणसी, एजेंसी। बीएचयू अस्पताल में 20 डॉक्टरों की टीम ने डेढ़ साल की बच्ची की सर्जरी कर करीब एक किलो का ट्यूमर निकाला। 10 घंटे तक दो चरणों में सर्जरी की गई। इसमें बाल सर्जरी विभाग के साथ ही कार्डियोथोरेसिक विभाग सहित अन्य विभाग के डॉक्टरों की टीम रही। सर्जरी के बाद बच्ची अब पूरी तरह से स्वस्थ है। अब महामना कैंसर संस्थान में उसकी कीमोथेरेपी चलेगी।

बच्ची का इलाज महामना कैंसर अस्पताल में डेढ़ महीने से चल रहा था। उसके शरीर में ट्यूमर गुर्दे से लेकर हृदय तक फैल चुका था। महामना कैंसर अस्पताल में ट्यूमर को फैलने से रोकने के लिए कीमोथेरेपी दी जा रही थी। बाद में बच्ची की सर्जरी के लिए उसे बीएचयू के कार्डियोथोरेसिक विभाग में रेफर किया गया।

प्रो. सिद्धार्थ लखोटिया और बाल सर्जरी विभाग के प्रो. वैभव पांडेय के नेतृत्व में मार्च के अंत में बच्ची की सर्जरी की गई। प्रो. वैभव पांडेय ने बताया कि रेडियोलॉजी विभाग के डॉ. ईशान के सहयोग से क्लिनिको-रेडियोलॉजिकल मूल्यांकन और डॉ. प्रतिभा राय की टीम ने हृदय में ट्यूमर के विस्तार का विश्लेषण किया। टीम में डॉ. आरबी सिंह और डॉ. संजीव की टीम ने भी सहयोग किया।

निजी अस्पताल में 25 लाख खर्च, बीएचयू में केवल 60 हजार में सर्जरी

प्रो. वैभव पांडेय ने बताया कि बच्ची की उम्र, बीमारी की गंभीरता और विशेष उपकरणों (जैसे छोटे आकार के इंस्ट्रूमेंट्स और बाईपास कैथेटर) के कारण इस सर्जरी में किसी निजी अस्पताल में कम से कम 25 लाख तक का खर्च होता।

बीएचयू में इस सर्जरी पर 60 हजार रुपये खर्च हुए। दो चरण में हुई सर्जरी में पहले चरण में प्रो. वैभव पांडेय, डॉ. रुचिरा, डॉ. सेठ, डॉ. भानुमूर्ति, डॉ. मनीष और डॉ. राघव ने ट्यूमर को पेट के पास से हटाया। इसके बाद प्रो. सिद्धार्थ लखोटिया और उनकी टीम ने कार्डियक बाइपास के तहत हृदय खोलकर राइट एट्रियम से ट्यूमर को हटाया।यह प्रक्रिया बीटिंग हार्ट पर की गई और ट्रांस-ईसोफेगल ईको से गाइड की गई। इसे डॉ. संजीव की टीम ने संभाला।

बदल रहा है गोरखपुर: एम्स में बना है 44 करोड़ से 500 की क्षमता का रैन बसेरा, सीएम योगी करेंगी उद्घाटन

गोरखपुर , एजेंसी। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) गोरखपुर में बनने जा रहे पूर्वी उत्तर प्रदेश के सबसे बड़े रैन बसेरे का शिलान्यास मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। यहां पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के सौजन्य से 44 करोड़ रुपये की लागत से3 500 लोगों की क्षमता का रैन बसेरा बनेगा। 18 अप्रैल को भूमि पूजन कर सीएम योगी इसके निर्माण का शुभारंभ करेंगे।

गोरखपुर शहर पूर्वी उत्तर प्रदेश के जिलों और सीमावर्ती बिहार तथा पड़ोसी मित्र राष्ट्र नेपाल के लोगों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और कारोबार के लिए महत्वपूर्ण केंद्र हैं। प्रतिदिन यहां बड़ी तादाद में ऐसे लोग आते हैं जिन्हें किन्हीं जरूरी कारणों से रात्रि प्रवास करना पड़ता है। रात्रि प्रवास करने वालों में सबसे अधिक संख्या इलाज के लिए आने वालों की होती है।

ऐसे लोगों में आर्थिक रूप से कमजोर लोग रैन बसेरों में शरण लेते हैं। मुख्यमंत्री बनने के बाद से ही योगी आदित्यनाथ का जोर रैन बसेरों की संख्या/क्षमता बढ़ाने और वहां जरूरी सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर रहा है। इसके लिए समय-समय पर वह खुद कई रैन बसेरों का निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा भी लेते हैं।

वर्तमान समय में नगरीय क्षेत्र में 14 रैन बसेरे संचालित हैं जिनकी कुल क्षमता 667 लोगों की है। इनमें से 13 का संचालन नगर निगम और एक का संचालन एयरपोर्ट अथॉरिटी द्वारा किया जा रहा।

अब एम्स गोरखपुर में पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के सहयोग की सीएसआर निधि से 500 लोगों की क्षमता का रैन बसेरा बनने जा रहा है। यह न केवल गोरखपुर का बल्कि पूर्वी उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा रैन बसेरा होगा। इसके निर्माण पर 44 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

इसका शिलान्यास 18 अप्रैल को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों प्रस्तावित है। एम्स गोरखपुर की गवर्निंग काउंसिल के चेयरमैन देश दीपक वर्मा के मुताबिक एम्स में आने वाले मरीजों और तीमारदारों की सहूलियत के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ही पूर्व में रैन बसेरे की व्यवस्था करने के निर्देश दिए थे। एम्स में रैन बसेरा बन जाने के बाद यहां आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को भटकना नहीं पड़ेगा।

मऊ में तड़तड़ाईं गोलियां... फसल काटने को लेकर चाचा-भतीजा में हुआ था विवाद, तीन लोग घायल; पहुंची

मऊ , एजेंसी। मऊ के कोपागंज थाना क्षेत्र के सोडसर गांव में शुक्रवार की भोर में गेहूं काटने के विवाद को लेकर चाचा-भतीजे के बीच विवाद हो गया। बात इतनी बढ़ी कि दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर पहले लाठी-डंडे से हमला किया। उसके बाद एक दूसरे पर फायरिंग कर दी। इस फायरिंग में अभिषेक यादव के बाएं कंधे पर गोली लगी है, जबकि तीन लोग घायल हैं। इनका उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है। कोपागंज एसओ विजय प्रताप मौर्य ने बताया कि पुलिस दोनों पक्षों के घायलों के उपचार करा रही है। खबर लिखे जाने तक दोनों पक्षों से तहरीर नहीं मिली थी, लेकिन यह विवाद कल की बारिश में गेहूं की फसल खराब होने का कारण बताया जा रहा है। उसमें एक पक्ष का आरोप है कि कहने के बाद भी फसल नहीं काटी गई थी, जिससे बारिश से फसल खराब हो गई।

वक्फ संपत्ति बता कब्रिस्तान की जमीन को कब्जाया... बनाई दरगाह, एफआईआर दर्ज होते ही आरोपी फरार

बरेली , एजेंसी। बरेली के सीबीगंज क्षेत्र में कब्रिस्तान की सरकारी भूमि को वक्फ संपत्ति बताकर कब्जा करने के आरोपी घर पर ताला डालकर भाग गए हैं। पुलिस आरोपी सब्जे अली की तलाश कर रही है। प्रशासन की मदद से पुलिस उसकी संपत्ति जब्त कर सकती है।

सीबीगंज के एक मामले में शिकायत पर एसएसपी ने जांच कराई तो पता लगा कि गांव सरनिया के अभिलेखों में कब्रिस्तान के नाम दर्ज सरकारी भूमि को सब्जे अली ने फर्जी ट्रस्ट बनाकर वक्फ में पंजीकृत करवाकर कब्जा कर लिया है। पुत्तन शाह ने मामले की शिकायत दर्ज कराई थी।

पुत्तन शाह ने कानूनी लड़ाई लड़ी तो दो साल पहले कोर्ट ने भूमि को कब्जामुक्त कराने का आदेश जारी कर दिया। कोर्ट के आदेश को भी सब्जे अली दबाए बैठा रहा। एसएसपी के हस्तक्षेप पर बुधवार को पुत्तन शाह ने 11 लोगों पर धोखाधड़ी, फर्जी कागजात बनाने व मारपीट की रिपोर्ट कराई।

बृहस्पतिवार को इंस्पेक्टर सुरेश चंद्र गौतम ने मौके पर टीम भेजकर जांच कराई तो पता लगा कि सब्जे अली व उसके परिजन घर में ताला डालकर भाग गए हैं। भूमि को कब्जामुक्त कराने की प्रक्रिया भी जल्द शुरू करने की तैयारी है।

गांव सरनिया निवासी पुत्तन शाह के मुताबिक गांव में ही एक बेशकीमती जमीन खतौनी में कब्रिस्तान के नाम दर्ज है। यह सरकारी जमीन है। उन्होंने बताया कि गांव के ही सब्जे अली ने सैयद हामिद हसन नाम के एक व्यक्ति को फकीर बनाकर कब्रिस्तान के कुछ हिस्से की जमीन पर बैठा दिया। फिर उससे झाड़-फूंक कराकर लोगों को बरगलाने लगा।

आरोपी उससे होने वाली आमदनी में अपना हिस्सा लेने लगा। हामिद हसन की मौत के उसके शव को वहीं कब्र खुदवाकर दफन करा दिया। फिर उस जमीन के साथ ही कब्रिस्तान के कुछ हिस्से की करीब तीन बीघा जमीन पर कब्जा करने की नियत से मजार का निर्माण कराने लगा था।

जमीन के विवाद में बुजुर्ग की हत्या...आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर हंगामा, पुलिस ने भीड़ को खदेड़ा

आगरा , एजेंसी। जमीन के विवाद में हुए भोजराज हत्याकांड में डौकी पुलिस की लापरवाही और हत्यारोपियों की गिरफ्तारी न होने पर बृहस्पतिवार को ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। लोगों ने डौकी थाना घेरा और हंगामा करने लगे। पुलिस ने लाठियां भांजकर लोगों को तितर-बितर किया। इस दौरान कई लोगों को हिरासत में ले लिया गया है।

थाना डौकी क्षेत्र के गांव कुई कुमरगढ़ में 22 मार्च को जमीन के विवाद में बुजुर्ग भोजराज की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि पुलिस आरोपियों को जानबूझ कर नहीं पकड़ रही है।

बृहस्पतिवार को दोपहर में बड़ी संख्या में ग्रामीण ट्रैक्टर-ट्रॉली में बैठकर डौकी थाने पहुंचे। आरोपियों की गिरफ्तारी न होने की बात कही। इसके बाद हंगामा करने लगे। जानकारी पर प्रभारी निरीक्षक ने लोगों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वो मानने को तैयार नहीं हुए।

ग्रामीणों का कहना था कि आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं। पुलिस उन्हें गिरफ्तार नही कर रही है। तकरार बढ़ने पर पुलिस ने लाठियां भांजकर कर ग्रामीणों को खदेड़ा। भोजराज के बेटे राजकुमार ने बताया कि उन्होंने सियाराम, सत्यप्रकाश, बंटी, शीला देवी, खेमचंद, वीरेंद्र, बुच्ची, प्रवेश, राम प्रसाद, अतर सिंह, रामेश्वर, यश कुमार, मान देवी, हर देवी, ममता, नवल सिंह, समर सिंह के खिलाफ केस दर्ज कराया था।

पुलिस ने 23 मार्च को आरोपी सियाराम, बंटी, खेमचंद, राम प्रसाद, शीला देवी, ममता को गिरफ्तार कर जेल भेजा। अन्य को गिरफ्तार नहीं किया गया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि थाने पर लोग हंगामा कर रहे थे, जिन्हें शांतिपूर्वक हटा दिया गया है। लाठीचार्ज नहीं हुआ था, शांति व्यवस्था में बाधा बने कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है।

18 जिलों के 350 स्वास्थ्य संस्थानों को मिलेंगे एइएस किट : मंगल पांडेय

▸ 13 तरह के चिकित्सीय उपकरण रहेंगे एइएस किट में शामिल ▸ मुजफ्फरपुर को प्रति स्वास्थ्य संस्थान मिलेंगे 5 एइएस

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि एइएस की प्रभावी रोकथाम एवं उपचार को लेकर स्वास्थ्य विभाग काफी गंभीर एवं पहले से ही अलर्ट है। इसे लेकर कई स्तरों पर जागरूकता गतिविधि के साथ प्रभावित जिलों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। इसी कड़ी में एइएस की रोकथाम एवं शीघ्र उपचार की व्यवस्था को अत्याधिक प्रभावी बनाने के लिए एइएस से प्रभावित राज्य के 18

जिलों के 350 स्वास्थ्य संस्थानों में एइएस किट उपलब्ध कराए जाएंगे। 350 स्वास्थ्य संस्थानों में प्रति स्वास्थ्य संस्थान 2 एइएस किट उपलब्ध कराए जाएंगे जबकि मुजफ्फरपुर के 19 स्वास्थ्य संस्थानों में प्रति स्वास्थ्य संस्थान 5 एइएस किट उपलब्ध कराए जाएंगे। इस तरह राज्य में कुल 1000 एइएस किट संबंधित जिलों के स्वास्थ्य संस्थानों को उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके अलावा एइएस से विशेष प्रभावित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को आपातकालीन जरूरतों के लिए 100 अतिरिक्त एइएस किट दिए जाएंगे। इससे एइएस की शीघ्र रोकथाम और उपचार को बल मिलेगा।

श्री पांडेय ने कहा कि एइएस किट में डिजिटल बीपी मशीन, ग्लूकोमीटर, अम्बु बैग, म्यूकस सकर सहित 13 चिकित्सकीय सामग्रियां होगी। ऑक्सीजन की उपलब्धता सभी स्वास्थ्य संस्थानों में चिकित्सकीय उपचार हेतु स्थानीय स्तर पर पहले से उपलब्ध है जिन जिलों में एइएस किट भेजे जाएंगे उनमें अरवल, औरंगाबाद, पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, दरभंगा, गया, गोपालगंज, जहानाबाद, मुजफ्फरपुर, नालन्दा, नवादा, पटना, समस्तीपुर, सारण, सिवान, सीतामढ़ी, शिवहर और वैशाली शामिल हैं। श्री पांडेय ने कहा कि राज्य सरकार बच्चों को एइएस यानी चमकी बुखार से बचाने के लिए आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं उयलब्ध कराने की दिशा में गंभीरता से कार्य कर रही है। इसको लेकर राज्य से जिला स्तर तक के स्वास्थ्य कर्मियों को जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग मुस्तैदी के साथ एइएस की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार है।

मुर्शिदाबाद हिंसा के पीछे ममता बनर्जी की सरकार जिम्मेवार : तारकिशोर प्रसाद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पूर्व उप मुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद ने मुर्शिदाबाद हिंसा पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी की सरकार द्वारा अपनाई जा रही तुष्टिकरण नीति के कारण आज पूरा पश्चिम बंगाल अशांत है। उन्होंने कहा कि वक्फ कानून को लागू करने के संबंध में उनके असंवैधानिक बयानों और कार्यकलापों से मुर्शिदाबाद में हिंसा हुई है और निर्दोष लोगों की जान गई है, जो निंदनीय है। पश्चिम बंगाल सरकार ऐसी घटनाओं पर नियंत्रित करने में पूरी तरह से विफल रही है। उन्होंने कहा कि

सरकार ऐसी घटनाओं पर तुरंत लगाम लगाए अन्यथा पश्चिम बंगाल के लोग अब चुप बैठने वाले नहीं हैं। श्री प्रसाद ने कहा कि उपद्रवियों से निपटने का तरीका भारतीय जनता पार्टी की सरकार को बखूबी मालूम है। उत्तरप्रदेश जैसे राज्य में जिस प्रकार से उपद्रवियों और दंगाइयों पर नकेल कसा गया है, आज पश्चिम बंगाल में भी ऐसे ही कार्रवाई की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के लोग अमन-चैन और शांति के साथ आगे बढ़ना चाहते हैं, अन्य राज्यों के साथ विकसित भारत के लिए कंधा-से-कंधा मिलाकर चलना चाहते हैं। परंतु ममता बनर्जी की सरकार ने लोगों को गुमराह करके तुष्टिकरण का रास्ता अपनाकर बंगाल के अस्मिता को बदनाम किया है। उन्होंने कहा कि आगे आने वाले दिनों में पश्चिम बंगाल के लोग ममता बनर्जी की सरकार को निश्चित सबक सिखाएंगे।

एनडीए में सीट बंटवारे को लेकर कोई विवाद नहीं : जीतन राम मांझी

हम सब मिलकर फैसला करेंगे और एकजुट होकर चुनाव लड़ेंगे

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा के प्रमुख और केन्द्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने शुक्रवार को कहा कि सीटों के बंटवारे को लेकर एनडीए में कोई विवाद नहीं है। मीडियाकर्मियों ने जब सवाल किया कि हम पार्टी कितनी सीटों पर तैयारी कर रही है, आप की पार्टी कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगी तो उन्होंने कहा कि एनडीए सभी सीटों पर चुनाव लड़ रही है। सभी सीटों पर हमारी तैयारी है। उन्होंने कहा कि एनडीए के बीच सीट बंटवारे को लेकर कोई विवाद नहीं है। 'हम सब मिल-बैठकर फैसला करेंगे और एकजुट होकर चुनाव लड़ेंगे'।

वहीं पश्चिम बंगाल में हो रही हिंसा को लेकर ममता बनर्जी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि बंगाल में जिस तरह की घटनाएं हो रही हैं, वह संविधान का उल्लंघन है और केंद्र सरकार को तुरंत इस पर कार्रवाई करनी

चाहिए। मांझी ने कहा कि ममता बनर्जी के शासन में जो हो रहा है, उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। केंद्र को देखना चाहिए कि वहां कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ रही हैं। मांझी ने महागठबंधन और तेजस्वी यादव को लेकर कहा कि तेजस्वी यादव को को-ऑर्डिनेशन कमेटी का अध्यक्ष जरूर बनाया गया है, लेकिन उन्हें नेता नहीं माना गया है। उन्होंने कहा कि इनमें कभी एकता नहीं बन सकती। तेजस्वी को ये लोग कभी मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित नहीं करेंगे। विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) प्रमुख मुकेश साहनी के भाजपा से संपर्क की अटकलों पर मांझी ने कहा कि यह उनका व्यक्तिगत मामला है, लेकिन लिख लीजिए महागठबंधन उन्हें उपमुख्यमंत्री कभी नहीं बनाएगा। जनता उन्हें आशीर्वाद नहीं देगी और वह जीतकर नहीं आएंगे। नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री पद के चेहरे को लेकर मांझी ने स्पष्ट कर दिया कि 2025 का चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। वही मुख्यमंत्री होंगे, इसमें कोई दूसरा मतलब निकालने की जरूरत नहीं है। मांझी ने गृह मंत्री अमित शाह का नाम लेते हुए कहा कि वे भी बोलकर गए हैं कि नीतीश कुमार ही एनडीए के सीएम फेस होंगे। इसलिए इसमें कोई दो राय नहीं है। नीतीश कुमार ही हमारे सीएम होंगे।

दो दरोगा की हत्या करने वाला कुख्यात अपराधी मुकेश कुमार उर्फ बुधन यादव गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बाढ़। थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर एक कामयाबी हासिल करते हुए 2016 में मराची थाना के सब इंस्पेक्टर सुरेश ठाकुर की हत्या के आरोपी मुकेश कुमार उर्फ बुधन गोप उर्फ बुधन यादव को गिरफ्तार किया। यह कुख्यात अपराधी लंबे समय से अपना नाम बदलकर और पहचान बदलकर फरार था। इसके खिलाफ विभिन्न थानों में हत्या, लूट और डकैती जैसे 13 मामले दर्ज थे। रामकृष्ण नगर थाना फतुहा थाना बाढ़ और नालंदा के कई थाने की पुलिस को तलाश थी। बाढ़ एएसपी-1 राकेश कुमार ने बताया कि समकालीन अभियान के तहत फरार अपराधियों की धर-पकड़ के लिए विशेष छापेमारी चल रही थी। गुरुवार को बाढ़ थाना पुलिस को सूचना मिली कि मुकेश नालंदा जिले के हिलसा थाना क्षेत्र के नोनिया बीघा गांव में छिपा है। त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने छापा मारकर उसे गिरफ्तार कर लिया। मुकेश पर 2016 में बाढ़ के गोरक्षमी चौक के पास एनएच 31 पर सब इंस्पेक्टर सुरेश ठाकुर की गोली मारकर हत्या और पिस्तौल लूट कांड का आरोप है। इसके अलावा उसने फतुहा थाना क्षेत्र में नालंदा के तेल्हारा थाना में तैनात एएसआई रामराज चौधरी की भी हत्या की थी। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि वह पूर्व में पीएलएफआई का सदस्य रहा है और संगठन के दो सदस्यों के गायब होने के बाद उसने हत्याएं की थीं। बार-बार नाम और ठिकाना बदलने के कारण उसकी गिरफ्तारी में चुनौतियां आ रही थीं, लेकिन बाढ़ पुलिस की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से यह सफलता मिली। कुख्यात की गिरफ्तारी में दरोगा मंटू कुमार शर्मा, पीएसआई नितिश कुमार सहित कई पुलिस कर्मी सामिल थे।

आर.के. इंडस्ट्रीज की नई विनिर्माण इकाई का उद्घाटन

बिहार में निवेश को लेकर अत्यंत आशान्वित : किरण अग्रवाल

राज्य को वस्त्र निर्माण के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार सरकार की औद्योगिक नीति के अनुरूप राज्य को वस्त्र निर्माण के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई। पटना जिले के बिहटा स्थित सिकंदरपुर औद्योगिक क्षेत्र में आर.के. इंडस्ट्रीज की नवीन परिधान विनिर्माण इकाई का लोकार्पण मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा, निदेशक, उद्योग विभाग निखिल धनराज निष्पणिकर तथा बियाडा एवं आईडीए के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। आर.के. इंडस्ट्रीज, जो वर्ष 1973 से परिधान उत्पादन एवं निर्यात के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित नाम है, द्वारा बिहार में स्थापित की गई यह इकाई राज्य में औद्योगिक निवेश के बढ़ते रुझान का स्पष्ट संकेत है। प्रारंभिक चरण में यह इकाई 250 अत्याधुनिक मशीनों और 100 कुशल कर्मियों के साथ कार्य आरंभ कर रही है, जिनमें लगभग 60 प्रतिशत महिलाएं हैं। आगामी 3-4 महीनों में 300 अतिरिक्त कर्मियों की

नियुक्ति की योजना है जबकि अगले 18 महीनों में इकाई का विस्तार 500 मशीनों एवं 1,200 कर्मचारियों तक किया जाएगा। यह इकाई अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप पुरुष परिधान (शर्ट) के निर्माण हेतु डिजाइन की गई है तथा वैश्विक ब्रांड्स की आपूर्ति श्रृंखला में बिहार को एक प्रतिस्पर्धात्मक एवं विश्वसनीय विकल्प के रूप में स्थापित करने में सहायक होगी। इस अवसर पर आर.के. इंडस्ट्रीज की निदेशक किरण अग्रवाल ने कहा हम बिहार में निवेश को लेकर अत्यंत आशान्वित हैं। राज्य सरकार के सक्रिय सहयोग से मात्र चार माह की अवधि में इस इकाई की स्थापना संभव हो सकी। हम यहां दीर्घकालिक औद्योगिक संभावना देखते हैं और राज्य की कुशल मानव संसाधन उपलब्धता तथा प्रतिस्पर्धात्मक लागत को देखते हुए परिधान उद्योग में अग्रणी भूमिका निभाने हेतु प्रतिबद्ध हैं। मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने अपने संबोधन में सुझाव दिया कि कंपनी स्थानीय महिला कार्यबल को सशक्त बनाने के उद्देश्य से जीविका समूहों के साथ समन्वय स्थापित करे।

गांधी परिवार ने सत्ता का उपयोग देश को लूटने के लिए किया : ऋतुराज सिन्हा

पार्टी के चंदे के पैसों से 90 करोड़ का ऋण दिया और सम्पत्ति गांधी परिवार के नियंत्रण में आ गया

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा ने कहा कि देश का दुर्भाग्य रहा है कि जिन परिवारों ने आजादी के नाम पर राजनीति की विरासत संभाली, उन्होंने सत्ता का उपयोग देश को लूटने के लिए किया। नेशनल हेराल्ड घोटाला इसका सबसे ज्वलंत उदाहरण है। लेकिन भारत आज उस पड़ाव पर है जहां लोकतंत्र, पारदर्शिता और जवाबदेही की नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है। ऐसे समय में नेशनल हेराल्ड केस और अन्य मामलों में चल रही कानूनी प्रक्रियाएं यह संदेश देती हैं कि

अब कोई भी व्यक्ति या परिवार कानून से ऊपर नहीं है। उन्होंने कहा कि नेशनल हेराल्ड अखबार की स्थापना आजादी से पहले एक उच्च आदर्श के तहत हुई थी। किंतु समय के साथ कांग्रेस सरकारों द्वारा उसे मिली जमीनों और संसाधनों का उपयोग निजी लाभ के लिए किया जाने लगा। पार्टी के चंदे के पैसों से 90 करोड़ का ऋण दिया गया और बाद में राहुल गांधी की 'यंग इंडियन लिमिटेड' नामक कंपनी के माध्यम से यह सम्पत्ति गांधी परिवार के नियंत्रण में आ गई। इसी प्रकार 'नौकरी के बदले जमीन' घोटाले में लालू परिवार की भूमिका पर भी कानून जांच कर रहा है। ये दोनों उदाहरण इस बात को दर्शाते हैं कि किस तरह सत्ता और संसाधनों का दुरुपयोग हुआ। ऋतुराज सिन्हा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में आज का भारत बदल चुका है। अब चाहे कितना भी बड़ा नाम हो, हर किसी को अपने कार्यों का उत्तरदायित्व लेना होगा। अब कोई भी परिवार, चाहे गांधी हो या यादव, कानून के सामने उनके काले कारनामे पदार्फाश होकर रहेंगे। उन्होंने कहा कि नए भारत में नेताओं को अब यह समझना होगा कि जनता की सेवा का मतलब अपनी जेब भरना नहीं है। बल्कि वे स्वयं आत्मनिर्भर बनें, अपनी आजीविका के साधन ईमानदारी और परिश्रम से स्थापित करें, ताकि राजनीति में वे केवल सेवा भाव और राष्ट्रहित के उद्देश्य से कार्य कर सकें।

बिहार युवा कांग्रेस ने पटना के सचिवालय हाल्ट स्थित रेल रोको प्रदर्शन किया

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शिव प्रकाश गरीब दास के नेतृत्व में युवा कांग्रेस के साथियों ने नेशनल हेरल्ड मामले में दाखिल चार्जशीट में सोनिया गांधी और राहुल गांधी को नामजद किए जाने को बेबुनियाद बताते हुए ट्रेन का परिचालन पटना स्थित गर्दनीबाग हाल्ट पर बाधित किया। यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शिव प्रकाश गरीबदास ने बताया कि इडी ने मनी लॉन्ड्रिंग का कैसे किया है, लेकिन इसमें कोई भी बैंकिंग ट्रांजैक्शन नहीं हुआ है, यह कंपनी धारा 25 के अंतर्गत खोला गया है जिसमें नोट पर प्रॉफिट के अंतर्गत आता है और जिसमें कंपनी को डिविडेंड भी नहीं मिलता है। उसके

बावजूद मोदी सरकार नेता प्रतिपक्ष के छवि को धूमिल करने की कोशिश करना चाहते हैं, दर्ज चार्जशीट बिल्कुल ही निराधार है। प्रदेश अध्यक्ष शिव प्रकाश गरीब दास का कहना था कि पिछले कुछ दिनों में जिस तरह राहुल गांधी देशभर में भारतीय जनता पार्टी की सरकार की संविधान विरोधी गतिविधियों और मोदी सरकार में पिछड़ी जातियों की लगातार हो रही अवहेलना पर अपना स्वर बुलंद कर रहे थे इसी से घबराकर ये चार्जशीट दाखिल की गई है ताकि उनकी आवाज दबाई जा सके। आगे बोलते हुए उन्होंने कहा कि ये सिर्फ बानगी भर है यदि मोदी सरकार अपनी ओछी हरकतों से बाज नहीं आएगी तो प्रदर्शन और भी ज्यादा उग्र होंगे। कांग्रेस सदैव सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की नीति में विश्वास करती है और इसी क्रम में दलितों, पिछड़ों, वंचितों की आवाज उठाना कांग्रेस नेतृत्व के लिए कुछ भी नया नहीं है और किसी भी सूरत में युवा कांग्रेस अपने नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में समान अवसर और सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ती रहेगी। इस अवसर पर बिट्टू यादव, कुमार रोहित, मुकुल यादव, अमरदीप कुमार, आशुतोष त्रिपाठी, नीरज झा, सद्दाम, बदाल, सोनू कुमार ठाकुर, युवा कांग्रेस साथी उपस्थित थे।

विपक्ष की सोच चरवाहा विद्यालय तक सीमित थी : अशोक चौधरी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी ने शुक्रवार को जदयू के प्रदेश कार्यालय में आयोजित जनता दरबार में प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए आमजनों और पार्टी कार्यकर्ताओं की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित समाधान हेतु आवश्यक निर्देश दिया। जनता दरबार के बाद चौधरी ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बीते 20 वर्षों में बिहार को जंगलराज से निकालकर विकास की मुख्यधारा में ला खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि जहां विपक्ष की सोच चरवाहा विद्यालय तक सीमित थी। वहीं, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की दूरदर्शी सोच के तहत प्रदेश में आईटीआई, पॉलिटेक्निक और इंजीनियरिंग कॉलेजों की स्थापना की

गई। उन्होंने विपक्ष पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि तेजस्वी यादव और उनके पिता लालू प्रसाद यादव को यह स्पष्ट करना चाहिए कि उन्होंने अपने कार्यकाल में बिहार के लिए क्या किया। इसके विपरीत नीतीश कुमार ने मात्र 24,000 करोड़ के बजट वाले बिहार को 3.25 लाख करोड़ के बजट वाला विकसित राज्य बनाया। अशोक चौधरी ने यह भी बताया कि नीतीश सरकार ने विभिन्न विभागों का गठन कर योजनाबद्ध तरीके से विकास कार्य किए हैं जिससे राज्य के हर वर्ग और क्षेत्र को लाभ मिला है। उन्होंने दोहराया कि आज का बिहार प्रगति, पारदर्शिता और जनकल्याण का पर्याय बन चुका है और इसका श्रेय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सक्षम और ईमानदार नेतृत्व को जाता है। जनता दरबार में जदयू के कई नेता मौजूद थे।

कांग्रेस ने जारी किया 'महिला की बात कांग्रेस के साथ' पोस्टर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले कांग्रेस ने भी महिलाओं को अपनी पार्टी से जोड़ने की मुहिम शुरू कर रही है। शुक्रवार को यहां कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा, बिहार प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम, विधायक दल के नेता शकील अहमद खान, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मदन मोहन झा, विधायक प्रतिमा दास आदि ने 'चर्चा महिला की बात कांग्रेस के साथ' का पोस्टर जारी किया। इस दौरान आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में अलका लांबा ने कहा कि महिला की बात कांग्रेस के साथ अभियान 20 अप्रैल से 31 अप्रैल तक चलेगा। उन्होंने कहा कि

बिहार को लेकर हम लोग घोषणा नहीं न्याय पत्र तैयार कर रहे हैं। इसी क्रम में महिला की बात कांग्रेस के साथ कार्यक्रम की शुरूआत होने जा रही है। 20 अप्रैल को इसकी शुरूआत होगी। हर पंचायत और प्रखंड में ये बैठक होगी। इसके तहत हम लोग आधी आबादी से मिलेंगे और चर्चा करेंगे। इसके तहत हर पंचायत और प्रखंड में महिला संवाद शिविर आयोजित किए जाएंगे जहां आंगनबाड़ी सेविकाएं, सहायिकाएं, जीविका दीदियां, रसोइया महिलाएं और समाज की अन्य महिलाएं भाग लेंगी। लांबा ने कहा कि हम सिर्फ घोषणा नहीं कर रहे, बल्कि एक न्याय पत्र तैयार कर रहे हैं जिसमें महिलाओं की समस्याएं और उनके समाधान दर्ज होंगे। वहीं, भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने महिलाओं को सिर्फ ठगा है। नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में हुए सामूहिक बलात्कार की जांच तक नहीं हुई। कांग्रेस सत्ता में आएगी तो हर क्षेत्र में काम कर रही महिलाओं के मानदेय को बढ़ाया जाएगा। उन्होंने बताया कि कांग्रेस ने पहले ही बिहार के दो जिलों में सेनेटरी वेंडिंग मशीनें लगवाई है जहां हजारों महिलाएं सेनेटरी पैड तैयार कर स्वच्छता के साथ-साथ रोजगार भी पा रही हैं। लांबा ने कहा कि महिला कांग्रेस इस बार विधानसभा सत्र में चार सीटों पर महिलाओं की आवाज बुलंद करेगी और इस भ्रष्ट सरकार को घेरने का काम मजबूती से करेगी। कांग्रेस के इस अभियान को बिहार की राजनीति में महिलाओं की भागीदारी और मुद्दों को केंद्र में लाने की एक अहम पहल के रूप में देखा जा रहा है। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार ने कहा कि बिहार में महिलाओं के लिए योजनाएं तो बनती हैं, लेकिन अपराध और भ्रष्टाचार के कारण वे जमीनी हकीकत में तब्दील नहीं हो पातीं। कांग्रेस इस स्थिति को बदलने के लिए प्रतिबद्ध है। कांग्रेस अब महिलाओं से उनके पास जाकर संवाद करेगी।

मसौढ़ी एवं भगवानगंज इलाके में मोरहर नदी से हो रहा अवैध बालू और मिट्टी खनन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मसौढ़ी। मसौढ़ी में बालू और मिट्टी पर माफियाओं की काली नजर पर पड़ गई है। ऐसे में इन दिनों जेसीबी लगाकर मोरहर नदी से इन दिनों अवैध रूप से चोरी-छिपे कई जगहों पर बालू और मिट्टी का खनन लगातार जारी है। खास कर भगवानगंज और मसौढ़ी थाना क्षेत्र के आसपास के इलाकों में बालू और मिट्टी का अवैध खनन बेरोक टोक चल रहा है। मसौढ़ी के मोरहर नदी से रात-दिन जेसीबी मशीन के द्वारा खनन अवैध रूप से चोरी छिपे चल रहा है। जेसीबी मशीन से ट्रैक्टर ट्रॉली के

सहारे गंतव्य स्थान तक बालू और मिट्टी को भेजा जा रहा है। इसके आहार एवं पइन के अलावा छोटी-बड़ी नदियों से लगातार मिट्टी का खनन किया जा रहा है। इस पूरे मामले में खनन विभाग के पदाधिकारी से बात की गई तो उन्होंने बताया कि जहां-जहां से सूचना मिलती है, वहां पर छापेमारी कर मशीन और ट्रैक्टर को जब्त कर रहे हैं। हालांकि पुलिसिया कार्रवाई से अवैध खनन पर कुछ दिन तक रोक लगी थी, लेकिन एक बार फिर से भगवानगंज में इन दिनों एक बार फिर से बालू और मिट्टी खनन का कार्य शुरू हो गया है।

कांग्रेस का चुनावी घोषणा पत्र बनेगा बिहार की महिलाओं की आवाज : अलका लांबा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर महिला कांग्रेस ने महिलाओं की जरूरतों, उनकी आकांक्षाओं और उम्मीदों को चुनावी घोषणा पत्र में शामिल कराने हेतु 'महिला की बात, कांग्रेस के साथ' कैंपेन लांच किया। इस कैंपेन में महिलाओं के बीच सीधा संवाद करने के लिए महिला कांग्रेस की कॉर्डिनेटर प्रखंडों तक महिलाओं की आकांक्षाओं को सीधा संवाद करके उसे चुनावी घोषणा पत्र में शामिल करेगी। ये बातें बिहार कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में संवाददाता सम्मेलन में अखिल भारतीय महिला कांग्रेस कमिटी की अध्यक्ष अलका लांबा ने कही। उन्होंने कहा कि हम भारतीय जनता पार्टी की तरह बंद कमरों और एसी कार्यालयों में बैठकर घोषणा पत्र नहीं बनाते हैं, बल्कि गांवों और सड़कों पर जाकर सीधा संवाद स्थापित करके चुनावी घोषणापत्र का निर्माण करते हैं। इस कैंपेन के माध्यम से महिला कांग्रेस के कार्यकर्ता महिलाओं से लोकसभा वार, जिला वार, विधानसभा वार और प्रखंड वार जाकर सीधा संवाद स्थापित करेंगी। महंगाई, कमाई, दवाई, पढ़ाई और सुरक्षा पर महिलाओं से खुला संवाद, समूह संवाद और सुझाव (पर्सनल/डिजिटल) लेने के लिए संवाद कार्यक्रम स्थापित करके उनके द्वारा उठाएं गए मुद्दों को चुनावी घोषणा पत्र में स्थान देंगे। इसके लिए पटना में दो दिनों का प्रशिक्षण शिविर महिला कांग्रेस संचालित करेगी और उसके बाद क्षेत्रों में प्रशिक्षित कार्यकर्ताओं को भेजेंगे। ये कार्यक्रम डेढ़ महीने यानी मई के अंत तक चलेगी।

जागरुकता वाहन से महिला संवाद कार्यक्रम का शुभारंभ

सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में दी गई जानकारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दानापुर। प्रखण्ड के मुबारकपुर रघुरामपुर पंचायत स्थित लोदीपुर गांव में अरुण पुस्तकालय परिसर में महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महिला संवाद कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा शुरूआत किया गया। महिला संवाद कार्यक्रम का शुभारंभ जिला शिक्षा पदाधिकारी संजय कुमार और प्रखंड परियोजना प्रबंधक पिंकी कुमारी के द्वारा संयुक्त रूप से किया। इस दौरान जिला शिक्षा पदाधिकारी संजय कुमार ने महिला संवाद कार्यक्रम में उपस्थित सैकड़ों महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण की दिशा में ठोस प्रयास किया जा रहा है एवं साथ ही उनके सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण हेतु विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम एवं योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। महिला संवाद कार्यक्रम का उद्देश्य है कि महिलाओं से खुले रूप से सार्थक चर्चा एवं संवाद स्थापित करना है। ताकि महिलाएं अपने गांव या टोलों की समस्याओं एवं आकांक्षाओं को चिन्हित कर उनके समाधान के संबंध में अपना अभिमत सहज तरीके से उपलब्ध करा सके तथा साथ ही साथ सामाजिक विकास से संबंधित मुद्दों पर भी अपना मंतव्य प्रदान कर सके। प्रखंड परियोजना प्रबंधक पिंकी कुमारी ने भी महिला संवाद कार्यक्रम के दौरान महिलाओं से बातचीत करते हुए बतायी कि महिला संवाद कार्यक्रम का उद्देश्य राज्य की महिलाओं को सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देना और उसे सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। महिला संवाद के तहत महिला सशक्तिकरण नीति, शराबबंदी, आरक्षण, दहेज प्रथा, बाल विवाह, मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना, छात्र पोशाक योजना एवं जीविका के सभी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराना है।

नवबिहार टाइम्स
बोकारो, शनिवार 19 अप्रैल 2025

संपादकीय

सांप्रदायिक हिंसा, हर चुनाव के वक्त बन जाती है ऐसी स्थिति

पश्चिम बंगाल में अक्सर कानून व्यवस्था के मसले सियासी बयानबाजियों में उलझा दिए जाते हैं, जिसका नतीजा होता है कि न तो प्रशासन उनसे कोई सबक लेता है और न उसकी जवाबदेही पर आमजन के सवालों के जवाब मिल पाते हैं। मुर्शिदाबाद में भड़की सांप्रदायिक हिंसा का हश्र भी वही होता नजर आ रहा है। इस मसले पर विपक्षी भाजपा और सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस एक-दूसरे पर ठीकरा फोड़ने में जुट गई हैं। वक्फ संशोधन अधिनियम के विरोध में वहां आंदोलन शुरू हुआ और बीते शुक्रवार को इसने अचानक हिंसक रुख अख्तियार कर लिया। उसमें तीन लोग मारे गए और कई लोगों के घायल होने की सूचना है।घरों-दुकानों और पुलिस वाहनों में तोड़-फोड़ तथा आगजनी की गई। जब स्थिति पर काबू पाना मुश्किल हो गया तो सीमा सुरक्षा बल को बुलाया गया। फिर भी हालात बेकाबू रहे तो बीएसएफ और अन्य सुरक्षा बलों की अतिरिक्त टुकड़ियां तैनात कर दी गईं। स्थिति इस कदर खौफनाक हो गई कि सैकड़ों लोग अपना घर-बार छोड़ कर निकटवर्ती जिले में सुरक्षित जगहों पर पलायन कर गए। भाजपा का आरोप है कि यह हिंसा मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान की वजह से भड़की। वहीं सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस का आरोप है कि हिंसा करने वाले लोग बाहर से लाए गए थे।हालांकि फिलहाल स्थिति सामान्य होती बताई जा रही है। प्रशासन का दावा है कि हिंसा करने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। कुछ लोगों को इस सिलसिले में गिरफ्तार भी किया जा चुका है। मगर यह सवाल अपनी जगह है कि क्या पश्चिम बंगाल सरकार और प्रशासन को इस बात का अंदाजा नहीं था कि मुर्शिदाबाद और उसके आसपास के इलाकों में ऐसी स्थिति बन सकती है। खुद मुख्यमंत्री ने ऐलान किया था कि वे पश्चिम बंगाल में वक्फ संशोधन अधिनियम लागू नहीं होने देंगी।उन्हें इसके विरोध में उभरने वाले आंदोलन की भी पूरी जानकारी थी। फिर, उन्हें यह अंदाजा कैसे नहीं था कि इसमें दो समुदायों के बीच टकराव की स्थिति बन सकती है। अगर वे कह रही हैं कि हिंसा करने वाले बाहर से लाए गए थे, तो हैरानी की बात है कि इसकी जानकारी वहां के खुफिया तंत्र को कैसे नहीं मिल सकी। इतनी बड़ी संख्या में लोग वहां बाहर से पहुंच गए और कैसे सुरक्षाबलों को इसकी भनक नहीं मिल पाई। इस तर्क के आधार पर सरकार अपनी जवाबदेही से बच नहीं सकती।अनेक मौकों पर, सियासी आवेश में, दो राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं को परस्पर भिड़ते देखा गया है। हर चुनाव के वक्त वहां ऐसी स्थिति बन जाती है, सामान्य आंदोलनों के समय भी इसकी आशंका बनी रहती है। पश्चिम बंगाल की राजनीति में हिंसा कुछ इस कदर घुल-मिल गई है कि हर राजनीतिक दल मौका मिलते ही अपने कार्यकर्ताओं को जोर-आजमाइश के लिए ललकारता देखा जाता है।यह भी छिपी बात नहीं है कि वहां उपद्रवी तत्त्वों को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है। हर सत्तारूढ़ दल परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप से अपने कार्यकर्ताओं को लाभ पहुंचाने और कानूनी शिकंजे से दूर रखने का भरोसा देता नजर आता है। वक्फ संशोधन कानून के पक्ष और विपक्ष में किस कदर राजनीतिक रस्साकशी का माहौल है, वह किसी से छिपा नहीं है। फिर पश्चिम बंगाल सरकार ऐसी किसी स्थिति से बेखबर कैसे थी और उसने हिंसा रोकने की पहले से तैयारी क्यों नहीं की थी !

द रिपब्लिक ऑफ स्टोरीटेलिंग : भविष्य बहुआयामी

फिरदौसुल हसन
भारतीय फिल्म निर्माता; अध्यक्ष, भारतीय फिल्म महासंघ अध्यक्ष, बंगाल फिल्म और टेलीविजन चैंबर ऑफ कॉमर्स

हम उस दौर से गुजर रहे हैं, जहाँ एक शांत क्रांति जारी है।

यह उस तरह का नहीं है जो सुर्खियों में रहे या सोशल मीडिया पर छा जाए - बल्कि यह उस तरह का है जो सतह के नीचे गूंजता रहे। यह सब साधारण संपादन कक्षों में हो रहा है, उधार लिए गए लैपटॉप द्वारा संचालित एक्सआर लैब्स में, शयनकक्षों में जहां सिलचर का एक 22 वर्षीय युवक अपनी दादी की युद्ध की यादों के बारे में एक कहानी को एनिमेट करता है। यह उन गाँवों में हो रहा है जहाँ बच्चे अपने स्मार्टफोन पर बांग्ला जासूसी श्रृंखला का आनंद लेते हैं और उन स्टूडियो में भी जहां तमिल स्क्रिप्ट को एआई द्वारा 17 भारतीय भाषाओं में डब किया जा रहा है।

इस समय भारत अब कला और संहिता के चौराहे पर है और एक बार फिर सड़क का यह दोराहा घर की ओर ले जाता है।

एक सॉफ्ट पावर जो प्रस्फुटित होने के इंतजार में - बहुत लंबे समय तक, भारतीय सिनेमा को या तो बॉलीवुड के बॉक्स ऑफिस या इसके अंतर्राष्ट्रीय समारोहों की स्वीकृति से मापा जाता था। यह एक संकीर्ण दृष्टिकोण था। हम जिस चीज से चूक गए, वह थी शांत शक्ति जो बीच में निहित थीः लोक यथार्थवाद, आदिवासी मिथक, इंडी एनीमेशन, जमीनी स्तर पर गेमिंग - ऐसे रूप जो 90 के दशक में विपणन योग्य नहीं थे, लेकिन आज उपार्जन के योग्य हैं।

वर्तमान सरकार को इसका श्रेय दिया जाना चाहिए कि उसने इस बड़े बदलाव को जल्दी महसूस किया और इस पर स्पष्टता और मजबूत इरादे के साथ इस पर काम किया है। वेव्स 2025, क्रिएट इन इंडिया चैलेंज और वेवएक्ससेलेटर जैसी पहलें केवल नीति-स्तर के संकेत नहीं हैं। ये घोषणाएँ हैं कि भारत की रचनात्मक पूंजी अब एक राष्ट्रीय संपत्ति है और किस्से-कहानीयों को सुनाना अब संस्कृति का एक सजावटी उप-उत्पाद नहीं है, बल्कि कूटनीति, नवाचार और अर्थव्यवस्था का एक इंजन है।

क्योंकि कहानी सुनाना अब केवल भावनात्मक मुद्रा नहीं है-यह आर्थिक पूंजी बन गया है। अकेले एवीजीसी-एक्सआर क्षेत्र के 2025 तक 45,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है, जो सालाना लगभग 17 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। ओटीटी सामग्री की खपत में साल-दर-साल 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिसमें क्षेत्रीय कंटेंट अब कुल दर्शकों का 55 प्रतिशत से अधिक हिस्सा बना रहा है (फिक्की-ईवाई 2024)।

यह कोई एक प्रवृत्ति नहीं है। यह एक नई सामग्री अर्थव्यवस्था आकार ले रही है और इस बार, यह बहुभाषी और बहु-भौगोलिक

मिथक से बाज़ार तक-पूर्व जागृत हो राजा है- आइए अब स्पष्ट रूप से बात करें। यदि भारत वास्तव में दुनिया की कंटेंट राजधानी बनना चाहता है, तो वह केवल मुंबई-दिल्ली केंद्रित नहीं रह सकता। वैश्विक किस्से-कहानीयों को कहने की अगली सफलता पूर्व और उत्तर-पूर्व से आनी चाहिए - उन भूमियों से जिन्होंने लंबे समय से भारत को उसकी सबसे मौलिक साहित्यिक, संगीतमय और दार्शनिक आवाजें दी हैं।

ये क्षेत्र अविकसित नहीं हैं। बल्कि वे कम जुड़े हैं। उनके पास कहानियों की कमी नहीं है। वह मौलिकता से भरे हैं - आओ और खासी के मौखिक रहस्यवाद से लेकर बांग्ला सिनेमा के गीतात्मक यथार्थवाद तक, संथाल महाकाव्यों से लेकर बोडो विज्ञान-कथा रूपकों तक।

ऐतिहासिक रूप से उनके पास संरचनात्मक बाजारों, किफायती उपकरणों, वितरण और सही प्लेटफार्मों तक पहुंच की कमी रही है। शुक्र है कि यह बदलने लगा है।

आज, कोलकाता इस अप्रयुक्त प्रतिभा के गलियारे के लिए एक रणनीतिक प्रवेशद्वार के रूप में उभर रहा है।

प्रोडक्शन के लिए तैयार स्टूडियो, प्रशिक्षित तकनीशियनों की प्रचुरता, विश्व स्तरीय पोस्ट सुविधाएं और प्रयोग के साथ विरासत को मिलाने वाली बौद्धिक संस्कृति के साथ, बंगाल भारत का अगला विशाल कंटेंट केंद्र बनने के लिए तैयार है।

इसके अलावा असम, त्रिपुरा, सिक्किम, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश से इसकी निकटता को भी जोड़ लें, तो हम एक क्षेत्र नहीं, बल्कि एक रचनात्मक इकोसिस्टम को देख रहे हैं, जो सक्रिय होने की प्रतीक्षा कर रहा है।

स्थानीय लोग? आश्चर्यजनक। लागतें? प्रबंधनीय। क्रू सदस्य? बेहतर प्रदर्शन के लिए अति उत्साही। बुनियादी ढांचा? तेजी से वृद्धि।

कहानी कहने से लेकर कहानी-वास्तुकला तक- डिजिटल युग में, कहानियां ÷द एंड÷ पर नहीं रुकती हैं। वे नए प्रारूपों में शामिल होते हैं - मीम्स, गेम्स, एनिमेटेड स्पिन-ऑफ्स, इमर्सिव प्रदर्शन, एआर अनुभव। कंटेंट अब एक ही तरह का नहीं है - यह लगातार चलने वाला, संवादात्मक, गतिशील है।

और भारत, तकनीकी प्रवाह और कलात्मक शैली के अपने दुर्लभ मेल के साथ, इस युग के लिए विशिष्ट रूप से सुसज्जित है। हमारा देश ऐसे कवियों का देश हैं जो कोड लिखते हैं। हमारे फिल्म निर्माता पद्य और वाक्य रचना में सोचते हैं। हमारे एनिमेटर रूपक से एल्गोरिदम का निर्माण करते हैं। जब एक मणिपुरी एक्सआर कलाकार जनजातीय स्मृति का एक वॉक-थ्रू संग्रहालय बनाता है, या जब एक बांग्ला एआई स्टार्टअप ग्रामीण लेखकों की स्क्रिप्ट को मोशन कॉमिक्स में बदलने में मदद करता है, तो यह सहायता नहीं है-यह सिनेमा का एक नया व्याकरण है.. और यह अभी लिखा जा रहा है।

रचनात्मक वर्ग पर सरकार का शांत दांव- हाल की स्मृति में पहली बार भारत सरकार न केवल वाणिज्य या बुनियादी ढांचे पर, बल्कि राष्ट्रीय क्षमता के रूप में रचनात्मकता पर बड़ा दांव लगा रही है।

अनुदान, स्टार्टअप प्रोत्साहन, सह-निर्माण प्लेटफार्मों और वेव्स जैसे आयोजनों के माध्यम से अब सबको सपने देखने का अधिकार दिया जा रहा है। यह बताया जा रहा हैः नेटफ्लिक्स पर फिल्म बनाने के लिए आपको फिल्म पारिवारिक विरासत से होने की आवश्यकता नहीं है। आप जोरहाट या जलपाईगुड़ी से भी हो सकते हैं। आपको अब जुहू के गलियारों में भटकने की जरूरत नहीं है। आपको एक कहानी की जरूरत है - और एक ऐसे ढांचे की जो उसे आगे बढ़ाने में मददगार हो।

और यहाँ एक विनयपूर्ण सुझाव है÷जिस तरह इस सरकार ने कूटनीति और प्रौद्योगिकी में भारत को एक सॉफ्ट पावर महाशक्ति के रूप में पुनः स्थापित किया है, अब एक कदम और आगे जाकर - इन शिखर सम्मेलनों को महानगरों से आगे ले जाना चाहिए।

अगली बार वेव्स का आयोजन कोलकाता में हो। अगली एनीमेशन लैब की मेजबानी गुवाहाटी में हो। अगरतला में भारत का पहला आदिवासी कहानी बाजार शुरू किया जाए क्योंकि जब इन क्षेत्रों के रचनाकार देखेंगे कि राष्ट्रीय सुर्खियां केवल कुछ लोगों के लिए ही आरक्षित नहीं हैं, तो वे आगे बढ़ेंगे। और उनके साथ भारत का उदय होगा।

पैमाने की संस्कृति, केवल दायरा नहीं है- लेकिन कहानी कहने के इस प्रजातंत्र को फलने-फूलने के लिए, हमें इस उद्योग में भी विकसित होना होगा। हमें गेटकीपिंग से लेकर मचान की ओर आगे बढ़ना होगा। कहानियों के स्वामित्व से लेकर कथाकारों को सक्षम बनाने तक। ÷आरओआई क्या है?÷ यह पूछने से लेकर, ÷इस प्रतिभा को नजरअंदाज करने का जोखिम क्या है?÷ तक।

क्योंकि अगर हम अब इस कथा वास्तुकला का निर्माण नहीं करते हैं तो कोई और करेगा। और हम उस अर्थव्यवस्था में पिछड़ जाएंगे जिसका नेतृत्व हम कर सकते थे।

भविष्य बहुआयामी है और यह दुनिया भर की आवाजों से प्रभावित होगा - वेव्स 2025 में क्रिएटर्स, कोडर्स, प्रोड्यूसर्स और नीति निर्माता एकत्रित होंगे। यह इमर्सिव तकनीक, ओरिजिनल आईपी और भारत की नैरेटिव नर्व को प्रदर्शित करेगा। लेकिन इसका वास्तविक प्रभाव इसमें नहीं है कि इसका मंचन किया गया है, बल्कि इसमें है कि यह क्या संकेत देता है। वैश्विक मनोरंजन का अगला अध्याय केवल अंग्रेजी, हिंदी, स्पेनिश या कोरियाई भाषा में नहीं लिखा जाएगा। यह असमिया, बांग्ला, नागामी, उड़िया, नेपाली, मिजो या गारो में उपलब्ध होगा - यूनिटी में निर्मित, कोड से युक्त, 4च में स्ट्रीम किया जाएगा तथा दुनिया भर के लिए सबटाइटल के साथ उपलब्ध होगा।

दुनिया अब पूर्व की ओर देखेगी। और जब ऐसा होगा, तो भारत को इसके लिए तैयार रहना होगा। केवल आयोजनों के साथ नहीं। बल्कि पहुंच, समानता और उत्कृष्टता की स्थायी संरचनाओं के साथ।

व्यथा की कथा

चिंतन

रवि तिवारी

इस पृथ्वी पर इंसानो का राज है तथा यह इंसान रूपी प्राणी तीन वर्गो में विभाजित किया गया है एक पुरुष, दूसरी महिला और तीसरी किन्नर।इन मे से पृथ्वी पर पुरुष प्रधानी राज सदियों से चला आ रहा है।महिलाओ की स्थिति शुरुवाती दौर से बहुत अच्छी नही रही है लेकिन इसमें क्रमशः सुधार ही होता आया है,जिसमे महिलाओ से अधिक पुरुषों की भूमिका रही है और आज वर्तमान युग मे बराबरी के दौर में आ जाने की जद्दोजहद वाला समय चल रहा है।

एक समय था जब एक पुरूष की (राजा महाराजाओं की)कई पत्नियां हुआ करती थी, इसका पैसो या पद के अलावा समाज मे मान्यता प्राप्त प्रचलन की बात अधिक थी। यह वह समय था जब पुरुषों के मुकाबले महिलाओ की संख्या अधिक हुआ करती थी तथा यह भी एक कारण हो सकता है कि युद्ध मे असंख्य पुरुषों के युद्ध मे मारे जाने से महिलाओ का बहुतायत में अकेला रह जाना। इसमे भी विरोधाभाष बहुत मिलता है महाभारत के काल मे भगवान कृष्ण की अनेक पत्नियों के होने का जिक्र मिलता है तो उसी काल मे वही द्रौपती के पांचों पांडव पति होने का भी।रामायण के काल मे राजा दशरथ की तीन पत्नियां थी वही उनके पुत्रो जिसमे भगवान राम भी शामिल है कि एक ही पत्नी थी,उसी काल मे राजा रावण की भी एक ही पत्नी का जिक्र मिलता है। भगवान गणेश की दो पत्नियों के जिक्र होता है वही उनके पिताश्री भगवान शिव की एक ही पत्नी को उल्लेख मिलता है। मुस्लिम राज में हुए राजाओ की अनेक पत्नियों के साथ ही उनकी दासियों का जिक्र इतिहास में मिलता है।

वर्तमान युग मे भी स्वाजीलैंड के राजा ने अपने यहां एक फरमान निकाल कर पुरुषों को यह आदेशित किया है कि उन्हें कम से कम चार पांच -महिलाओ से शादी करनी ही होगी अन्यथा वे सजा के हकदार होंगे।

तुलसीदास के एक दोहे से उस समय मे रही महिलाओं को दशा व सामंती सोच का संकेत मिलता है÷

ढोल गंवार शूद्र पशु नारी,
सकल ताडना के अधिकारी

ब्रिटेन अमेरिका ने भी कई वर्षो बाद अपने यहाँ की महिलाओ को वोट देने के लायक समझ कर उन्हें वोट देने का अधिकार प्रदान किया था। आज भी कई देशों में महिलाओ को ड्राइविंग लाइसेंस के लायक भी नही समझा जाता है,कहने का मतलब यह की इस पृथ्वी पर महिलाओ की स्थिति उनके बहुत कठिन संघर्ष के बाद क्रमशः ही अच्छी होती गयी है। आज दुनिया मे उनकी स्थिति बदल चुकी है वे बेहतर से बेहतरीन की ओर लगातार अग्रसर हो रही है।इस समय महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी अच्छी व मजबूत स्थिति का दुनिया को अहसास करा रही है, ऐसे समय मे उनका अपने घरो में उनका अपना सम्राज्य ना हो ऐसा कैसे हो सकता है।आजकल नारी के प्रताड़नाओं से पीड़ित पुरुषों के संघठन अक्सर सुनाई पड़ जाते है।

आज की व्यथा की कथा महिलाओं के साथ साथ उस व्यक्तियों के बारे में है जिनकी मालकिन महिलाये होती है या जिनकी बॉस महिलाये होती है,कामकाज स्थल स्थल पर उन महिलाओ की सुनता है फिर घर आकर अपनी बीबी की, यह ऐसे ही व्यक्ति के उसके दिमागी हालत ही यह व्यथा की कथा है,ऐसा पीड़ित पुरुष घर आकर अपनी बीबी को झल्ला कर कहता है कि तुम भी आज कल मेरी बॉस की तरह ही बात करने लगी हो जबकि ऐसा वास्तव में होता नही है केवल यह उसकी रोज झेली जाने वाली हुई व्यथा के कारण ही उसे ऐसा लगने लगता है।जबकि वास्तव में बीबी का नियंत्रण तो उसके जीवन मे शुरू से ही रहा होता है,तथा घर मे शांति व्यवस्था की खातिर वह पुरुष सदा मौन रहता है, बीबी की मर्जी होगी तभी गर्मी में फ्रिज का ठंडा पानी पीने को मिलेगा अन्यथा मटके के पानी से ही उसे काम चलाना पड़ता है वह भी उसके फायदे गिनवाते हुए से लेकर अपनी रोज मर्रा की दिनचर्या के हर काम मे उसकी बीबी के नियंत्रण का प्रभाव साफ साफ तौर पर दिखाई भी देता है,बात करने के ढंग,किसी काम मे अपनी सहमती देने की प्रक्रिया में भी बीबी की प्रतिछाया की झलक मिल ही जाती है किन्तु वह उसे कभी बुरा नही लगता क्योंकि वह अब तक उसका आदि हो चुका होता है।बीबी यह देख समझ कर खुशी से चहकती है क्योंकि उसे लगता है कि उसका घर उसके पूर्णतः नियंत्रण में है।कामकाजी महिलाओं की मानसिकता में घरेलू महिलाओ की तुलना में बहुत अंतर होता है अपने पतियों पर नियंत्रण के मामले में।

आज कल की महिलाएं कुछ भी पहन लें या कोई भी कार्य करे (शराब-सिगरेट पीने से लेकर जूआ खलने तक) उसे फैशन या मॉर्डन विचारो वाली की संख्या दे दी जाती है और पुरुष अपना पूरा तन ढके, तथा संभल संभल के कार्य करने लगा है नही तो वह अपने समाज मे फूहड़ कहलाता है।अब समय तेजी से बदल रहा है जहां पर महिलाओ से कही अधिक पुरुषों की व्यथा की कथा समाज मे सुनाई पड़ती है,किसी को भी कभी भी फसा देने का पहलनामा जिसमे सस्द्ध ह्लश्वस्न ताजा तरीन उदाहरण है।

अपनी बात का अंत कबीरदास के उस दोहे से करना चाहूंगा जिसमे वे कहते है कि सब का समय बदलता है जो आज महिलाओ की इतने वर्षों की दशा दिशा भुगतने के बाद अब समाज मे महिलाओ के पक्ष में बदलाव दिखाई देने लगा है÷

माटी कहे कुम्हार से,तु क्या रोंदे मोय,
एक दिन ऐसा आएगा,मैं रौदूंगी तोय।

समय किसी का एक जैसा नहीं रहता है समय चक्र के साथ बदलता चला जाता है और उसी के अनुसार उसकी मान्यताएं भी। सभी दौर में उसकी परंपराएं व मान्यताएं पूरे समाज को स्वीकार्य रही है उसमें होने वाले परिवर्तन के पीछे इंसान की सोच में होने वाले परिवर्तन का पर्याय होता है। व्यथा की कथा हर दौर में होती है लेकिन एक दूसरे से थोड़ी अलग ....

(लेखक वरिष्ठ चिंतक,कवि, साहित्यकार,फीचर फिल्म, विज्ञापन फिल्म कलाकार, सामाजिक कार्यकर्ता व पूर्व प्रशासनिक अधिकारी हैं)

बेहाल वृद्धों के लिये आयोग बनना एक सराहनीय कदम

(ललित गर्ग)

केरल योजना बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, दक्षिणी राज्य पूरे भारत की तुलना में अधिक तेजी से वृद्ध हो रहा है। 1961 में, केरल में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की संख्या कुल जनसंख्या का 5.1 प्रतिशत थी, जो राष्ट्रीय औसत 5.6 प्रतिशत से थोड़ा कम थी। केरल भारत का पहला राज्य बन गया है जिसने वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयोग स्थापित करने के लिए एक कानून पारित किया है। यह एक सराहनीय एवं स्वागत योग्य पहल होने के बावजूद एक बड़ा सवाल भी खड़ा करती है कि आखिर भारत के बुजुर्ग इतने उपेक्षित एवं प्रताड़ित क्यों है? केरल जैसे शिक्षित राज्य में ही इस आयोग को बनाने की जरूरत क्यों सामने आयी? केरल में क्यों सामाजिक सुरक्षा, स्नेह, सुरक्षा की वह छांव लुप्त होती जा रही है, जिसमें बुजुर्ग खुद को सुरक्षित महसूस कर सकें। क्यों केरल में ही बुजुर्ग सर्वाधिक अकेलेपन एवं एकाकीपन का संत्रास झेलने को विवश हो रहे है? केरल में कई बुजुर्ग लोगों को युवा पीढ़ी के हाथों गरीबी और दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ रहा है। इस प्रांत में कई गांव ऐसे हैं जहां केवल बुजुर्ग ही बचे हैं, प्रश्न है कि ऐसा क्यों हो रहा है? यूं तो समूचे देश में बुजुर्गों की लगभग यही स्थिति बन रही है, जो सामाजिक व्यवस्था पर एक बदनुमा दाग है। केरल योजना बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, दक्षिणी राज्य पूरे भारत की तुलना में अधिक तेजी से वृद्ध हो रहा है। 1961 में, केरल में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की संख्या कुल जनसंख्या का 5.1 प्रतिशत थी, जो राष्ट्रीय औसत 5.6 प्रतिशत से थोड़ा कम थी। हालांकि, 1980 के दशक तक, राज्य ने बाकी राज्यों को पीछे छोड़ दिया। 2001 तक यह हिस्सा बढ़कर 10.5 प्रतिशत हो गया, जबकि राष्ट्रीय औसत 7.5 प्रतिशत था। 2011 में यह 12.6 प्रतिशत था, जबकि राष्ट्रीय औसत 8.6 प्रतिशत था।

देश में समाप्त होने के कगार पर पहुंचा नक्सलवाद

(रमेश सर्राफ धमोरा)

पिछले छः दशकों से देश में नासूर बनकर उभरा नक्सलवाद अब समाप्त होने की कगार पर पहुंच गया है। देश के गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में घोषणा की है कि 31 मार्च 2026 तक देश में नक्सलवाद को समाप्त कर दिया जाएगा। गृह मंत्री द्वारा की गई यह एक बहुत बड़ी घोषणा है। गत 60 वर्षों से देश नक्सलवाद की समस्या से बुरी तरह पीड़ित रहा है। इस दौरान देश में कई सरकारें आई और चली गई मगर नक्सलवाद का नासूर दिनों-दिन बढ़ता ही रहा था। देश के कई प्रदेशों में तो बहुत बड़े हिस्से में नक्सलवादी अपनी समानांतर सरकार तक चलाते थे। नक्सलवाद प्रभावित जिलों में उनकी हुकूमत चलती थी।

मगर अब परिस्थितियों पूरी तरह बदल चुकी है। केंद्र सरकार की नक्सलवाद से मुक्ति के अभियान की सफलता से नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसे गिन रहा है। कई बड़े-बड़े नक्सली कमांडर सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में ढेर हो चुके हैं या फिर उन्होंने सरेंडर कर अपनी जान बचा ली है।

पिछले छः दशकों से देश में नासूर बनकर उभरा नक्सलवाद अब समाप्त होने की कगार पर पहुंच गया है। देश के गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में घोषणा की है कि 31 मार्च 2026 तक देश में नक्सलवाद को समाप्त कर दिया जाएगा। गृह मंत्री द्वारा की गई यह एक बहुत बड़ी घोषणा है। गत 60 वर्षों से देश नक्सलवाद की समस्या से बुरी तरह पीड़ित रहा है। इस दौरान देश में कई सरकारें आई और चली गई मगर नक्सलवाद का नासूर दिनों-दिन बढ़ता ही रहा था। देश के कई प्रदेशों में तो बहुत बड़े हिस्से में नक्सलवादी अपनी समानांतर सरकार तक चलाते थे। नक्सलवाद प्रभावित जिलों में उनकी हुकूमत चलती थी। वहां केंद्र व राज्य सरकार का कोई असर नहीं दिखता था। नक्सलियों का फरमान ही अंतिम आदेश होता था जिसे लोग मानने को मजबूर थे।

मगर अब परिस्थितियों पूरी तरह बदल चुकी है। केंद्र सरकार की नक्सलवाद से मुक्ति के अभियान की सफलता से नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसे गिन रहा है। कई बड़े-बड़े नक्सली कमांडर सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में ढेर हो चुके हैं या फिर उन्होंने सरेंडर कर अपनी जान बचा ली है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनो कहा कि नक्सलवाद मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए भारत ने वामपंथी उग्रवाद से अति प्रभावित जिलों की संख्या 12 से घटाकर 6 कर दिया है। शाह ने नक्सलवाद को खत्म करने के लिए मोदी सरकार के दृष्टिकोण पर रोशनी डालते हुए और सभी क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा देने के लिए देश की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा था कि मोदी सरकार सर्वव्यापी विकास के लिए अथक

प्रयासों और नक्सलवाद के खिलाफ दृढ़ रुख के साथ सशक्त, सुरक्षित और समृद्ध भारत बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। हम 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

गृह मंत्रालय के अनुसार भारत में नक्सलवाद से प्रभावित जिलों की कुल संख्या पहले 38 थी। इनमें से सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या अब घटकर 6 हो गई है। साथ ही चिंता के जिलों और अन्य वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों की संख्या में भी कमी आई है। नक्सलवाद से सबसे अधिक प्रभावित छह जिलों में अब छत्तीसगढ़ में चार जिले बीजापुर, कांकेर, नारायणपुर और सुकमा झारखंड का पश्चिमी सिंहभूम जिला व महाराष्ट्र का गढ़चिरौली जिला शामिल है। इसके अतिरिक्त चिंता के जिलों की संख्या जिन्हें गहन संसाधनों और ध्यान की आवश्यकता है 9 से घटकर 6 रह गई है। ये जिले आंध्र प्रदेश में अल्लूरी सीताराम राजू, मध्य प्रदेश में बालाघाट, ओडिशा में कालाहांडी, कंधमाल और मलकानगिरी और तेलंगाना में भद्राद्री-कोठागुडेम हैं।

अन्य वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों की संख्या जो नक्सली गतिविधि का भी सामना कर रहे हैं लेकिन कम हद तक 17 से घटकर 6 हो गई है। इनमें छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा, गरियाबंद और मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चैकी, झारखंड का लातेहार, ओडिशा का नुआपाड़ा और तेलंगाना का मुलुगु जिला शामिल हैं। इन जिलों को उनके पुनर्निर्माण और विकास में सहायता करने के लिए केंद्र सरकार विशेष केंद्रीय सहायता (एससीए) योजना के तहत वित्तीय सहायता प्रदान करती है। सबसे अधिक प्रभावित जिलों को 30 करोड़ रुपये मिलते हैं। जबकि सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में अंतराल को भरने के लिए चिंता वाले जिलों को 10 करोड़ रुपये आवंटित किए जाते हैं। इन क्षेत्रों की जरूरतों के अनुरूप विशेष परियोजनाओं को भी सरकार द्वारा वित्त पोषित किया जाता है।

नक्सलवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के चलते वर्ष 2025 में अब तक केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा तैयार किए गए आंकड़ों के अनुसार छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ों में कम से कम 130 नक्सली मारे गए हैं। इनमें से 110 से ज्यादा बस्तर संभाग में मारे गए जिसमें बीजापुर और कांकेर समेत सात जिले शामिल हैं। देश के विभिन्न हिस्सों से 105 से अधिक नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया और 2025 में अब तक 164 ने आत्मसमर्पण कर दिया है। वहीं इससे पहले वर्ष 2024 में 290 नक्सलियों को न्यूट्रलाइज किया गया था 1090 को गिरफ्तार किया गया और 881 ने आत्मसमर्पण किया था। अभी तक कुल 15 शीर्ष नक्सली नेताओं को न्यूट्रलाइज किया जा चुका है। वर्ष 2014 तक कुल 66 फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशन थे जबकि मोदी सरकार के पिछले 10 साल के कार्यकाल में इनकी संख्या बढ़कर 612 हो गई है। इसी प्रकार, 2014 में देश में 126 जिले नक्सलप्रभावित थे लेकिन 2024 में सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या घटकर मात्र 12 रह गई है। पिछले 5 वर्षों में कुल 302 नए सुरक्षा कैंप और 68 नाइट लैंडिंग हेलीपैड्स बनाए गए हैं।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2004 से 2014 तक देश में नक्सलवाद से जुड़ी 16,463 हिंसक घटनाएं हुई थीं। लेकिन पिछले 10 वर्षों में इसमें 53 प्रतिशत कमी आई है। वर्ष 2004 से 2014 तक विभिन्न नक्सली हमलों और नक्सल विरोधी अभियानों के दौरान 1851 सुरक्षा कर्मियों की जान गई थी। लेकिन पिछले 10 साल में सुरक्षाबलों के हताहत होने की संख्या 73 प्रतिशत घटकर 509 रह गई है। वहीं 2004 से 14 के बीच नक्सली हमलों में 4,766 नागरिकों की मौत हुई थी। 2014 से 2024 के बीच यह आंकड़ा 70 प्रतिशत घटकर 1495 रह गया है।

गृह मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2025 में अब तक 90 नक्सली मारे जा चुके हैं, 104 को गिरफ्तार किया गया है और 164 ने आत्मसमर्पण किया है। वर्ष 2024 में 290 नक्सलियों को न्यूट्रलाइज किया गया था, 1090 को गिरफ्तार किया गया और 881 ने आत्मसमर्पण किया था।

पिछले 20 वर्षों में 2,344 सुरक्षाकर्मियों ने नक्सलियों से लड़ते हुए अपनी जान गंवाई है पिछले दो दशकों में अकेले नक्सली हमलों में 6,258 लोग मारे गए हैं। जब देश में नक्सलवाद अपने चरम पर था तब 8 करोड़ लोगों को प्रभावित किया था। जिनमें मुख्य रूप से आदिवासी थे।

वरूथिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु को क्या भोग लगाएं?

वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की वरूथिनी एकादशी का व्रत इस साल 24 अप्रैल 2025 के दिन रखा जाएगा। गुरुवार का दिन भगवान विष्णु को समर्पित होता है और ऐसे में इसी दिन एकादशी का पड़ना बहुत शुभ माना जाता है। गुरुवार और वरूथिनी एकादशी के योग के कारण इस दिन भगवान विष्णु के वराह अवतार की पूजा करने से जीवन में बाधाओं का नाश होता है और भय एवं शत्रुओं पर विजय प्राप्त होती है। वरूथिनी एकादशी के दिन अगर आप भी व्रत रख रहे हैं तो भगवान विष्णु को प्रसन्न कर उनकी कृपा प्राप्त करने के लिए उनकी पूजा-आराधना के साथ ही उन्हें उनका प्रिय भोग भी अर्पित करें।

भगवान विष्णु को लगाएं पीली मिठाई का भोग

भगवान विष्णु को पीला रंग बहुत पसंद है। इसलिए वरूथिनी एकादशी के दिन उन्हें पीले रंग की मिठाई का भोग लगाना अच्छा माना जाता है। ऐसा करने से भगवान विष्णु खुश होते हैं और उनका आशीर्वाद मिलता है। यह भी माना जाता है कि इस शुभ काम से सभी इच्छाएं पूरी हो जाती हैं।

भगवान विष्णु को लगाएं दही-चीनी का भोग

वरूथिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु को मीठा दही जरूर चढ़ाना चाहिए। ऐसा करने से घर में झगड़े खत्म होते हैं और भगवान विष्णु की कृपा से परिवार के लोगों के बीच प्यार और एकता बढ़ती है। वरूथिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु को पंजीरी का भोग लगाना भी बहुत शुभ माना जाता है।

भगवान विष्णु को लगाएं पंचामृत का भोग

वरूथिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु को पंचामृत का भोग लगाना बहुत ही अच्छा माना जाता है। पंचामृत चढ़ाने से घर में लक्ष्मी जी का वास होता है और घर की आर्थिक हालत सुधरने लगती है। भगवान विष्णु को सफेद लड्डू भी चढ़ाए जा सकते हैं इससे घर में पारिवारिक शांति बनी रहती है।

शुक्रवार के दिन इस विधि से करें मां लक्ष्मी का अभिषेक

हिंदू धर्म में मां लक्ष्मी की पूजा धन, समृद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति के लिए की जाती है। मां लक्ष्मी को भगवान विष्णु की पत्नी और धन, वैभव, और ऐश्वर्य की देवी माना जाता है। उनकी पूजा विशेष रूप से शुक्रवार के दिन की जाती है। उनकी कृपा से सौभाग्य और सकारात्मकता बढ़ती है। ऐसा माना जाता है कि उनकी पूजा से जीवन में सभी प्रकार की समृद्धि आती है, जिसमें भौतिक सुख-सुविधाएं भी शामिल है। आपको बता दें, जिस तरह सभी देवी-देवताओं का अभिषेक किया जाता है, ठीक वैसे ही मां लक्ष्मी का भी अभिषेक पूरे विधि-विधान के साथ किया जाता है।

शुक्रवार के दिन मां लक्ष्मी का अभिषेक किस विधि से करें?

- शुक्रवार के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और साफ वस्त्र धारण करें।
- अपने घर के पूजा स्थल को साफ करें और वहां एक चौकी स्थापित करें।
- चौकी पर लाल या गुलाबी रंग का कपड़ा बिछाएं।
- मां लक्ष्मी की प्रतिमा को गंगाजल से शुद्ध करें।
- अपने आप पर भी गंगाजल के छींटे डालें।
- एक पात्र में अभिषेक की सभी सामग्री जैसे कि दूध, दही, शहद, घी, चीनी और गंगाजल मिलाएं। यदि केसर है तो वह भी मिला सकते हैं।
- मंत्रों का जाप करते हुए धीरे-धीरे इस मिश्रण को मां लक्ष्मी की प्रतिमा पर अर्पित करें।
- अभिषेक के बाद प्रतिमा को शुद्ध जल से स्नान कराएं और साफ कपड़े से पोंछ लें।
- मां लक्ष्मी को रोली, कुमकुम और अक्षत का तिलक लगाएं।
- उन्हें फूल अर्पित करें, विशेष रूप से कमल का फूल अर्पित करना शुभ माना जाता है।
- मां लक्ष्मी के सामने धूप और दीप जलाएं।
- मां लक्ष्मी को मिठाई का भोग लगाएं। खीर या सफेद मिठाई विशेष रूप से प्रिय है।
- मां लक्ष्मी की आरती करें। ध्यान रखें कि इनकी आरती कभी भी खड़े होकर नहीं करनी चाहिए।

अभिषेक करने का नियम

- शुक्रवार को मां लक्ष्मी की पूजा और अभिषेक के लिए शुभ मुहूर्त देखा जाता है। यह आमतौर पर संध्या काल या प्रदोष काल होता है।
- अभिषेक करने से पहले पूजा स्थल और मां लक्ष्मी की मूर्ति को अच्छी तरह से साफ किया जाता है।
- अभिषेक करने के दौरान मां लक्ष्मी के मंत्रों का जाप –

श्रीं ह्रीं क्लीं श्रीं सिद्ध लक्ष्म्यै नमः
श्री महालक्ष्म्यै च विद्महे विष्णु पत्न्यै च
धीमहि तन्नो लक्ष्मी प्रचोदयात
ह्रीं श्रीं क्लीं धन लक्ष्म्यै नमः
महालक्ष्म्यै नमो नमः, विष्णु पत्न्यै नमो नमः

अभिषेक करने का महत्व

मां लक्ष्मी को धन, समृद्धि, और सौभाग्य की देवी माना जाता है। उनकी पूजा करने से भक्तों को आर्थिक रूप से स्थिरता और उन्नति मिलती है। मां लक्ष्मी की पूजा करने से जातकों को कभी भी धन संबंधित समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ता है।

माता लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए रोजाना करें ये 3 उपाय

माता लक्ष्मी को धन की देवी माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि जिस पर माता लक्ष्मी की कृपा होती है उसके पास कभी भी धन की कमी नहीं होती है। वहीं यदि लक्ष्मी जी रूठ जाएं तो ऊंचाइयों से भी मनुष्य नीचे गिर सकता है। इसी वजह से लोग नियमित रूप से लक्ष्मी जी को प्रसन्न करने के उपाय ढूंढते रहते हैं। ऐसी मान्यता है कि घर में यदि साफ़ सफाई है तो हमेशा माता लक्ष्मी उस घर में वास करती हैं। वहीं घर में इकट्ठा गंदगी से और कोने में जमा कूड़े से लक्ष्मी जी के चरण घर के भीतर नहीं आ पाते हैं।

नियमित रूप से घर की सफाई करें

मान्यता है कि माता लक्ष्मी के आगमन के द्वार घर में तभी खुलते हैं जब घर साफ़ सुथरा रहता है। इसलिए आपको नियमित रूप से घर की सफाई जरूर करनी चाहिए। सफाई के समय हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि कोने में कचरा इकट्ठा न हो। इसके साथ ही आपको भूलकर भी शाम के समय घर में झाड़ू नहीं लगानी चाहिए। आपको घर की सफाई हमेशा दिन के समय ही करनी चाहिए।

घर के मुख्य दरवाजे पर हल्दी से स्वास्तिक बनाएं

मान्यता है कि यदि आप घर के मुख्य द्वार पर रोजाना हल्दी से स्वास्तिक बनाते हैं तो ये आपके घर में धन वर्षा के मार्ग खोलने में मदद करता है। ऐसा माना जाता है कि मुख्य द्वार से ही माता लक्ष्मी का आगमन घर में होता है और यदि नियमित रूप से स्वास्तिक बनाया जाए तो यह माता लक्ष्मी को प्रसन्न करने का एक मुख्य उपाय है। इसके साथ ही यदि आप इस स्वस्तिक में दीपक प्रज्ज्वलित करके रखती है तब भी यह आपके लिए फायदेमंद होगा।

माता लक्ष्मी की आरती करें

यदि आप रोजाना माता लक्ष्मी की आरती करेंगी तो ये घर में मुख्य धन आगमन के द्वार खोलने में मदद करेगा। ज्योतिष के अनुसार नियमित रूप से माता लक्ष्मीकी आरती और पूजा करने की सलाह दी जाती है जो आपके लिए समृद्धि का मुख्य स्रोत मानी जाती है। यदि आप नियमित रूप से माता लक्ष्मी की पूजा और आरती करती हैं तो ये उपाय आपके जीवन में कभी भी धन की कमी नहीं होने देता है।

वरुथिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु को पीले चंदन का लेप किस विधि से लगाएं?

हिंदू धर्म में वरुथिनी एकादशी का व्रत बेहद शुभ फलदायी माना जाता है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। अब ऐसे में अगर आप भगवान विष्णु की पूजा कर रहे हैं तो किस विधि से चंदन का लेप लगाने से लाभ हो सकता है।

सनातन धर्म में वरुथिनी एकादशी का व्रत हर साल वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि के दिन रखा जाता है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। ऐसा कहा जाता है कि जो व्यक्ति इस दिन पूरे विधि-विधान के साथ पूजा-पाठ करता है। उसे सभी परेशानियों से छुटकारा मिल सकता है और कुंडली में स्थित ग्रहदोष के अशुभ प्रभाव भी कम हो जाते हैं। इतना ही नहीं, इस दिन भगवान विष्णु के मंत्रों का जाप भी करें और स्तोत्र का पाठ भी करें। अब ऐसे में अगर आप वरुथिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा कर रहे हैं तो उन्हें पीले चंदन का लेप किस विधि से लगाएं और इसे लगाने के नियम क्या है।

भगवान विष्णु को चंदन का लेप लगाने की विधि

- सबसे पहले, स्नान करके स्वच्छ वस्त्र धारण करें।
- पूजा स्थल को साफ करें और भगवान विष्णु की मूर्ति या चित्र को स्थापित करें।
- चंदन का पेस्ट तैयार करें। पेस्ट बनाने के लिए, शुद्ध चंदन पाउडर को थोड़े से गंगाजल या शुद्ध जल में मिलाएं।
- भगवान विष्णु की मूर्ति या चित्र पर धीरे-धीरे चंदन का लेप लगाएं।
- लेप लगाते समय, ऊं नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जाप करते रहें।
- आप भगवान को पीले फूल, तुलसी के पत्ते, पंचामृत और घी का दीपक भी अर्पित करें।
- आखिर में भगवान विष्णु की आरती करें।

भगवान विष्णु को चंदन का लेप लगाने के नियम

- हिंदू धर्म में चंदन को बहुत पवित्र माना जाता है। यह भगवान विष्णु को बहुत प्रिय है। चंदन का लेप लगाने से मन शांत होता है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।
- भगवान विष्णु को चंदन का लेप लगाने के बाद अपने माथे पर भी चंदन का तिलक लगाएं।
- अगर आप भगवान विष्णु को चंदन का लेप लगा रहे हैं तो आप पहले उस लेप को अपने हाथ में लें और फिर उस लेप को भगवान विष्णु को लगाएं। इससे कुंडली में स्थित गुरुदोष से छुटकारा मिल सकता है।
- वरुथिनी एकादशी के दिन आप भगवान विष्णु को चंदन ब्रह्म मुहूर्त में लगाएं। इससे उत्तम परिणाम मिल सकते हैं।

भगवान विष्णु को पीला चंदन लगाने का महत्व

पीले चंदन को शुभता, पवित्रता और सकारात्मकता का प्रतीक है। भगवान विष्णु को पीला चंदन का लेप लगाने से जीवन में आ रही समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। साथ ही अगर आपके वैवाहिक जीवन में किसी तरह की कोई समस्या आ रही है तो उससे भी छुटकारा मिल सकता है।

असुर होते हुए भी इन राक्षसों ने क्यों की थी भगवान विष्णु की पूजा?

हम सभी ने अक्सर पौराणिक कथाओं में ये सुना है कि असुरों का संहार करने का काम भगवान विष्णु ने अपने अलग-अलग अवतारों द्वारा किया है और असुरों को वरदान देने का काम करते थे भगवान शिव। इसी कारण से असुरों को भगवान शिव शंभू प्रिय थे और भगवान विष्णु से असुरों को भयंकर घृणा थी, लेकिन कुछ ऐसे असुर भी थे जिन्होंने राक्षस कुल में जन्म लेने के बाद भी भगवान विष्णु की या उनके अवतारों की भक्ति को चुना था। तो चलिए जानते हैं कि कौन थे वो असुर जिन्होंने की थी भगवान विष्णु की पूजा और क्या था इसके पीछे का कारण।

राक्षस घोरा ने की थी भगवान विष्णु की पूजा

प्राचीन काल में एक गौरा नाम का राक्षस हुआ करता था। वह असुर कुल में जन्मा था लेकिन इसके बाद भी उसकी निष्ठा भगवान विष्णु के प्रति थी। एक पौराणिक कथा के अनुसार घोरा नाम का रक्षा पृथ्वी पर राज्य करना चाहता था, लेकिन जब उसने यह देखा कि पृथ्वी तो शेषनाग के शीश के ऊपर सज्ज है और शेषनाग के राजा भगवान विष्णु हैं तो उसने सोचा कि क्यों ना पृथ्वी को प्राप्त करने के लिए भगवान विष्णु की पूजा की जाए।
राक्षस घोरा ने कई हजार सालों तक भगवान विष्णु की पूजा कर उन्हें प्रसन्न किया जब भगवान विष्णु ने घोरा को दर्शन दिए तो उसने भगवान विष्णु से पृथ्वी के राजा बनने की इच्छा जताई जिस पर भगवान विष्णु ने उसे वरदान दिया कि अब से वह पृथ्वी का राजा कहलाएगा। हालांकि पृथ्वी का राजा बनते ही रक्षा गोरा ने मनुष्यों पर अत्याचार करना शुरू कर दिया और अपनी आसुरी शक्तियों का दुरुपयोग करने लगा जिसके बाद खुद मां विंध्यवासिनी जो कि मां पार्वती का ही एक स्वरूप हैं उन्होंने राक्षस घोरा से युद्ध किया उसे परास्त किया और उसका वध कर पृथ्वी को उसके अत्याचारों से मुक्त कराया।

असुर राज बलि ने की थी भगवान विष्णु की पूजा

असुर राज बलि भी एक राक्षस कुल से संबंध रखते थे।वे दैत्यों के राजा और अपार बल के स्वामी थे। असुर होने के बाद भी राजा बलि भगवान विष्णु की भक्ति करते थे। जब भी राजा बलि कोई हवन-अनुष्ठान किया करते थे तो सबसे पहले भगवान विष्णु को ही हवन सामग्री अर्पित करते थे। एक बार राजा बलि ने देवताओं को युद्ध में पराजित कर स्वर्ग को अपने कब्जे में ले लिया था, जिससे सभी देवता अत्यंत दुखी हो गए थे। अपने दुखों का समाधान ढूंढते हुए, देवता अपनी माता अदिति के पास पहुंचे और उन्हें अपनी समस्या बताई। तब अदिति ने अपने पति कश्यप ऋषि के कहने पर एक व्रत किया, जिसके शुभ फलस्वरूप भगवान विष्णु ने वामन देव के रूप में अवतार लिया। भगवान विष्णु जानते थे कि राजा बलि वामन अवतार में उनसे कुछ भी मांगेंगे तो वह मना नहीं करेंगे और हुआ भी ऐसा ही है। राजा बलि से जब वामन देव ने तीन पग भूमि मांगी तो उन्होंने दे दी जिसके बाद वामन देव ने तीन पग भूमि में तीनों लोक नाप लिए। चूंकि यह देवताओं की सुरक्षा के लिए किया गया भगवान विष्णु द्वारा छल था। इसलिए भगवान विष्णु ने राजा बलि को पाताल का राजा बनाते हुए उनके राज्य की हमेशा रक्षा करने का वचन दिया।

राक्षस शंखचूर्ण ने की थी भगवान विष्णु की पूजा

शंखचूड़ दैत्य, दैत्यराज दंभ का पुत्र था। दंभ की कोई संतान नहीं थी, इसलिये उसने संतान प्राप्ति के लिए भगवान विष्णु की कठिन तपस्या की। तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान विष्णु प्रकट हुए और दंभ से वर मांगने के लिए कहा। दंभ ने तीनों लोकों में अजेय और महापराक्रमी पुत्र की इच्छा जताई। भगवान विष्णु ने तथास्तु कहकर उसे वरदान दिया और फिर अंतर्धान हो गए। इसके बाद, दंभ के घर एक पुत्र का जन्म हुआ, जिसका नाम शंखचूड़ रखा गया।
शंखचूड़ भी भगवान विष्णु का परम भक्त सीध हुआ। विशेष रूप से शंखचूड़ की संपूर्ण भक्ति भगवान विष्णु के अवतार श्री कृष्ण के प्रति समर्पित थी। शंखचूड़ ने भगवान श्री कृष्ण की तपस्या कर उनसे कृष्ण कवच भी प्राप्त किया था, लेकिन जब शंखचूड़ ने अपनी शक्तियों का प्रयोग देवताओं के विरुद्ध करना शुरू किया तब भगवान शिव ने शंखचूड़ का वध कर दिया। इसी कारण से भगवान शिव की पूजा में शंख बजाना वर्जित है।

जेनसोल इंजीनियरिंग के स्वतंत्र निदेशक अरुण मेनन ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, एजेंसी। जेनसोल इंजीनियरिंग के स्वतंत्र निदेशक अरुण मेनन ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि अन्य कारोबारों के पूंजीगत व्यय के लिए बैलेंस शीट के इस्तेमाल और कंपनी की इतनी ऊंची ऋण लागत से सेवा की स्थिरता से जुड़ी चिंताएं बढ़ रही हैं।

मेनन का इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब एक दिन पहले मंगलवार को सेबी ने फंड डायवर्जन और गवर्नेंस लैप्स मामले में जेनसोल इंजीनियरिंग और उसके प्रमोटरों - अनमोल सिंह जग्गी और पुनीत सिंह जग्गी- को अगले आदेश तक प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया था। कंपनी के प्रवर्तकों में से एक अनमोल सिंह जग्गी को संबोधित अपने त्यागपत्र में मेनन ने कहा, अन्य व्यवसायों के पूंजीगत व्यय को वित्तपोषित करने के लिए जीईएल की बैलेंस शीट का लाभ उठाने तथा जीईएल द्वारा इतनी अधिक ऋण लागत की सेवा की स्थिरता पर चिंता बढ़ रही थी। बाजार नियामक ने जेनसोल इंजीनियरिंग लिमिटेड (जीईएल) को उसकी ओर से घोषित स्टॉक विभाजन पर रोक लगाने का निर्देश दिया है। नियामक ने प्रमोटरों को किसी भी सूचीबद्ध कंपनी में निदेशक या मुख्य प्रबंधकीय कार्मिक का पद धारण करने से भी रोक दिया है।

अमेरिका से पढ़कर आया बिजनसमैन बन गया डिलीवरी बॉय

नई दिल्ली, एजेंसी। जिंदगी में कई बार मुश्किल दौर आता है। ऐसे में हम अक्सर ध्यान भटकाने वाली चीजें ढूंढते हैं। कुछ लोग घूमने जाते हैं, तो कुछ छुट्टी लेते हैं। लेकिन एक यूजर ने कुछ अलग किया। उसका एक बिजनस प्लान फेल हो गया था। उसने अपने पिता से इस बारे में बात की। पिता ने उसे एक अलग नजरिया देखने की सलाह दी। यहीं से सब कुछ शुरू हुआ। रेडिट यूजर ने एक पोस्ट में अपनी पूरी कहानी बताई है। यह यूजर कई साल तक अमेरिका में रहा। फिर वह भारत लौटा और एक सफल बिजनस शुरू किया। उसने माना कि उसे कभी रोज के खर्चों की चिंता नहीं हुई। इसलिए, उसने कुछ नया करने की सोची। उसने जोमैटो में डिलीवरी एजेंट के तौर पर काम करने का फैसला किया। उसने यह काम सिर्फ एक वीकेंड के लिए किया।

जोमैटो पार्टनर के तौर पर अपने अनुभव को शेयर किया है। यह अनुभव ऑनलाइन लोगों का ध्यान खींच रहा है। यूजर ने बताया कि वह एक अपर-मिडल-क्लास परिवार में पला-बढ़ा और उसने 10 साल से ज्यादा अमेरिका में बिताए। फिर वह भारत वापस आ गया और अपनी कंपनी शुरू की। लेकिन एक बड़ा प्रोजेक्ट खोने के बाद उसका बुरा समय शुरू हो गया। वह लंबे समय से इस प्रोजेक्ट पर काम कर रहा था। ऐसे निराशाजनक समय में उसके पिता ने उसे जिंदगी को एक अलग नजरिए से देखने की सलाह दी।

डिलीवरी बॉय की दिक्कतें- उसने पोस्ट में लिखा, कुछ हफ्ते पहले, मैंने एक बड़ा प्रोजेक्ट खो दिया जिसके लिए मैं महीनों से पिच कर रहा था। मुझे बहुत बुरा लगा। मैं निराश था, खुद पर सवाल उठा रहा था और एक तरह के मिडलाइफ क्राइसिस से गुजर रहा था। मेरे पिताजी ने यह देखा और मुझे सांत्वना देने की कोशिश की। उन्होंने धीरे से मुझे याद दिलाया कि मैं अपनी जिंदगी में ज्यादातर आर्थिक मुश्किलों से बचा रहा हूं और शायद यह एक अलग नजरिया पाने का समय है।

गौतम अडानी का बढ़ेगा दबदबा, ऑस्ट्रेलिया में खरीदेंगे टर्मिनल

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी निजी बंदरगाह कंपनी अडानी पोर्ट्स एंड एसईजेड लि. एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अपना दबदबा बढ़ाने जा रही है। गौतम अडानी के नेतृत्व वाली कंपनी ऑस्ट्रेलिया में कोयला निर्यात टर्मिनल का अधिग्रहण करेगी। यह सौदा बिना नकद के 2.4 अरब डॉलर में होगा। एप्सेज नॉर्थ क्वींसलैंड एक्सपोर्ट टर्मिनल का अधिग्रहण कर रही है। इससे कंपनी को 2029-30 तक अपनी क्षमता दोगुनी करने में मदद मिलेगी। एप्सेज ने बताया कि उसके निदेशक मंडल ने कार्माइकल रेल एंड पोर्ट सिंगापुर होल्डिंग्स पीटीई लि. से एबॉट पॉइंट पोर्ट होल्डिंग्स पीटीई लिमिटेड, सिंगापुर को खरीदने की मंजूरी दे दी है। सीआरपीएसएचपीएल एक संबंधित पक्ष है।

एबॉट पॉइंट पोर्ट होल्डिंग्स के

पास उन कंपनियों का मालिकाना हक है जिनके पास नॉर्थ क्वींसलैंड एक्सपोर्ट टर्मिनल है। यह टर्मिनल हर साल 5 करोड़ टन कोयला निर्यात कर सकता है। यह ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी तट पर बोवेन से लगभग 25 किमी उत्तर में एबॉट पॉइंट के बंदरगाह पर है।

एप्सेज ने पहले 2011 में की थी डील- एप्सेज ने पहले 2011 में एबॉट पॉइंट पर नॉर्थ क्वींसलैंड एक्सपोर्ट टर्मिनल को 2 अरब डॉलर में खरीदा था। फिर 2013 में अडानी परिवार ने एप्सेज से उसी कीमत पर इस संपत्ति को खरीदा। इससे कंपनी को भारत में अपने कामकाज को बढ़ाने में मदद मिली।

अब, एप्सेज के पास अच्छा पैसा है और भारत में उसकी स्थिति मजबूत है। इसलिए, कंपनी अपनी वैश्विक विकास योजना के तहत इस टर्मिनल को फिर से खरीद रही है।

कंपनी ने एक बयान में कहा, यह लेन-देन बिना नकद के होगा। एप्सेज, एपीपीएच में 100 फीसदी हिस्सेदारी के बदले में सीआरपीएसएचपीएल को 14.38 करोड़ नए शेयर देगी। यह नॉर्थ क्वींसलैंड एक्सपोर्ट टर्मिनल के 3.975 अरब ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (लगभग 2.4 अरब डॉलर) के उद्यम मूल्य पर आधारित है। इसका मतलब है कि एप्सेज, एपीपीएच को खरीदने के लिए सीआरपीएसएचपीएल को पैसे नहीं देगी, बल्कि अपनी कंपनी के शेयर देगी। यह सौदा 2013 में किए गए सौदे के लगभग बराबर है। उस समय भी संपत्ति का मूल्यांकन लगभग इतना ही था।

कंपनी ने क्या बताया

कंपनी ने देनदारियों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी। लेकिन यह जरूर कहा कि लेन-देन के हिस्से के रूप में एप्सेज, एपीपीएच के बही-खाते पर अन्य गैर-मुख्य संपत्तियों और देनदारियों को भी लेगी... सौदे के बाद एप्सेज का निवेश समान स्तर पर बना रहेगा। इसका मतलब है कि एप्सेज, एपीपीएच की कुछ देनदारियों को भी लेगी, लेकिन इससे कंपनी के निवेश पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा। एप्सेज का कहना है कि इस अधिग्रहण से उसे 2029-30 तक अपनी क्षमता को दोगुना कर एक अरब टन सालाना करने के लक्ष्य को जल्दी हासिल करने में मदद मिलेगी। अभी एप्सेज के पास जितने बंदरगाह हैं, उनकी क्षमता मिलाकर लगभग 50 करोड़ टन है। इस अधिग्रहण से कंपनी की क्षमता में 5 करोड़ टन की बढ़ोतरी होगी।

अडनी का चौथा विदेशी अधिग्रहण

पिछले दो वर्षों में यह भारत की सबसे बड़ी बंदरगाह कंपनी का चौथा विदेशी अधिग्रहण है। अब कंपनी के पास कुल 19 बंदरगाह और टर्मिनल होंगे। इनमें से 15 भारत में हैं और 4 विदेश में हैं। इजरायल में एक बंदरगाह, तंजानिया और श्रीलंका में टर्मिनल अन्य तीन अंतरराष्ट्रीय स्थान हैं जहां एप्सेज काम करती है। इस अधिग्रहण से एप्सेज एशिया-प्रशांत क्षेत्र में एक बड़ी ताकत बन जाएगी। कंपनी का लक्ष्य है कि वह दुनिया की सबसे बड़ी बंदरगाह कंपनियों में से एक बने। इस दिशा में यह अधिग्रहण एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सौदा दिखाता है कि अडानी समूह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है। कंपनी न केवल भारत में, बल्कि विदेश में भी तेजी से बढ़ रही है। इससे भारत की अर्थव्यवस्था को भी फायदा होगा।

आरबीआई ने 3 बैंकों पर लगाया भारी-भरकम जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई ने नियामकीय अनुपालन में कुछ खामियों के लिए कोटक महिंद्रा बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) पर जुर्माना लगाया है। रिजर्व बैंक ने कहा कि कोटक महिंद्रा बैंक पर बैंक लोन वितरण के लिए ऋण प्रणाली पर

दिशानिर्देश के अलावा लोन और एडवांस, वैधानिक और अन्य प्रतिबंध पर कुछ निर्देशों का पालन न करने के लिए 61.4 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। रिजर्व बैंक ने कहा कि केवाईसी के कुछ निर्देशों का पालन न करने के लिए आईडीएफसी फर्स्ट बैंक पर 38.6 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

पंजाब नेशनल बैंक पर भी कार्रवाई- इसके अलावा बैंकों में ग्राहक सेवा पर रिजर्व बैंक द्वारा जारी कुछ निर्देशों का पालन न करने के लिए पंजाब नेशनल बैंक पर 29.6 लाख रुपये का जुर्माना लगा है। तीनों मामलों में रिजर्व बैंक ने कहा कि यह जुर्माना नियामकीय अनुपालन में खामियों पर आधारित है तथा इसका उद्देश्य बैंकों द्वारा अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी लेनदेन या समझौते की वैधता पर निर्णय देना नहीं है।

को-ऑपरेटिव बैंक का लाइसेंस रद्द- इससे पहले, रिजर्व बैंक ने अहमदाबाद स्थित कलर मर्चेंट्स को-ऑपरेटिव बैंक का लाइसेंस रद्द कर दिया था। रिजर्व बैंक के मुताबिक इसके पर्याप्त पूंजी और कमाई की संभावनाएं नहीं हैं। रिजर्व बैंक ने कहा कि गुजरात सहकारी समितियों के पंजीयक को भी बैंक को बंद करने और बैंक के लिए एक परिसमापक नियुक्त करने का आदेश जारी करने का अनुरोध किया गया है। परिसमापन पर प्रत्येक जमाकर्ता जमा बीमा और ऋण गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) से केवल 5 लाख रुपये की मौद्रिक सीमा तक अपनी जमा राशि पर बीमा दावा राशि प्राप्त करने का हकदार होगा। रिजर्व बैंक ने आगे कहा कि सहकारी बैंक द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, लगभग 98.51 प्रतिशत जमाकर्ता डीआईसीजीसी से अपनी जमा राशि की पूरी राशि प्राप्त करने के हकदार हैं।

आईएमएफ का दावा: यूएस टैरिफ से कमजोर होगी वैश्विक अर्थव्यवस्था, मुद्रास्फीति बढ़ेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने दावा किया है अमेरिकी टैरिफ में वृद्धि से वैश्विक अर्थव्यवस्था कमजोर होगी। इसके अलावा इस वर्ष मुद्रास्फीति बढ़ेगी। हालांकि, आयात शुल्कों में वृद्धि वैश्विक मंदी का कारण नहीं बनेगी। आईएमएफ का ये अनुमान अगले सप्ताह यानी मंगलवार को जारी किया जाएगा।

आईएमएफ की प्रबंध निदेशक, क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने बृहस्पतिवार को कहा कि ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए शुल्कों से वैश्विक अनिश्चितता में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि आयात कर वैश्विक विकास को धीमा कर देंगे, लेकिन दुनिया भर में मंदी का कारण नहीं बनेंगे। उन्होंने कहा कि दुनिया की अर्थव्यवस्था की ताकत की परीक्षा हो रही है, क्योंकि वैश्विक व्यापार प्रणाली में बड़े बदलाव हो रहे हैं, और ये बदलाव वित्तीय बाजारों में उथल-पुथल ला सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह अशांति पिछले कुछ हफ्तों से वित्तीय बाजारों में चल रही है। खासकर वॉल स्ट्रीट पर, जिसने दिन-प्रतिदिन और अक्सर घंटे-दर-घंटे उतार-चढ़ाव का अनुभव किया है।

जनवरी में जारी अनुमान में मुद्रास्फीति में कमी का था अनुमान

जनवरी में जारी अपने सबसे हालिया अनुमानों में, आईएमएफ ने विश्व अर्थव्यवस्था के नाममात्र तेजी से बढ़ने और मुद्रास्फीति में कमी आने का अनुमान लगाया था। हालांकि, आईएमएफ ने चेतावनी भी दी थी कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों, जिनमें कर कटौती और विदेशी आयातों पर शुल्क में वृद्धि शामिल है, के कारण संभावनाएं कम हो गई हैं। हालांकि, जनवरी के पूर्वानुमानों में बदलाव होने की संभावना है। इसके अलावा, वाशिंगटन स्थित ऋण एजेंसी ने उस समय कहा था कि उसे उम्मीद है कि इस साल और अगले साल विश्व अर्थव्यवस्था 3.3 फीसदी बढ़ेगी, जो 2024 में 3.2 फीसदी होगी।

देशों से टैरिफ कम करने की अपील

आईएमएफ प्रमुख जॉर्जीवा ने ट्रंप प्रशासन की कुछ चिंताओं को भी दोहराया। उन्होंने देशों से अपने टैरिफ और व्यापार में अन्य बाधाओं को कम करने की अपील की। उन्होंने कहा, व्यापार विकृतियों- टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं ने बहुपक्षीय प्रणाली की नकारात्मक धारणाओं को बढ़ावा दिया है, जो सभी को बराबरी का मौका देने में नाकाम रही है। कुछ जगहों पर लगता है कि उनके साथ गलत हो रहा है। उनका मानना है कि वे नियमों का पालन करते हैं, जबकि अन्य नियम तोड़ते हैं और फायदा उठाते हैं।

अनिश्चितता का कारण बनते हैं टैरिफ

जॉर्जीवा ने कहा कि टैरिफ अनिश्चितता का कारण बनते हैं, जो महंगा हो सकता है। उन्होंने कहा कि आपूर्ति श्रृंखलाओं की जटिलता के कारण, दर्जनों देशों में टैरिफ से एक ही वस्तु की लागत प्रभावित हो सकती है। उन्होंने कहा कि बढ़ी हुई व्यापार बाधाएं भी विकास को तुरंत प्रभावित करती हैं, और जबकि इससे अधिक घरेलू उत्पादन हो सकता है, इसे लागू करने में समय लगता है।

कॉपर की कीमत में हाल के दिनों में काफी तेजी

वेदांता के अनिल अग्रवाल ने इसे अगला गोल्ड बताया है

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉपर की कीमत में हाल में काफी तेजी आई है। हाल में इसकी कीमत 10,000 डॉलर प्रति टन के ऊपर पहुंच गई थी। इसकी वजह यह है कि नए जमाने की हर तकनीक में इसका यूज हो रहा है और इसे सुपर मेटल कहा जा रहा है। इलेक्ट्रिक वाहनों से लेकर रिन्यूएबल एनर्जी, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और डिफेंस से जुड़े साजोसामान में तांबे का यूज हो रहा है। इसकी बढ़ती डिमांड को देखते हुए अडानी और जेएसडब्ल्यू ग्रुप ने भी एंट्री मारी है। फिलहाल, भारत में सिर्फ हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और सरकारी कंपनी हिंदुस्तान कॉपर ही तांबा बनाती हैं। इस बीच वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने तांबे को अगला सोना करार दिया है। उनका कहना है कि देश के निवेशकों और उद्यमियों को कॉपर पर मिशन मोड में काम करने की जरूरत है।

अग्रवाल ने ङ्क पर एक फोटो शेयर की जिसमें लिखा है कि कॉपर अगला सोना है। इसमें उन्होंने

लिखा, बैरिक गोल्ड दुनिया में सोने का उत्पादन करने वाली दूसरी बड़ी कंपनी है। अब यह कंपनी सिर्फ बैरिक के नाम से जानी जाएगी। इसकी वजह यह है कि कंपनी तांबे की माइनिंग पर ध्यान दे रही है। तांबा एक नया सुपर मेटल है। इसका इस्तेमाल हर नई तकनीक में हो रहा है। चाहे वो श्वङ्कह्य हों, रिन्यूएबल एनर्जी का ढांचा हो, ढ्ढ हो या फिर डिफेंस के उपकरण, सब में तांबा काम आ रहा है।

भारत में खपत- भारत में रिफाइंड तांबे का उत्पादन लगभग 555,000 टन प्रति वर्ष है, जबकि घरेलू खपत 750,000 टन से ज्यादा है। भारत हर साल लगभग 500,000 टन तांबा आयात करता है। उद्योग के अनुमानों के अनुसार 2030 तक भारत में तांबे की मांग दोगुनी हो सकती है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि भारत में प्रति व्यक्ति तांबे की खपत लगभग 0.6 किलोग्राम है, जबकि वैश्विक औसत 3.2 किलोग्राम है। तांबे के उत्पादन में चिली सबसे ऊपर हैं। उसके बाद पेरू का नंबर है। चीन और कांगो भी तांबे के बड़े उत्पादक देश हैं।

क्यों बढ़ रही डिमांड

उन्होंने कहा कि दुनिया भर में तांबे की खदानों को फिर से शुरू किया जा रहा है। तांबा गलाने वाली नई भट्टियां भी बन रही हैं। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि तांबे की मांग बहुत तेजी से बढ़ रही है। भारत में भी क्रिटिकल और ट्रांजिशन मेटल्स के क्षेत्र में बहुत संभावनाएं हैं। युवा उद्यमियों और निवेशकों के लिए यह एक बड़ा मौका है। इसे एक मिशन बना लेना चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि तांबे की कीमतें आने वाले समय में और भी बढ़ सकती हैं। इसलिए तांबे में निवेश करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है। तांबा उतना ही जरूरी है जितने लिथियम और कोबाल्ट। इनका इस्तेमाल रिचार्जेबल बैटरी में होता है। तांबे का यूज सेलफोन, एलईडी लाइट और फ्लैट-स्क्रीन टीवी में होता है। साथ ही तांबे का इस्तेमाल तारों और ट्रांसमिशन लाइनों में होता है। भारत अपनी जरूरत का ज्यादातर तांबा आयात करता है। 2023 में भारत ने तांबे को 30 महत्वपूर्ण खनिजों में शामिल किया था। 2018 में वेदांता के स्टरलाइट कॉपर प्लांट के बंद होने के बाद से भारत का तांबा आयात बढ़ गया है। यह प्लांट लगभग 400,000 टन तांबा बनाता था।

सैलरी थी सिक्योरिटी गार्ड के बराबर...नौकरी छोड़ लगाया दिमाग, आज खड़ी कर दी 10 करोड़ की कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार के बक्सर जिले के अजय राय ने डिजिटल मार्केटिंग में सफलता हासिल की है। उन्होंने साबित किया है कि बिहार के युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। अजय ने रिसर्च डेवलपमेंट में महारत हासिल की। अब वह युवाओं को नौकरी दे रहे हैं। उनकी कंपनी कई देशों में फैली हुई है। अजय ने 2017 में इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल करने के बाद कुछ समय तक नौकरी की। सैलरी इतनी कम थी कि उन्होंने बाद में अपना व्यवसाय शुरू करने का फैसला किया। इस फैसले से उनके पिता नाराज भी थे। लेकिन, आज अजय अपनी सफलता से पूरे परिवार को गौरवान्वित कर रहे हैं। आइए, यहां अजय राय की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

कंप्यूटर साइंस में बीटेक- अजय राय बक्सर जिले के अरेला गांव के रहने वाले हैं। उनके पिता व्यास देव राय दिल्ली में एक सरकारी स्कूल में शिक्षक हैं। अजय की शुरुआती शिक्षा दिल्ली में ही हुई। उन्होंने 2013 में बोर्ड की परीक्षा पास की। फिर पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी से 2017 में कंप्यूटर साइंस में बीटेक की डिग्री हासिल की। डिग्री हासिल करने के बाद अजय राय को एक

कंपनी में 15,000 रुपये की नौकरी मिली। उन्होंने लगभग 2 साल तक नौकरी की। लेकिन, उन्हें लगा कि वह नौकरी उनके लिए सही नहीं है। वह कुछ अलग करना चाहते थे। कम सैलरी से भी वह बहुत असंतुष्ट थे।

पिता बहुत हुए नाराज- अजय राय ने जब नौकरी छोड़ने का फैसला लिया तो उनके पिता व्यास देव राय बहुत नाराज हुए। उन्होंने 6 महीने तक अजय से बात नहीं की। परिवार के अन्य सदस्य भी अजय के इस फैसले से खुश नहीं थे। उन्हें डर था कि कहीं अजय का फैसला गलत न हो जाए। पिता की इस नाराजगी का कारण यह था कि वह मध्यम वर्गीय परिवार से थे। बहुत मेहनत से बच्चों को पढ़ाया लिखाया था। उन्हें लगा कि नौकरी छोड़ने के बाद अजय कुछ नहीं कर पाएंगे।

2020 में शुरू की अपनी कंपनी- 2020 में अजय राय ने अपनी कंपनी यूपीकोच शुरू की। कंपनी बनाने के बाद उन्होंने बहुत मेहनत की। अजय ने विदेश के क्लाइंट से संपर्क साधना शुरू किया। पहले अजय बाइक से ड्यूटी जाते थे, लेकिन बाद में बस से जाना शुरू किया। बस में जो समय मिलता था, उस दौरान वह अपना काम करते थे। इस तरह वह हर दिन 3 घंटे का समय काम के लिए निकाल लेते थे। अजय राय ऑफिस में अपने सीनियर के पास बैठते थे और रिसर्च डेवलपमेंट का काम सीखते थे। बस यात्रा के दौरान वह फोन, मैसेज और सोशल मीडिया पर क्लाइंट को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजते थे। धीरे-धीरे उन्हें काम मिलना शुरू हुआ। इसके बाद उन्होंने दुबई और कोलंबिया में ऑफिस खोले।

अब करोड़ों का कारोबार

अजय राय ने जिस कॉन्सेप्ट पर काम करना शुरू किया, वह बिल्कुल अलग था। विदेश में बिजनेस कोच का कॉन्सेप्ट बहुत लोकप्रिय है। कोच के जरिए लोग अपनी समस्याओं का समाधान करते हैं। अगर आपके साथ पारिवारिक समस्या है तो उसका समाधान भी कोच करेंगे। अगर शादी करनी है तो उसके लिए भी कोच उपलब्ध हैं। अगर बिजनेस करना है तो आप कोच से संपर्क कर सकते हैं। अजय ने कोच के लिए ब्रांडिंग का काम शुरू किया। आज की तारीख में 15-16 देशों में अजय राय की कंपनी के क्लाइंट हैं। अजय राय की एक और कंपनी है जिसका नाम ट्रैफिक एक्सपर्ट एलसीसी है। इस कंपनी का मुख्यालय न्यूयॉर्क में है। यह कंपनी गूगल ट्रैफिक मामलों को देखती है। इस कंपनी में अजय राय के साथ एक और सहयोगी हैं जो पार्टनरशिप में काम करते हैं। अजय राय ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तौर पर 50 से अधिक लोगों को रोजगार दे रखा है। अजय राय की कंपनी का टर्नओवर 10 करोड़ रुपये से अधिक का हो चुका है।

नारायणमूर्ति के 17 महीने के पोते ने कमाए 3.3 करोड़ रुपये, कुल संपत्ति जानकर हैरान रह जाएंगे

बंगलूरू , एजेंसी। भारत की दिग्गज आईटी कंपनी इंफोसिस के सह-संस्थापक नारायण मूर्ति के पोते एकाग्रह रोहन मूर्ति ने महज 17 महीने की उम्र में 3.3 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। दरअसल ये कमाई इंफोसिस के डिविडेंड से हुई है। एकाग्रह रोहन मूर्ति, नारायणमूर्ति और सुधा मूर्ति के बेटे रोहन मूर्ति के बेटे हैं। कुछ समय पहले ही नारायण मूर्ति ने इंफोसिस के 15 लाख शेयर एकाग्रह के नाम किए थे। अब उन्हीं शेयर पर यह 3.3 करोड़ रुपये का डिविडेंड मिला है।

एकाग्रह 240 करोड़ रुपये के मालिक- एकाग्रह नारायण मूर्ति भारत के सबसे युवा करोड़पतियों में से एक हैं। नारायण मूर्ति ने पोते एकाग्रह को बीते दिनों इंफोसिस के 15 लाख शेयर बतौर उपहार दिए थे। जिसके बाद एकाग्रह के पास कंपनी की 0.04 प्रतिशत हिस्सेदारी है। जिस वक्त शेयर उपहार स्वरूप दिए गए थे, उस वक्त उनकी कीमत करीब 240 करोड़ रुपये थी। गुरुवार को इंफोसिस ने 22 प्रतिशत डिविडेंड का एलान किया। चूंकि एकाग्रह के पास 15 लाख शेयर हैं तो उन्हें डिविडेंड के तौर पर 3.3 करोड़ रुपये मिले। इस तरह एकाग्रह अब तक अपने शेयर से कुल 10.65 करोड़ रुपये का डिविडेंट कमा चुके हैं। इससे पहले एकाग्रह को डिविडेंट के तौर पर 7.35 करोड़ रुपये मिल चुके हैं।

इंफोसिस को चौथी तिमाही में मुनाफा घटा- देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इंफोसिस का चौथी तिमाही में मुनाफा सालाना आधार पर 12 प्रतिशत घटकर 7033 करोड़ रुपये रह गया है। कंपनी का राजस्व 7.92 प्रतिशत बढ़कर 37,923 करोड़ रुपये रहा। इंफोसिस ने चौथी तिमाही में कंपनी में 199 कर्मचारियों को नौकरी पर रखा।

रोहित शेट्टी की आने वाली फिल्म में पुलिस ऑफिसर बनेंगे जॉन अब्राहम

जॉन अब्राहम जहां पहले भी अपनी फिल्मों में पुलिस ऑफिसर का रोल कर चुके हैं, वहीं रोहित शेट्टी भी अपनी कॉप यूनिवर्स वाली फिल्मों के लिए मशहूर हैं। अब जॉन और रोहित अब साथ आए हैं। रोहित की अगली फिल्म में जॉन अब्राहम पुलिस ऑफिसर का रोल करेंगे। जल्द ही इस फिल्म की शूटिंग शुरू होने वाली है।

चार महीने चलेगी फिल्म की शूटिंग

रोहित शेट्टी की आने वाली फिल्म का नाम 'एक्शनेर' बताया जा रहा है। इस फिल्म की शूटिंग लगभग चार महीने तक चलेगी। रोहित की फिल्म की शूटिंग मुंबई की 40 अलग-अलग लोकेशन पर होगी। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार रोहित और जॉन अब्राहम फिल्म 'एक्शनेर' की शूटिंग 18 अप्रैल से शुरू करने वाले हैं।

क्या है फिल्म की कहानी

कुछ समय पहले जॉन अब्राहम ने पिंकविला से हुई बातचीत में बताया था कि वह रोहित शेट्टी की फिल्म कर रहे हैं और इसकी कहानी बहुत ही खास है। अब खबर है कि रोहित शेट्टी मुंबई पुलिस कमिशनर रहे राकेश मारिया की जिंदगी से इंस्पायर होकर ये फिल्म बना रहे हैं। 1993 में बॉम्बे ब्लास्ट की छानबीन करने से लेकर 26/11 के आतंकवादी हमलों का सामना करने तक की कहानी फिल्म में दिखाई जाएगी। जॉन फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगे।

जॉन की इस फिल्म में काम करने की ख्वाहिश

पिछले दिनों भी अपनी फिल्म 'डिप्लोमैट' का प्रमोशन करने के दौरान जॉन अब्राहम ने कहा था कि वह शाहरुख खान की फिल्म 'पठान' का प्रीक्वल चाहते हैं। इस प्रीक्वल में उनके किरदार जिम की कहानी को विस्तार से दिखाया जा सकता है। 'पठान' में जॉन ने विलेन का कैरेक्टर निभाया, जिसका नाम जिम था।

हॉलीवुड कॉमेडी फिल्म का हिस्सा बनीं प्रियंका

जैक एफ्रॉन के साथ आएंगी नजर

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा का नाम एक और हॉलीवुड फिल्म से जुड़ गया है। वह निकोलस स्टोलर की आगामी कॉमेडी प्रोजेक्ट में 'बेवॉच' के को-स्टार जैक एफ्रॉन के साथ फिर से जुड़ रही हैं। आगामी फिल्म में माइकल पेना और विल फेरेल भी हैं। कॉमेडी कास्ट में शामिल हुईं प्रियंका चोपड़ा हॉलीवुड रिपोर्टर के अनुसार, फिल्म में रेजिना हॉल, जिमी टैट्रो और बिली आइचनर भी हैं। निकोलस अपनी खुद की स्क्रिप्ट से फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं। इस प्रोजेक्ट के साथ, वह अपनी हालिया फीचर फिल्म 'यू आर कॉर्डियली इनवाइटेड' में सहयोग करने वाले स्टूडियो के साथ फिर से जुड़ रहे हैं।

भूमिका के बारे में खुलासा नहीं

आगामी कॉमेडी फिल्म में प्रियंका चोपड़ा और माइकल की भूमिकाओं को लेकर कोई जानकारी अभी सामने नहीं आई है। फिल्म से जुड़े विवरण अभी भी गुप्त रखे गए हैं। वहीं, प्रियंका ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर कास्टिंग अनाउंसमेंट की एक झलक शेयर करके इस प्रोजेक्ट में अपनी भागीदारी की पुष्टि भी की, जिसने फैंस के उत्साह को बढ़ा दिया है। प्रियंका निर्देशक एसएस राजामौली के साथ अपनी अगली फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। उन्होंने हाल ही में ओडिशा के कोरापुट में शूटिंग शेड्यूल पूरा किया है। इस फिल्म में महेश बाबू भी हैं। राजामौली के पिता, लेखक विजयेंद्र प्रसाद ने 'एसएसएमबी 29' की कहानी लिखी है और कहा जाता है कि यह इंडियाना जोन्स की तरह ही एक एक्शन-एडवेंचर है। इसके अलावा प्रियंका के पास इदरीस एल्बा और जॉन सीना के साथ 'हेड्स ऑफ स्टेट' है। वह 'द ब्लफ' में में भी नजर आएंगी। वहीं, प्रियंका के पास वेब सीरीज 'सिटाडेल 2' भी है।

मैंने रिजल्ट के बारे में सोचना छोड़ दिया है

अभिनेत्री सैयामी खेर ने अपने करियर को बात की। इस दौरान खेर ने बताया कि वह अपने काम पर फोकस करती हैं और रिजल्ट की फिक्र नहीं करती हैं। अभिनेत्री का मानना है कि फिल्म इंडस्ट्री एक ऐसी जगह है, जहां आप चाहे कितनी भी कोशिश कर लें, रिजल्ट की गारंटी नहीं होती। यह पूछे जाने पर कि वह लगातार आगे बढ़ रही इंडस्ट्री में अपेक्षाओं के दबाव को कैसे मैनेज करती हैं, सैयामी ने बताया, दबाव कभी पूरी तरह से खत्म नहीं होता, लेकिन जब आपका ध्यान रिजल्ट के बजाय काम पर होता है, तो सांस लेना आसान हो जाता है। मैंने रिजल्ट के बारे में सोचना छोड़ दिया है और प्रक्रिया को महत्व देना शुरू कर दिया है। अभिनेत्री ने आगे बताया, मुझे ऐसी कहानियां पसंद हैं, जो दूसरों को प्रभावित करती हैं। ऐसे किरदार निभाना पसंद है, जो चुनौती देते हैं और मैं अपने काम से ही इस प्रेशर को मैनेज करती हूं। मैंने अभिनय की दुनिया में भी कदम इसी वजह से रखा था, क्योंकि मुझे यह पसंद है। साल 2015 से अभिनय की दुनिया में कदम रखने वाली एक्टर को फिल्म इंडस्ट्री में सबसे ज्यादा आश्चर्य किस बात से होता है? सैयामी ने कहा, इसकी अनिश्चितता। अभिनेत्री ने कहा, मैं फिल्म इंडस्ट्री की अनिश्चितता से हैरान हूं, जहां आप चाहे कितनी भी कोशिश कर लें, रिजल्ट की कभी गारंटी नहीं होती। आप किसी चीज में अपना दिल, आत्मा, मेहनत सब कुछ लगा सकते हैं, फिर भी निश्चित नहीं है कि परिणाम क्या होगा। लेकिन यही चीज उसे जीवंत और मैजिकल बनाए रखती है। उन्हें यह भी आश्चर्य होता है कि समय की पाबंदी को एक रेयर क्वालिटी के रूप में कैसे देखा जाता है। सैयामी ने कहा, एक और बात जो मुझे वाकई हैरान करती है, वह यह कि समय की पाबंदी को एक रेयर क्वालिटी की तरह देखा जाता है। मेरे लिए, समय की पाबंदी ऐसी चीज नहीं है जिसकी सराहना की जानी चाहिए - यह सम्मान का एक बुनियादी संकेत है। अनुशासन को अक्सर कम आंका जाता है। सैयामी की हालिया रिलीज फिल्म 'जाट' है, जिसमें वह सनी देओल और रणदीप हुड्डा के साथ मुख्य भूमिका में हैं। 10 अप्रैल को रिलीज हुई फिल्म 50 करोड़ के क्लब में शामिल हो गई है। जाट में रेजिना कैसेंड्रा भी अहम किरदार निभा रही हैं। अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने फिल्म में टच किया गाने पर डांस किया है। गोपीचंद मलिनेनी के निर्देशन में बनी जाट का निर्माण मैत्री मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्ट्री ने मिलकर किया है। फिल्म हिंदी, तमिल और तेलुगू में रिलीज हुई है।

फिल्मों में अभिनय के अलावा इन कामों के लिए मशहूर हैं तमन्ना, सरकारी अभियान का भी हैं हिस्सा

तमन्ना भाटिया की फिल्म ओडेला 2 सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। इसी को लेकर तमन्ना भाटिया सुर्खियों में हैं। उनकी ये फिल्म तेलुगु भाषा में रिलीज होगी। तमन्ना भाटिया ने साउथ की फिल्मों में काम करने के अलावा कई हिंदी फिल्मों जैसे बबली बाउंसर, एंटरटेनमेंट, हिम्मतवाला और वेदा में काम किया है।

तमन्ना ने फिल्मों के अलावा कई टीवी सीरीज में भी काम किया है। इस खबर में हम जानेंगे कि तमन्ना भाटिया अभिनय के अलावा और क्या-क्या करती हैं?

कई कंपनियों की ब्रांड एंबेसडर हैं तमन्ना भाटिया

साउथ और बॉलीवुड की बेहतरीन अभिनेत्री कई नेशनल और इंटरनेशनल प्रोडक्ट की ब्रांड एंबेसडर हैं। कई ब्रांड के लिए वह मॉडलिंग भी करती हैं। इससे उनकी अच्छी खासी कमाई होती है। वह कोल्ड ड्रिंक, साबुन, टीवी चैनल, ज्वैलरी और ब्यूटी प्रोडक्ट की ब्रांड एंबेसडर रह चुकी हैं।

सामाजिक कार्यों में हिस्सा

तमन्ना भाटिया सामाजिक कार्यों में भी हिस्सा लेती हैं। वह साल 2016 में भारत सरकार के अभियान बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का हिस्सा बनीं। वह इस अभियान की ब्रांड एंबेसडर हैं। इस अभियान का हिस्सा बनने से पहले तमन्ना भाटिया ने सामाजिक कारणों से इसका समर्थन किया था। इस अभियान का मकसद लड़कियों के कल्याण, शिक्षा और सशक्तिकरण पर ध्यान देना है। लेखिका भी हैं तमन्ना भाटिया कई प्रतिभाओं की धनी तमन्ना भाटिया किताब बैक टू द रूट्स की लेखिका हैं। यह किताब सेहत पर आधारित है। तमन्ना ने इस किताब को 31 अगस्त 2021 को लॉन्च किया था। यह किताब अमेजन पर ट्रेंडिंग में थी। सोशल मीडिया पर फॉलोवर्स तमन्ना भाटिया के फैंस साउथ के साथ-साथ उत्तर भारत में हैं। अगस्त 2024 में तमन्ना भाटिया के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर बहुत ज्यादा फॉलोवर्स थे। वह सबसे ज्यादा फॉलो की जाने वाली तेलुगु एक्ट्रेस बनीं।

ट्रोलिंग पर बोले अर्जुन मैं एक आसान टारगेट हूं

अर्जुन कपूर ने बॉलीवुड में हिट फिल्म इश्कजादेडेब्यू किया था, लेकिन उनकी बाद की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई अपने करियर के दौरान अर्जुन को सोशल मीडिया पर उनकी एक्टिंग और निजी जिंदगी दोनों के लिए काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा है।

हाल ही में एक चैट में अर्जुन ने बताया कि वह ट्रोल्स से कैसे निपटते हैं, साथ ही उन्होंने बार-बार ट्रोल होने के कारणों पर भी बात की। अर्जुन ने कहा- मैं इस बारे में काफी सख्त हूं, क्योंकि मुझे एहसास हो गया है कि यह एक क्लिकबेट ऑप्शन है।

अगर आप उन सभी पेजों पर जाएं, जहां वे मेरे बारे में लिखते हैं या मुझे टैग करते हैं तो उन्हें बहुत अधिक ट्रैक्शन मिलता है दर्शकों को आकर्षित करने से उन्हें खुशी मिलती है, क्योंकि वे मेरे नाम का यूज करते हैं, इस हिसाब से मैं एक आसान टारगेट हूं। मैंने अतीत में चीजों को अपने तरीके से लिया है और वास्तव में पलटवार नहीं किया है, मैं आलोचना को अच्छी तरह से लेता हूं, इसलिए लोग इसका अनुचित लाभ उठाते हैं।

नादानियां की आलोचना पर इब्राहिम अली खान ने तोड़ी चुप्पी

फिल्म नादानियां से सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान ने बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म में खुशी कपूर भी थीं। भले ही फिल्म ने काफी चर्चा बटोरी, लेकिन यह कोई खास प्रभाव नहीं छोड़ पाई। और सोशल मीडिया पर इसे मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिलीं। एक नए इंटरव्यू में, इब्राहिम ने आलोचना के बारे में खुलकर बात की और कहा कि सोशल मीडिया एक नफरत भरी दुनिया है। यह बहुत कुछ तोड़-मरोड़ कर पेश करने की कोशिश करती है।

नादानियां फिल्म में काम करके अच्छा लगा

फिल्मफेयर के साथ हाल ही में एक इंटरव्यू में, इब्राहिम अली खान ने नादानियां पर अपनी बात रखी है। अब्राहिम ने कहा कि नादानियां कोई भव्य फिल्म नहीं थी। यह एक प्यारी, मजेदार रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म थी जिसका आनंद आपको शुक्रवार की रात बिस्तर पर आराम करते हुए लेना चाहिए। उन्होंने कहा सोशल मीडिया अभी एक नफरत भरी दुनिया है। लोगों ने इसे बहुत ज्यादा तोड़-मरोड़ कर पेश करने की कोशिश की है। एक अभिनेता के तौर पर मैंने जो किया है, मुझे उससे कहीं ज्यादा करना है। मैं जो था, उससे खुश हूं। मैंने एक अच्छी फिल्म बनाई। मुझे आलोचनाएं मिली, लेकिन मुझे काम करने में मजा आया। मेरे हिसाब से यह अच्छी फिल्म थी।

फिल्म जगत से मिली अच्छी प्रतिक्रियाएं

खुद को पांच में से 3.5 स्टार देते हुए इब्राहिम ने कहा बहुत ज्यादा मत उड़ो, लेकिन खुद को कम भी मत समझो। नादानियां को मिली-जुली प्रतिक्रियाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए, इब्राहिम ने कहा ज्यादातर प्रतिक्रियाएं खराब हैं क्योंकि सोशल मीडिया ऐसे ही काम करता है। उन्होंने कहा, मैं फिल्म उद्योग से मिली प्रतिक्रिया से खुश हूं।

दादी ने नहीं की तारीफ

बातचीत के दौरान शर्मिला टैगोर ने अपने पोते की फिल्म नादानियां के बारे में बात की। अभिनेत्री ने कहा कि भले ही फिल्म अच्छी नहीं थी, लेकिन इब्राहिम हैंडसम लग रहे थे। टैगोर ने कहा, ये बातें सबके सामने नहीं कही जानी चाहिए, लेकिन ईमानदारी से कहूं तो फिल्म अच्छी नहीं थी। आखिरकार, फिल्म अच्छी होनी ही चाहिए।

इस्तांबुल फिल्म फेस्टिवल में अहम भूमिका निभाएंगे शेखर कपूर

अपने लंबे और शानदार करियर के अनुभव के साथ, शेखर कपूर सिनेमा के प्रति अपने गहरे प्यार और अनोखी नजर को इस्तांबुल फिल्म फेस्टिवल में बिखेरने वाले हैं। वह वहां पर अपनी प्रतिभा के जरिए लोगों का मार्गदर्शन करेंगे। शेखर कपूर इस्तांबुल फिल्म फेस्टिवल में जूरी के अध्यक्ष की भूमिका निभाएंगे। इसके साथ ही शेखर इस्तांबुल के एक बड़े फिल्म स्कूल में पढ़ाएंगे, जहां वह नए फिल्म निर्माताओं को कहानी कहने, निर्देशन और रचनात्मकता के गुर सिखाएंगे। शेखर कपूर ने अपने एक्स अकाउंट पर एक बोर्डिंग पास की टिकट का फोटो लगाया और लिखा, एक नए रोमांच की ओर.. इस्तांबुल फिल्म फेस्टिवल के निर्णायक मंडल के अध्यक्ष और फिल्म स्कूल में अध्यापन। अच्छा.. शिकायत तो नहीं कर सकता, है न? .. हमेशा कुछ रोमांचक होता है.. शायद एक नई शुरुआत? एलिजाबेथ, मिसेज इंडिया और बैंडिट क्वीन जैसी बेहतरीन फिल्में बनाने वाले शेखर कपूर अब इस्तांबुल फिल्म फेस्टिवल में अपना जलवा बिखेरेंगे। उनकी यह भूमिका उनके योगदान का सम्मान है, जो फेस्टिवल में एक वैश्विक दृष्टिकोण लाएगी। वह जल्द ही मासूम 2 का निर्देशन भी करेंगे।

रोहित शर्मा ने रचा इतिहास

वानखेड़े में 100 छक्के जड़ने वाले पहले बल्लेबाज बने

मुंबई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 33वें मैच में मुंबई इंडियंस का सामना सनराइजर्स हैदराबाद से हुआ। दोनों टीमें 17 अप्रैल को मुंबई के प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम में आमने-सामने थीं। इस मुकाबले में एमआई के कप्तान हार्दिक पांड्या ने टॉस जीता और एसआरएच की टीम टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने मैदान पर उतरी थी।

मुंबई इंडियंस के गेंदबाजों ने मैच में शानदार गेंदबाजी की और मेहमान टीम को पहली पारी में 162 रनों के स्कोर पर दिया. जैसे ही रन चेज शुरू हुआ, एमआई के दिग्गज बल्लेबाज और पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने छोटी पारी के बावजूद सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। रोहित शर्मा ने अपनी पारी में 3 छक्के जड़े और आईपीएल इतिहास की एक खास उपलब्धि अपने नाम कर ली।

मुंबई इंडियंस के लिए पारी की शुरुआत करते हुए रोहित शर्मा ने आक्रामक रुख अपनाया और 16 गेंदों पर 26 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 3 गगनचुंबी छक्के जड़े और रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराते हुए इतिहास रच दिया. इन 3 छक्कों की मदद से उन्होंने आईपीएल में वानखेड़े स्टेडियम में 100 छक्के पूरे किए. आईपीएल में रोहित शर्मा के नाम अब इस मैदान पर सर्वाधिक 102 छक्के हो गए हैं।

आईपीएल में एक मैदान पर सबसे ज्यादा छक्के

- **विराट कोहली** - चिन्नास्वामी स्टेडियम, बेंगलुरु में 130
- **क्रिस गेल** - चिन्नास्वामी स्टेडियम, बेंगलुरु में 127
- **एबी डिविलियर्स** - चिन्नास्वामी स्टेडियम, बेंगलुरु में 118
- **रोहित शर्मा** - वानखेड़े स्टेडियम, मुंबई में 102*.

एक वेन्यू पर सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले चौथे बल्लेबाज

इसके अलावा, हिटमैन रोहित शर्मा आईपीएल इतिहास में किसी एक वेन्यू पर 100 से अधिक छक्के लगाने वाले कुल चौथे बल्लेबाज बन गए हैं। इस लिस्ट में सबसे ऊपर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली हैं, जिन्होंने बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में सबसे ज्यादा 130 छक्के लगाए हैं। क्रिस गेल (127) और एबी डिविलियर्स (118) इस लिस्ट में क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं. इन दोनों ने भी बेंगलुरु स्टेडियम में ये कारनामा किया है।

पाकिस्तान ने भारत में होने वाले महिला वर्ल्ड कप के लिए किया क्वालीफाइ

नई दिल्ली(एजेंसी)। पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम ने भारत में होने वाले महिला विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है. उन्होंने गुरुवार, 17 अप्रैल को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में रोमांचक मुकाबले में थाईलैंड को 87 रनों से हराकर क्वालीफायर में अपनी लगातार चौथी जीत दर्ज की।

- **हाइब्रिड मॉडल में खेला जाएगा महिला वर्ल्ड कप** - इसके साथ, यह तय हो गया कि इस साल के अंत में भारत में होने वाला आगामी महिला वर्ल्ड कप हाइब्रिड मॉडल में खेला जाएगा, क्योंकि अब पाकिस्तान भी टूर्नामेंट का हिस्सा होगा. हाइब्रिड मॉडल के तहत इस मेगा इवेंट में पाकिस्तान अपने सभी मैच अन्य स्थानों पर खेलेगा। आपको याद दिला दें कि, आईसीसी मेंस चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का मेजबान पाकिस्तान था. लेकिन, सुरक्षा संबंधी कारणों का हवाला देते हुए भारतीय क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान की यात्रा करने से मना कर दिया. इसी दौरान भारतीय क्रिकेट कंट्रोल और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के बीच यह हल निकाला गया ।

कैसा रहा पाकिस्तान बनाम थाईलैंड मैच का हाल ?

पाकिस्तान और थाईलैंड के बीच क्वालिफायर मैच की बात करें तो, थाईलैंड के गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पाकिस्तान के बल्लेबाजों को खुलकर रन नहीं बनाने दिए, जिसके कारण नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे. मेजबान टीम के लिए रन बनाना बहुत मुश्किल था और उन्होंने 36वें ओवर में 100 रन का आंकड़ा पार किया. पाकिस्तान के लिए सिदरा अमीन और कप्तान फातिमा सना ने 5वें विकेट के लिए 97 रन जोड़े. फातिमा ने 105 गेंदों पर 80 रन बनाए, वहीं सना ने 59 गेंदों पर 6 चौकों और 2 छक्कों की मदद से नाबाद 62 रन बनाए।

अजमेर शरीफ पहुंची एलएसजी टीम

ख्वाजा की दरगाह पर मांगी जीत की दुआ

अजमेर(एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में हिस्सा ले रही लखनऊ सुपर जायंट्स टीम के खिलाड़ी अजमेर शरीफ पहुंचे और सूफी संत हजरत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती रहमतुल्लाह अलेह की दरगाह में हाजिरी दी. इस दौरान कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच टीम के सदस्यों ने ख्वाजा साहब की मजार पर चादर और फूल पेश कर अकीदत का इहार किया. क्रिकेटरों ने दरगाह परिसर में मन्नत का धागा बांधा और सिर झुकाकर दुआ मांगी।

खिलाड़ियों ने मांगी कामयाबी की दुआ

दरगाह में एलएसजी खिलाड़ियों की मौजूदगी से क्रिकेट प्रेमियों और ज़ायरीनों में उत्साह का माहौल देखने को मिला. लोग अपने मोबाइल फोन से खिलाड़ियों के साथ तस्वीरें खींचते नजर आए. एलएसजी टीम ने दरगाह के निजाम गेट से प्रवेश किया और बुलंद दरवाजा होते हुए जन्नती दरवाजा पार कर पायती गेट से होते हुए ख्वाजा साहब के आस्ताना शरीफ पहुंचे. यहां सभी खिलाड़ियों टीम की कामयाबी की दुआ मांगी। दरगाह के खादिम सैय्यद इमरान चिश्ती ने टीम के प्रमुख खिलाड़ी जहीर खान को जियारत कराई, जबकि सैय्यद सलमान चिश्ती उर्फ मुन्ना मियां ने आवेश खान समेत अन्य खिलाड़ियों को दरगाह की रस्म अदा कराई. दरगाह के खादिम एसएफ अमीन चिश्ती ने बताया कि एलएसजी टीम ने आईपीएल 2025 में बेहतरीन प्रदर्शन और जीत के लिए विशेष दुआ मांगी है. इस मौके पर दरबार की परंपरागत दस्तारबंदी भी की गई और खिलाड़ियों को तबर्रुक (दरगाह की सौगात) भी भेंट किया गया।

महिला खिलाड़ियों को सशक्त कर रही है महिला प्रीमियर लीग : स्मृति मंधाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम की उप कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड के पिछले छह साल में महिला क्रिकेट के लिए काफी काम किया है और पुरुषों की इंडियन प्रीमियर लीग की तर्ज पर शुरू हुई महिला प्रीमियर लीग निश्चित रूप से युवा खिलाड़ियों को सशक्त कर रही है। मंधाना की कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल खिताब अपनी झोली में डाला था जो आरसीबी की कैबिनेट में एकमात्र ट्रॉफी है।

महाराष्ट्र के सांगली जिले की इस स्टार क्रिकेटर का कहना है कि अभी तो डब्ल्यूपीएल के तीन चरण ही खेले गए हैं लेकिन इसका असर घरेलू क्रिकेट और लड़कियों पर साफ दिखने लगा है। उन्होंने कहा, 'अंडर-19 टीम की खिलाड़ियों में बड़ा बदलाव आया है, उन्हें इतनी सारी चीजें पता हैं जो हम अपने दिनों में नहीं जानते थे। इसलिए लीग के आने से काफी विकास हुआ है। अब टीवी पर भी महिला क्रिकेट का प्रसारण होता है, सब भारतीय महिला टीम को जानते हैं। बीसीसीआई ने पिछले छह साल में महिला क्रिकेट के लिए बहुत काम किया है।

मंधाना ने दुबई में 'सिटी क्रिकेट अकादमी' के लांच के मौके पर चुनिंदा मीडिया से वर्चुअल बातचीत में कहा, 'पिछले तीन वर्षों में डब्ल्यूपीएल किस तरह से आगे बढ़ा है, इसे देखने के लिए कितनी सारी लड़कियां आ रही हैं, आप स्पष्ट बदलाव देख सकते हैं। छोटी छोटी लड़कियां भी हमारे पास आ रही हैं और वे क्रिकेटर बनना चाहती हैं जो बहुत अच्छी चीज है। काफी माता-पिता अपनी बच्चियों को अकादमी में भेज रहे हैं ताकि वे डब्ल्यूपीएल में खेल सकें।

उन्होंने कहा, 'महिला क्रिकेट अब लोकप्रिय हो रहा है। टी20 क्रिकेट जिस

तरह से आगे बढ़ रहा है, उसे देखते हुए डब्ल्यूपीएल भी दर्शकों का काफी मनोरंजन कर रहा है। डब्ल्यूपीएल उसी तरह काम कर रहा है जैसा आईपीएल ने पुरुष क्रिकेट के लिए किया था। घरेलू क्रिकेट पर भी इसका असर दिख रहा है, लड़कियां डब्ल्यूपीएल खेलकर भारतीय टीम के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेलना चाहती हैं।

मंधाना काफी समय से खुद की अकादमी बनाने पर विचार कर रही थीं लेकिन अपने व्यस्त कार्यक्रम के कारण ऐसा नहीं कर पा रही थीं। फिर इस बारे में असम के पूर्व क्रिकेटर और ब्रिटेन में बसे मशहूर कोच डॉन भगवती से भी उनकी बातचीत हुई जिन्होंने लीस्टर में बहुत साल पहले अपनी अकादमी शुरू की थी। अब दुबई के बाद भगवती की योजना भारत में भी इसी तरह की अकादमी शुरू करने की है। अकादमी में युवा प्रतिभाओं को तराशने में डॉन की पत्नी का अनुभव भी काम आता है जो इंग्लैंड की क्रिकेटर रह चुकी हैं।

मंधाना ने इस अकादमी में दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में कहा, 'हम अकादमी में महिला क्रिकेट के विकास पर ध्यान लगाना चाहते थे कि सिर्फ उनके कौशल ही समग्र विकास पर ध्यान दिया जाए। कुछ अकादमियां केवल कौशल पर ध्यान लगाती हैं लेकिन हम चाहते हैं कि वे शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत हों। इसमें खेल विज्ञान सहित पोषण का भी ध्यान रखा जाए इसलिए पोषण विशेषज्ञ भी होंगे।

समय मिलने पर मंधाना भी अकादमी में बच्चों को क्रिकेट की बारीकियां बताएंगी। लेकिन भारत में सितंबर में होने वाले महिला विश्व कप की तैयारियों के लिए उनका कार्यक्रम काफी व्यस्त रहेगा। उन्होंने कहा, 'इस साल भारत में ही महिला विश्व कप होगा तो समय नहीं मिलेगा। लेकिन दो तीन दिन का भी समय मिले तो अकादमी में बच्चों को समय दूंगी और उनसे क्रिकेट का ज्ञान साझा करूंगी। मंधाना 27 अप्रैल से शुरू होने वाली भारत की आगामी वनडे त्रिकोणीय श्रृंखला में खेलेंगी।

आज राजस्थान रॉयल्स को लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ जीत की जरूरत

जयपुर (एजेंसी)। प्रदर्शन में निरंतरता के लिए जूझ रही राजस्थान रॉयल्स लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग के मुकाबले में लगातार तीन हार के सिलसिले को तोड़ने के इरादे से उतरेगी। सात मैचों में महज दो जीत के बाद रॉयल्स तालिका में आठवें स्थान पर है। पिछले मैच में उसे दिल्ली कैपिटल्स ने सुपर ओवर में हराया था।

रॉयल्स को इस हार को भुलाकर अब ऋषभ पंत की कप्तानी वाली लखनऊ टीम पर जीत के साथ अंकतालिका में अपनी स्थिति बेहतर करनी होगी। गेंदबाजी और बल्लेबाजी में निरंतरता के अभाव से जूझ रही रॉयल्स टीम लय नहीं पकड़ पाई है। कप्तान संजू सैमसन पिछले मैच में बाजू में खिंचाव के कारण रिटायर्ड हर्ट हो गए हालांकि बाद में उन्होंने कहा कि वह ठीक महसूस कर रहे हैं।

रॉयल्स की बल्लेबाजी अभी तक नाकाम रही है और मध्यक्रम दबाव में चल नहीं पाया है। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने हालांकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अर्धशतक लगाकर फॉर्म में लौटने के संकेत दिये हैं लेकिन देखना होगा कि क्या वे इस लय को कायम रख पाते हैं। पहले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 66 रन बनाने के बाद से सैमसन का बल्ला भी खामोश है।

टीमें :

- **लखनऊ सुपर जाइंट्स** - ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), डेविड मिलर, एडेन मार्करम, आर्यन जुयाल (विकेटकीपर), हिम्मत सिंह, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), मिशेल मार्श, अब्दुल समद, शाहबाज़ अहमद, युवराज चौधरी, राजवर्धन हैंगरगेकर, अर्शिन कुलकर्णी, आयुष बडोनी, शार्दुल ठाकुर, अवेश खान, आकाश दीप, मणिमारन सिद्धार्थ, दिग्वेश राठी, आकाश सिंह, शमर जोसेफ। प्रिंस यादव, मयंक यादव, रवि बिश्नोई।
- **राजस्थान रॉयल्स** - संजू सैमसन (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभम दुबे, नितीश राणा, रियान पराग, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), शिमरोन हेटमायर, जोफा आर्चर, महीश तीक्षाना, तुषार देशपांडे, संदीप शर्मा, फजल हक फारूकी, कुणाल सिंह राठौड़, आकाश मधवाल, कुमार कार्तिकेय, क्वेन मफाका, वानिंदु हसरंगा, युद्धवीर सिंह चरक, अशोक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी।

समय - शाम 7.30 बजे।

वीरेंद्र सहवाग का रोहित शर्मा को कड़ा संदेश

उसका जाने का टाइम आ गया

नईदिल्ली (एजेंसी)। रोहित शर्मा ने पिछले साल टी20 विश्व कप के बाद टी20आई से संन्यास ले लिया था और अब वह मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग सीजन में नजर आ रहे हैं जहां उनका फॉर्म चर्चा का विषय बना हुआ है। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने उनके खराब फॉर्म की आलोचना करते हुए कहा कि शायद अब समय आ गया है कि वह इस फॉर्मेट से दूर जाने पर विचार करें। रोहित शर्मा ने इस आईपीएल सीजन में मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए 6 पारियों में 13.66 की निराशाजनक औसत से सिर्फ 82 रन बनाए हैं जिसमें 0, 8, 13, 17, 18 और 28 रन शामिल हैं। गुरुवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ रोहित इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतारे और 26 रन ही बनाए। सहवाग ने कहा, अगर आप रोहित के पिछले 10 सालों के आईपीएल नंबरों को देखें, तो उन्होंने सिर्फ एक बार 400 से ज़्यादा रन बनाए हैं। इसलिए वह ऐसे खिलाड़ी नहीं हैं जो सोचते हैं कि उन्हें 500 या 700 रन बनाने की जरूरत है। अगर वह सोचते हैं, तो शायद वह ऐसा कर सकते हैं। जब वह भारतीय कप्तान बने, तो उन्होंने कहा कि वह ऐसा खिलाड़ी बनना चाहते हैं जो पावरप्ले का फायदा उठाना चाहता है और मौकों का फायदा उठाना चाहता है, इसलिए वह अकेले ही सभी बलिदान करना चाहते हैं, लेकिन वह इस तथ्य पर विचार नहीं कर रहे हैं कि दिन के अंत में जब वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं, तो यह आपकी विरासत है जो चोटिल हो रही है। उन्होंने कहा, अब उसका जाने का समय आ गया है और रिटायर होने से पहले आप प्रशंसकों को आपको याद रखने के लिए कुछ देना चाहेंगे, न कि ऐसे पल जो उन्हें यह सोचने पर मजबूर करें कि वे आपको क्यों नहीं छोड़ रहे हैं।

वानखेड़े में मुंबई इंडियंस की रिकॉर्ड 29वीं जीत, हार्दिक पांड्या ने खोला जीत का राज

मुंबई (एजेंसी)। वानखेड़े स्टेडियम में सबसे ज्यादा मैच जीतने वाली मुंबई इंडियंस पहली टीम बन गई है। मुंबई ने यहां खेले गए 47 मैचों में 29 जीते हैं। जबकि कोलकाता के मैदान पर केकेआर 40 में से 28 मैच जीत चुकी है। इस लिस्ट में राजस्थान भी है जिन्होंने जयपुर में खेले गए 31 मुकाबलों में 24 जीते हैं। वहीं, बेंगलुरु में खेली गए 41 में से 21 मुकाबले आरसीबी ने जीते हैं। हैदराबाद के मैदान पर सनराइजर्स ने 32 में से 21 मुकाबले जीते हैं जबकि चेन्नई के मैदान पर चेन्नई सुपर किंग्स ने 31 में से 20 मुाकबले जीते हैं। बहरहाल, वीरवार को मुंबई इंडियंस को सनराइजर्स हैदराबाद पर रोमांचक जीत हासिल हुई। मैच खत्म होने के मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने जीत के कारणों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि आज हमने जिस तरह से गेंदबाजी की वह बहुत ही स्मार्ट और सटीक थी। हम सरल बुनियादी योजनाओं पर टिके रहे।

लड़के से लड़की बनी बांगर की बेटी का खुलासा, क्रिकेटर भेजते हैं न्यूड तस्वीरें, साथ सोने की बात करते हैं

मुंबई (एजेंसी)। लड़के से लड़की बनी पूर्व भारतीय क्रिकेटर और बल्लेबाजी कोच संजय बांगर की बेटी अनाया (पूर्व में आर्यन) ने एक इंटरव्यू में क्रिकेटरों से होने वाले उत्पीड़न के बाद में खुलकर बात की है और क्रिकेटरों द्वारा न्यूड तस्वीरें भेजने और साथ सोने की बात कही है।

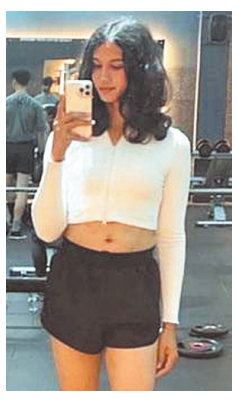

इंटरव्यू में अनाया ने समाज में ट्रांस-महिलाओं को लेकर रवेये और कुछ क्रिकेटरों से होने वाले उत्पीड़न के बारे में बात की जिसमें उन्हें न्यूड तस्वीरें भेजने से लेकर सेक्स के लिए अनुरोध तक शामिल हैं। जब उनसे लिंग पुनर्मूल्यांकन सर्जरी के बाद साथी क्रिकेटरों से मिले समर्थन के बारे में पूछा गया तो अनाया ने कहा, समर्थन मिला है और उत्पीड़न भी हुआ है। कुछ क्रिकेटर ऐसे भी हैं जिन्होंने मुझे बेतरतीब ढंग से अपनी नग्न तस्वीरें भेजी हैं।

उन्होंने एक विशेष व्यक्ति के बारे में बात करते हुए कहा, वह व्यक्ति सबके सामने गालियां देता था। फिर वही व्यक्ति मेरे पास आकर बैठता था और मेरी तस्वीरें मांगता था। अनाया ने कहा, एक और घटना है, जब मैं भारत में थी, मैंने एक पुराने क्रिकेटर को अपनी स्थिति के बारे में बताया।

फ्रेंच ओपन में सम्मानित होंगे 22 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रफेल नडाल

पेरिस (एजेंसी)। बाईस बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रफेल नडाल को फ्रेंच ओपन के शुरूआती दिन 25 मई को कोर्ट फिलिप चैट्रियर में सम्मानित किया जाएगा। फ्रेंच ओपन में रिकॉर्ड 14 बार के विजेता नडाल ने पिछले साल नवंबर में खेल से संन्यास ले लिया था। फ्रेंच ओपन की निदेशक एमिली मौरेस्मो ने बृहस्पतिवार को कहा कि राफा ने कई मायनों में फ्रेंच ओपन के इतिहास पर अपनी छाप छोड़ी है इसलिए उनके सम्मान में एक समारोह आयोजित किया जाएगा। क्ले कोर्ट ग्रैंड स्लैम के गलियारे में पहले से ही नडाल की एक प्रतिमा बनी हुई है। वह टूर्नामेंट संग्रहालय में एक प्रदर्शनी में भी शामिल होंगे और आधिकारिक फ्रेंच ओपन ट्रेलर में अपनी आवाज देंगे। नडाल फ्रेंच ओपन में अंतिम दफा 2024 में खेले थे लेकिन इसमें पहले दौर में ही एलेक्जेंडर ज्वेरेव से हार गए थे।

राफेल नडाल, टेनिस इतिहास के सबसे महान खिलाड़ियों में से एक, ने अपनी शानदार उपलब्धियों से खेल जगत में अमिट छाप छोड़ी है। उनकी प्रमुख उपलब्धियां निम्नलिखित हैं

ग्रैंड स्लैम खिताब (22)

नडाल ने 22 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीते हैं, जो पुरुष टेनिस में सर्वाधिक में से एक है

फ्रेंच ओपन - 14 खिताब (2005, 2006, 2007, 2008, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2017, 2018, 2019, 2020, 2022)। उन्हें क्ले कोर्ट का राजा कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने रोलांड गैरोज पर अभूतपूर्व सफलता हासिल की।

ऑस्ट्रेलियन ओपन - 2 खिताब (2009, 2022)।

विंबलडन- 2 खिताब (2008, 2010)।

यूएस ओपन- 4 खिताब (2010, 2013, 2017, 2019)।

अन्य प्रमुख उपलब्धियां

ओलंपिक स्वर्ण पदक- 2008 बीजिंग ओलंपिक में पुरुष एकल में स्वर्ण पदक।

एटीपी टूर्नामेंट खिताब- 92 एकल खिताब, जिसमें 36 मास्टर्स 1000 खिताब और 23 एटीपी 500 खिताब शामिल हैं।

डेविस कप - स्पेन के लिए 5 बार (2004, 2008, 2009, 2011, 2019) डेविस कप जीता।

विश्व नंबर 1 रैंकिंग- नडाल 209 हफ्तों तक एटीपी रैंकिंग में नंबर 1 रहे, पहली बार 2008 में शीर्ष स्थान हासिल किया।

कैरियर गोल्डन स्लैम - नडाल उन चुनिंदा खिलाड़ियों में से हैं, जिन्होंने चारों ग्रैंड स्लैम और ओलंपिक स्वर्ण पदक जीते हैं।

पुरस्कार और सम्मान

लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर - 2 बार (2011, 2021)।

स्पेन का राष्ट्रीय सम्मान - प्रिंस ऑफ अस्टुरियस अवॉर्ड (2008) और गोल्ड मेडल ऑफ मेरिट इन स्पोर्ट्स।

स्पोर्ट्समैनशिप- नडाल अपनी विनम्रता और खेल भावना के लिए भी प्रसिद्ध हैं, जिसके लिए उन्हें कई बार स्टेफान एडबर्ग स्पोर्ट्समैनशिप अवॉर्ड मिला।

संक्षिप्त समाचार

योगी मॉडल की जरूरत है; सीलमपुर में नाबालिग की हत्या के बाद तनाव, लोगों ने घरों पर लगाए पोस्टर

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के सीलमपुर में गुरुवार शाम को एक युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। जिसके बाद इलाके में तनाव है। हिंदू परिवारों ने अपने घर के बाहर 'मकान बिकाऊ है' और 'योगी मॉडल की जरूरत है सीलमपुर को' के पोस्टर लगाए हैं। कल लोगों ने घटना के विरोध में प्रदर्शन भी किया था। हालात को देखते हुए इलाके में भारी संख्या में पुलिसबल तैनात है। सूत्रों के अनुसार वारदात को पुरानी रंजिश में अंजाम दिया गया है। लड़के को चार-पांच हमलावरों ने घेर लिया और ताबड़तोड़ चाकू से वार किया। उसे अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में रहने वाले हिंदू परिवार दहशत में हैं। उनके पलायन की बात भी सामने आ रही है। लोगों ने अपने घर के बाहर मकान बिकाऊ है को पोस्टर लगाए हैं। इसके अलावा योगी जी मदद करो, रेखा गुप्ता जी मदद करो के पोस्टर भी लगाने की बात बताई जा रही है। फिलहाल किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस का कहना है कि उसने टीम का गठन किया है। जल्द ही हमलावरों को पकड़ लिया जाएगा। वहीं लोगों में हत्याकांड को लेकर भारी गुस्सा है। दिल्ली पुलिस के अधिकारी ने बताया कि गुरुवार को दिल्ली के सीलमपुर इलाके में एक 17 साल के किशोर को घेरकर उसपर चाकू से कई बार वार करके हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान कुणाल के तौर पर हुई है। पुलिस के अनुसार, 17 वर्षीय पीड़ित को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि सीलमपुर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और हमलावर की पहचान करने और उसे पकड़ने के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं। घटना की खबर फैलते ही पीड़ित के परिवार और स्थानीय निवासियों ने विरोध प्रदर्शन किया और पास की सड़क को जाम कर दिया। उन्होंने न्याय और तत्काल पुलिस कार्रवाई की मांग की।

दिल्ली में पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़, बाएं पैर में लगी गोली; दर्ज हैं चोरी-डकैती के 13 केस

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में शुक्रवार सुबह पांच बजे बदमाश और पुलिस के बीच मुठभेड़ हुई। जिसमें एक वांटेड अपराधी पकड़ा गया। यह एनकाउंटर नजफगढ़ में हुआ। पुलिस ने अक्षय उर्फ गोलू को सरेंडर करने के लिए कहा लेकिन उसने पुलिस पर गोली चलानी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसके बाएं पैर पर गोली लगी। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसके पास से एक पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार तड़के पांच बजे 30 साल का अक्षय उर्फ गोलू जय विहार नाला रोड पर लूटी गई मोटर साइकिल के साथ मिला। वह नजफगढ़ में डकैती के एक मामले में वांटेड था। उसे सरेंडर करने के लिए कहा गया लेकिन उसने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। क्रॉस फायरिंग में उसके बाएं पैर में गोली लग गई। उसके कब्जे से एक पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी ने पुलिस पर दो गोलियां चलाईं और तीन गोलियां नजफगढ़ की पुलिस टीम ने चलाईं। उसके खिलाफ डकैती, स्नैचिंग, चोरी और आर्म्स एक्ट के 13 मामले दर्ज हैं। उसके खिलाफ 10 बार निवारक कार्रवाई की गई है। आखिरी बार 18 जनवरी 2025 को उसे पुलिस स्टेशन बाबा हरिदास नगर में धारा 126/170 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार किया गया था।

दिल्ली में जल्द शुरू होगी 'देवी' बस सर्विस

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली के लोगों की सहूलियत के लिए सरकार जल्द ही एक सेवा शुरू करने वाली है। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि सरकार 22 अप्रैल को दिल्ली इलेक्ट्रिक व्हीकल इंटरचेंज (देवी) के बैनर तले अपनी मोहल्ला इलेक्ट्रिक बस सेवा शुरू करने जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि शुरुआत में नौ मीटर लंबी 255 बसें सर्विस में लगाई जाएंगी। आम आदमी पार्टी (आप) सरकार द्वारा पहले मोहल्ला बस सेवा के नाम से जानी जाने वाली इस सेवा से राजधानी में अंतिम मील की कनेक्टिविटी में सुधार होगा।

परिवहन विभाग के एक अधिकारी ने कहा, आज ज्यादातर रूट तय कर दिए गए हैं और शुरुआती प्रतिक्रिया की समीक्षा के बाद मांग के अनुसार और रूट जोड़े जाएंगे। इसके पीछे आइडिया यह है कि आंतरिक सड़कों को मुख्य सड़कों से जोड़ने वाले छोटे रूटों को शामिल किया जाए, ताकि ये बसें उन इलाकों में सर्विस दे सकें जहां बड़ी बसों का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। आप सरकार के सिग्नेचर मोहल्ला क्लीनिक को आरोग्य मंदिर के नाम से रीब्रांड किया जा रहा है, और मोहल्ला बसों को देवी बसों के नाम से लॉन्च किया जाएगा।

अधिकारियों ने बताया कि बसों का पहला जत्था गाजीपुर, नांगलोई और ईस्ट विनोद नगर डिपो से संचालित होगा। ये बसें दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) के प्रमुख बस मार्गों और मेट्रो स्टेशनों के लिए फीडर के तौर पर काम करेंगी। उन्होंने कहा कि हर बस से 12 किलोमीटर का रूट तय करने की उम्मीद है और प्रत्येक डिपो में ऐसी 100 बसें खड़ी

की जा सकती हैं। देवी सर्विस दिल्ली सरकार द्वारा सार्वजनिक परिवहन को उन्नत करने और इसे अधिक टिकाऊ बनाने की व्यापक कोशिश का हिस्सा है।

अधिकारियों ने कहा कि मोहल्ला बस योजना के तहत प्रस्तावित किराए में कोई बदलाव होने की संभावना नहीं है। इसमें 10, 15, 20 और 25 रुपए के टिकट प्रस्तावित हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं पिंक टिकट का उपयोग करके मुफ्त सफर का लाभ उठा सकती हैं। प्रत्येक देवी बस में 23 सीटें होंगी, जिनमें से छह महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी, और 13 खड़े यात्रियों के लिए जगह होगी। अधिकारियों ने कहा कि वे 196 किलोवाट की कुल क्षमता वाले छह बैटरी पैक से लैस हैं, और 45 मिनट का चार्ज 200 किलोमीटर से अधिक की यात्रा को सुविधाजनक बना सकता है।

परिवहन मंत्री पंकज सिंह ने हाल ही में सतत गतिशीलता के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। पिछले महीने, उन्होंने 2025 के अंत तक बसों के बेड़े को 10,000 से अधिक बसों तक बढ़ाने की घोषणा की, जिसमें 80 फीसदी इलेक्ट्रिक होंगी।

दिल्ली में गलत ढंग से फीस बढ़ाने वाले सारे स्कूलों की होगी जांच, शिक्षा मंत्री आशीष सूद का ऐलान

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में प्राइवेट स्कूलों में फीस वृद्धि को लेकर शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने गुरुवार को कहा कि फीस बढ़ोतरी के मामले में हर स्कूल की जांच होगी। उन्होंने अभिभावकों को आश्वस्त किया कि बच्चों के साथ फीस के मामले को लेकर अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। शिक्षा मंत्री ने दिल्ली सचिवालय में प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि सभी निजी स्कूलों का ऑडिट किया जाएगा। सूद ने कहा कि जिस स्कूल द्वारा भी अनियमित तौर पर फीस वृद्धि की है, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने दावा किया कि फीस बढ़ोतरी को लेकर अब तक 600 से ज्यादा निजी स्कूलों का ऑडिट किया जा चुका है। बिना मंजूरी फीस बढ़ाने पर स्कूल की मान्यता वापस लेने और स्कूल प्रबंधन को अपने नियंत्रण लेने के संबंध में 11 स्कूल को नोटिस जारी किया गया है। ऑडिट को लेकर यह कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी। आप पर निशाना साधा = शिक्षा मंत्री ने फीस वृद्धि के मामले को लेकर फिर पूर्व की आप सरकार पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि बेरोजगार नेता स्कूलों के मामले में भ्रम फैला रहे हैं। आप की रणनीति है कि आरोप लगाओ और भाग जाओ। सूद ने 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल से सवाल करते हुए पूछा कि डीपीएस के लिए जो बयान वह दे रहे हैं, उन्हें पहले यह बताना चाहिए कि उनके कार्यकाल के दौरान इस स्कूल पर क्या कार्रवाई की गई थी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में फीस वृद्धि का मुद्दा पहली बार सामने नहीं आया है। यह हर वर्ष उठता है, लेकिन पूर्व की सरकारों ने इस पर कभी ध्यान नहीं दिया। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि पिछली सरकार को बताना चाहिए कि आखिर उन्होंने कितने स्कूलों का ऑडिट कराया था। मंत्री सूद ने कहा कि डीपीएस द्वारका की लड़ाई कोर्ट में लड़ी जा रही है। सूद ने कहा कि भाजपा सरकार आने के बाद जिला अधिकारी की शक्तियों का इस्तेमाल कर स्कूल का निरीक्षण किया गया है। उन्होंने दावा किया कि इस रिपोर्ट के आधार पर डीपीएस को टेकओवर करने के लिए कहा है।

डमी स्कूलों पर भी कार्रवाई

शिक्षा मंत्री ने दावा करते हुए कहा कि दिल्ली में कई डमी स्कूल भी चल रहे हैं। इन पर भी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि अभी इसकी जांच चल रही है। इसके बारे में विस्तार से आने वाले दिनों में खुलासा किया जाएगा। साथ ही, उन्होंने बताया कि वर्दी और किताबों के नाम पर जो वसूली की जा रही थी, इसकी भी जांच हो रही है। उधर, अभिभावक स्कूल प्रशासन पर अपनी मनमानी करने का आरोप लगा रहे हैं तो साथ ही सरकार से उचित कार्रवाई की मांग भी कर रहे हैं। गुरुवार को भी प्रदर्शन किया गया।

दिल्ली से नोएडा तक सफर होगा सुहाना, चिल्ला और यमुना पुस्ता एलिवेटेड रोड आपस में जुड़ेंगे

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली के चिल्ला रेगुलेटर से नोएडा में महामाया फ्लाईओवर तक बन रही एलिवेटेड रोड को यमुना पुस्ता पर प्रस्तावित एलिवेटेड रोड से जोड़ा जाएगा। यह घोषणा सीईओ डॉ. लोकेश एम ने गुरुवार को नोएडा प्राधिकरण के 49वें स्थापना दिवस पर की।

नोएडा प्राधिकरण ने अब 50वें साल में कदम रख दिया है। स्थापना दिवस के मौके पर सेक्टर-6 इंदिरा गांधी कला केंद्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में सीईओ डॉ. लोकेश एम ने कहा कि चिल्ला एलिवेटेड रोड महामाया फ्लाईओवर पर आकर खत्म होगा, जबकि सेक्टर-94 से यमुना पुस्ते पर सेक्टर-150 तक एलिवेटेड रोड बनना है। ऐसे में इन दोनों के बीच के हिस्से को रोटरी या अन्य माध्यम से जोड़ा जाएगा। चिल्ला एलिवेटेड रोड का काम शुरू हो चुका है। यमुना पुस्ते पर बनने वाले एलिवेटेड रोड के लिए सिंचाई विभाग से एनओसी लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

चिल्ला और यमुना पुस्ता एलिवेटेड रोड जुड़ने से दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर की ओर से आने वाले वाहन आसानी से यमुना एक्सप्रेसवे तक आ-जा सकेंगे। मास्टर प्लान रोड नंबर-2 पर एलिवेटेड रोड बनने के बावजूद सड़क के नीचे करीब आधा हिस्से में जाम की समस्या रहती है। सेक्टर-27 अट्टा अंडरपास से निकलते ही निठारी के सामने वाहनों की कतार लग जाती है। निठारी में सड़क कम चौड़ी होने के साथ-साथ अतिक्रमण भी है। इसको देखते हुए निर्णय लिया गया है कि सड़क को चौड़ा कराया जाएगा। इस योजना पर प्राधिकरण ने काम शुरू कर दिया है। इसके लिए अगले कुछ महीने में टेंडर जारी कर दिया जाएगा। शहर के अधिकांश चौराहे पर लेफ्ट टर्न फ्री नहीं है। कहीं सड़क कम चौड़ी होने या अतिक्रमण की वजह से ट्रैफिक अटका रहता है। प्राधिकरण ने योजना तैयार की है कि चौराहे पर पर लेफ्ट टर्न को फ्री किया जाएगा। इसके लिए प्राधिकरण जल्द सर्वे कराकर मौके पर आ रही समस्या का पता लगाएगा। इसके बाद काम शुरू होगा। शहर में बिजली की मांग बढ़ती जा रही है। ऐसे में प्राधिकरण ने सभी चार सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट में सोलर सिस्टम लगाने का निर्णय लिया है। इससे प्राधिकरण का खर्च और बिजली दोनों बचेगी। सेक्टर-54, 123, 168 समेत चार जगह एसटीपी बने हैं।

भूकंप के तेज झटकों से दहल उठा म्यांमार, भारत में भी डोली धरती

म्यांमार एजेंसी। आज सुबह म्यांमार और भारत के पूर्वोत्तर हिस्से में भूकंप के झटकों ने लोगों को हिला दिया। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी की रिपोर्ट के अनुसार, म्यांमार में सुबह करीब 3 बजे धरती कांपी। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.9 मापी गई और इसका केंद्र जमीन के 10 किलोमीटर नीचे रहा।

म्यांमार के बाद भारत के मेघालय राज्य में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। ईस्ट गारो हिल्स इलाके में सुबह-सुबह धरती हिलने लगी। भूकंप की तीव्रता 2.7 रही, और इसका केंद्र भी 10 किलोमीटर गहराई में रहा। हालांकि, किसी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है, लेकिन लोग डर के मारे घरों से बाहर निकल आए। बता दें कि 29 मार्च को म्यांमार में एक बड़ा भूकंप आया था जिसकी वजह से अब तक वहां कई छोटे-छोटे झटके महसूस किए जा चुके हैं। बीते दिन भी म्यांमार में 4.0 तीव्रता वाला भूकंप दर्ज किया गया था। लगातार आ रहे झटकों के कारण स्थानीय लोगों में डर बना हुआ है।

नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी पूरे क्षेत्र की निगरानी कर रहा है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ये

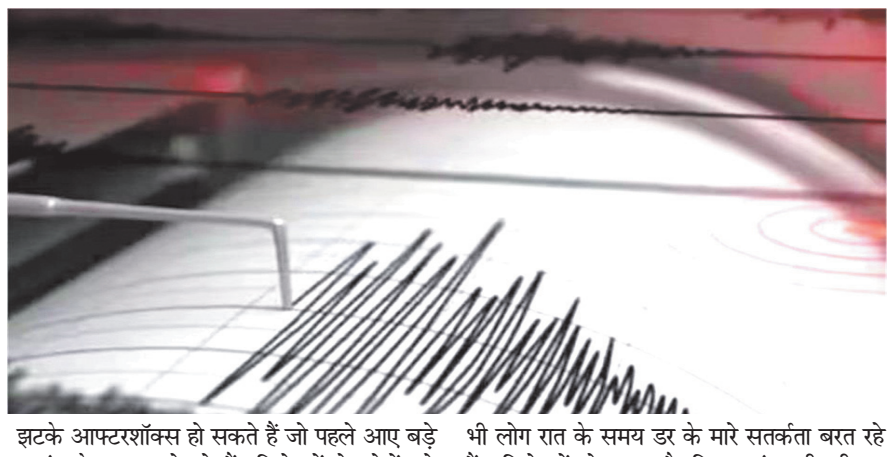

झटके आफ्टरशॉक्स हो सकते हैं जो पहले आए बड़े भूकंप के कारण हो रहे हैं। विशेषज्ञों ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है और अफवाहों से दूर रहने को कहा है।

भूकंप के बाद ईस्ट गारो हिल्स और म्यांमार दोनों ही जगहों पर लोग काफी सहमे हुए हैं। हालांकि प्रशासन ने साफ किया है कि हालात नियंत्रण में हैं और भूकंप से कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है। फिर भी लोग रात के समय डर के मारे सतर्कता बरत रहे हैं। विशेषज्ञों ने कहा है कि भूकंप की तीव्रता फिलहाल कम थी, लेकिन अफवाहों से बचना जरूरी है। लोगों से अपील की गई है कि वे केवल आधिकारिक जानकारी पर भरोसा करें और सोशल मीडिया पर फैल रही झूठी खबरों से दूर रहें।

जब किसी इलाके में बड़ा भूकंप आता है तो उसके बाद धरती में हलचल जारी रहती है।

चाकू की नोंक पर अमेरिकी नागरिक ने छोटे विमान को किया हाईजैक, तीन लोग घायल

वाशिंगटन, एजेंसी। एक अमेरिकी नागरिक ने बेलीज में चाकू की नोंक पर एक छोटे ट्रॉपिक एयर विमान का अपहरण कर लिया और बाद में एक यात्री ने उसे गोली मार दी. रॉयटर्स ने पुलिस के हवाले से यह जानकारी दी. इस दौरान हुई हाथापाई और खींचतान मे चाकू लगने से तीन यात्री घायल हो गए. वहीं, एक यात्री ने हमलावर को गोली मार दी, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई.

पुलिस आयुक्त चेस्टर विलियम्स ने संवाददाताओं को बताया कि हमलावर ने विमान के हवा में होने के दौरान चाकू निकाला और घरेलू उड़ान से उसे देश से बाहर ले जाने की मांग की. विलियम्स ने बताया कि अपहरणकर्ता की पहचान अमेरिकी नागरिक अकिनीला सावा टेलर के रूप में हुई है. हमलावर पहले एक सैनिक रह चुका है. हाईजैक हुई विमान में 13 यात्री थे. पुलिस आयुक्त के मुताबिक, अपहरण के दौरान विमान उत्तरी बेलीज और राजधानी बेलीज सिटी के बीच हवाई क्षेत्र में चक्कर लगा रहा था और उसमें ईंधन की कमी होने लगी. ब्रुश्ट न्यूज ने पुलिस का हवाला देते हुए कहा कि हमलावर देश से बाहर जाना चाहता था और उसने विमान के लिए ईंधन की मांग की. उन्होंने कहा कि विमान में सवार एक यात्री ने उसे लाइसेंसी बंदूक से गोली मार दी.

गाजा में युद्ध रोक दो, सभी बंधकों को छोड़ देंगे; शर्तों के साथ समझौते के लिए तैयार हमास

गाजा, एजेंसी।
इजरायल की ताबड़तोड़ कार्रवाई से हमास के हौंसले पस्त होते नजर आ रहे हैं। फिलिस्तीन के इस कट्टरपंथी संगठन ने एक महत्वपूर्ण घोषणा में कहा है कि वह गाजा में चल रहे युद्ध को समाप्त करने के वास्ते सभी बंधकों को छोड़ने के लिए तैयार है। हमास ने कहा है कि वह इजरायली सेना की पूर्ण वापसी और फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई के बदले सभी इजरायली बंधकों को रिहा करने के लिए तैयार है। यह बयान हमास के वरिष्ठ अधिकारी खलील अल-हय्या ने गुरुवार को एक टेलीविजन भाषण में दिया। इस प्रस्ताव को गाजा में डेढ़ साल से अधिक समय से चल रहे संघर्ष को खत्म करने की दिशा में एक संभावित कदम के रूप में देखा जा रहा है।

हमास के वरिष्ठ अधिकारी खलील अल-हय्या ने कहा, हम एक व्यापक समझौते के लिए तैयार हैं, जिसमें सभी इजरायली बंधकों की रिहाई, इजरायल में कैद फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई, गाजा युद्ध का अंत और क्षेत्र के पुनर्निर्माण की शुरुआत शामिल हो। हालांकि, हमास ने स्पष्ट किया कि वह इजरायल की उस मांग को स्वीकार नहीं करेगा जिसमें उसे अपने हथियार डालने होंगे। अल-हय्या ने इजरायल के 45 दिन के अस्थायी युद्धविराम प्रस्ताव को भी खारिज कर दिया, जिसमें हमास के हथियार डालने की शर्त शामिल थी।

हमास ने यह भी कहा कि कोई भी समझौता स्थायी युद्धविराम, इजरायली सेना की पूर्ण वापसी और गाजा के पुनर्निर्माण की गारंटी पर आधारित होना चाहिए। एक वरिष्ठ फिलिस्तीनी अधिकारी ने कहा, इजरायल का नवीनतम प्रस्ताव युद्ध को पूरी तरह समाप्त करने की घोषणा नहीं करता और केवल बंधकों को प्राप्त करना चाहता है।

अल-हय्या ने इजराइल द्वारा प्रस्तावित 45 दिन की अस्थायी संघर्षविराम योजना को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि अब हमास किसी भी आंशिक समझौते को स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू संघर्षविराम का इस्तेमाल केवल अपने राजनीतिक फायदे के लिए कर रहे हैं। उन्होंने रॉयटर्स के हवाले से कहा, नेतन्याहू और उनकी सरकार आंशिक समझौतों का इस्तेमाल अपनी उस राजनीतिक नीति को आगे बढ़ाने के लिए करते हैं, जिसका मकसद

नरसंहार और भुखमरी के जरिए युद्ध को जारी रखना है – भले ही इसके लिए अपने ही बंधकों की बलि क्यों न देनी पड़े। हम इस नीति को लागू करने का हिस्सा नहीं बनेंगे।

हमास की इस सख्त स्थिति से मिस्र के मध्यस्थों द्वारा युद्धविराम को बहाल करने की कोशिशों को और झटका लग सकता है। काहिरा में इस हफ्ते हुई बातचीत बिना किसी नतीजे के समाप्त हो गई। हमास ने इजरायल की उस मांग को भी खारिज कर दिया है, जिसमें संगठन से अपने हथियार छोड़ने की शर्त रखी गई थी। हमास ने साफ कहा है कि वह तभी बचे हुए 59 इजराइली बंधकों को छोड़ेगा, जब इजराइल युद्ध को पूरी तरह समाप्त करने पर सहमत होगा। इधर, इजरायली सेना ने गाजा पर अपने हमले तेज कर दिए हैं। गुरुवार को हुए हवाई हमलों में गाजा स्वास्थ्य विभाग के अनुसार कम से कम 32 फिलिस्तीनियों की मौत हुई, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। जबालिया में संयुक्त राष्ट्र संचालित एक स्कूल पर हमले में छह लोगों की जान गई। इजराइल ने दावा किया कि वहां एक हमास कमांड सेंटर था। वहीं, हमास ने यह जानकारी दी कि इजरायली-अमेरिकी सैनिक एडन अलेक्जेंडर को बंधक बनाकर रखने वाले लड़ाकों से उनका संपर्क टूट गया है। बताया गया कि जिस स्थान पर अलेक्जेंडर को रखा गया था, वहां इजराइली हमले हुए। हमास ने एक वीडियो संदेश में बंधकों के परिवारों को चेतावनी दी कि भविष्य में ऐसे हमलों में उनके प्रियजन मारे जा सकते हैं।

निगम क्षेत्र में पेयजल की आपूर्ति जल्द होगी शुरू

परीक्षण के दौरान आने वाले जल को ना पिए : श्वेता सिंह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। अगर आप चास नगर निगम क्षेत्र में पाइपलाइन से पानी का इस्तेमाल करते हैं तो थोड़ा सावधान हो जाइए, क्योंकि बोकारो विधायक श्वेता सिंह के मुताबिक 25 अप्रैल से अगले 10 दिनों तक सप्लाई होने वाले पानी का इस्तेमाल पीने के लिए ना करें। पेयजल आपूर्ति प्रारंभ करने से पूर्व आवश्यक परीक्षण किया जाएगा। उस दौरान वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट में जिस केमिकल का इस्तेमाल होता है वो सेहत के लिए खतरनाक भी हो सकता है। उन्होंने बच्चों को इस पानी से दूर रखने की सलाह दी है।

चास नगर निगम क्षेत्र में पानी की समस्या को देखते हुए बोकारो की कांग्रेस विधायक श्वेता सिंह ने चास नगर निगम के अपर नगर आयुक्त एवं जुस्को के पदाधिकारियों के साथ दामोदर नदी किनारे स्थित वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया। विधायक ने आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर जल्द से जल्द पानी की आपूर्ति शुरू करने का निर्देश दिया। वर्तमान समय में बिजली की समस्या को लेकर पानी की सप्लाई में परेशानी हो रही है। विधायक ने अधिकारियों को जल्द से जल्द लोगों को पानी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। अधिकारियों ने भी प्लांट को चालू कर लोगों को पानी उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। चास नगर निगम क्षेत्र में फ़ेज 1 और फ़ेज 2 से पानी सप्लाई की जानी है। फ़ेस 1 से पानी सप्लाई की जा रही है, लेकिन उसमें भी परेशानी हो रही है। फ़ेज दो का काम पूरी तरह से सुस्त पड़ा हुआ है। जिस कारण सभी लोगों को पानी उपलब्ध नहीं हो पा रही है। विधायक ने उम्मीद जताई है कि आने वाले 15 दिनों में लोगों को पानी की समस्या से दो-चार नहीं होना पड़ेगा। कांग्रेस विधायक श्वेता सिंह ने कहा कि 22 से 25 तारीख तक प्लांट में इंटरनल परीक्षण होगा। उसके बाद पानी की आपूर्ति लोगों के लिए की जाएगी जो काफी खतरनाक हो सकता है। ऐसे में लोग पानी का इस्तेमाल पीने के लिए नहीं करें जो भी पानी आए उसे बहा दे। इसके लिए अखबार में इश्तहार और माइकिंग भी कराई जाएगी।

ट्रक की चपेट में आने महिला सहित तीन घायल, सड़क जाम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। पिंडराजोरा थाना क्षेत्र के फोरलेन स्थित चौरा पावर ग्रिड मोड़ के पास हुए सड़क हादसे में दो पुरुष और एक महिला घायल हो गए। हादसे के बाद आक्रोशित लोगों ने बोकारो - रामगढ़ मुख्य सड़क को जाम कर दिया। आईटीआई मोड़ से सेक्टर 12 पुलिस लाइन की तरफ जा रहे ट्रक ने एक ऑटो को बचाने के दौरान साइकिल सवार को टक्कर मार दी। जिसमें चौरा बस्ती के रहने वाले शक्ति पद बाउरी के साथ एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। इसी हादसे में ऑटो सवार एक महिला भी घायल हुई है। घायलों को अस्पताल में भर्ती किया गया है। मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी अभिषेक रंजन ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस पहुंच गई। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। एक व्यक्ति की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। दूसरी तरफ लोगों को समझा बूझकर बमुश्किल सड़क जाम हटाया गया। स्थानीय लोग सड़क में जल जमाव और तेज गति से मोड पर गाड़ी चलने से नाराज है। पूर्व में भी हादसे में एक युवक की मौत हो चुकी है।

एक नजर

शोक संवेदना व्यक्त करने सांसद ढुल्लू के ससुराल पहुंचे केंद्रीय मंत्री मनसुख

बोकारो। केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडवीया रांची से दुर्गापुर हवाई अड्डा जाने के क्रम में बोकारो पहुंचे। इस दौरान श्रम मंत्री धनबाद के भाजपा सांसद ढुल्लू महतो के ससुराल चौफान बस्ती पहुँचे। जहां वे ढुल्लू महतो की सास के श्राद्धकर्म में शामिल हुए। दिवंगत को श्रद्धा सुमन अर्पित कर सद्गति हेतु प्रार्थना की। इस दौरान धनबाद सांसद ढुल्लू महतो, बाघमारा के भाजपा विधायक शत्रुघ्न महतो, बोकारो जिला अध्यक्ष जयदेव राय समेत पार्टी के कई नेता मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री ने इस दौरान सांसद ढुल्लू महतो के ससुराल वालों से मुलाकात कर संवेदना प्रकट की। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने मीडिया के किसी भी सवाल का जवाब नहीं दिया। उन्होंने ने मीडिया से दूरी बनाए रखी। इससे पूर्व बोकारो पहुंचने पर जगह जगह भाजपाइयों ने उनका स्वागत किया।

विधायक ने सड़क मरम्मत कार्य का किया शिलान्यास

बोकारो। बोकारो विधानसभा क्षेत्र के घटियाली पूर्वी पंचायत स्थित केंदुआडीह में आज कुल 16 ग्रामीण सड़कों के जीर्णोद्धार कार्यों का विधायक श्वेता सिंह ने शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना से इन सड़कों के रिपेयरिंग का काम होना है। विधायक श्वेता सिंह ने कहा कि जिस कार्य के लिए क्षेत्र की जनता ने मुझे चुना है, उसे लेकर आगे बढ़ रही हूं। सड़क के जिर्णोद्धार का आज शिलान्यास किया जा रहा। विकास के लिए सबसे पहले अच्छी सड़क आवश्यक है। इसके अलावा बोकारो विधानसभा क्षेत्र में और जिसकी भी आवश्यकता होगी उसे कार्य को पूरा करने के लिए विधायक के नाते में प्रतिबद्ध हूं। बुनियादी सुविधाएं और आधारभूत संरचनाओं का विकास हमारा लक्ष्य है। उन्होंने बताया, आज के कार्यक्रम में क्षेत्र के सभी मुखिया और जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया है। उनसे विचार विमर्श के बाद अन्य विकास कार्यों को गति दी जाएगी। संवेदक एस के सिंह ने बताया, 13 करोड़ की लागत से कुल 16 ग्रामीण सड़कों का जीर्णोद्धार किया जाना हैं। इससे दर्जनों गांवों के ग्रामीणों को सहूलियत होगी।

अज्ञात हमलावरों ने महिला को किया जख्मी

जमशेदपुर। एमजीएम थाना अंतर्गत रूहीडीह में आयुष्मान आरोग्य मंदिर अस्पताल की इंचार्ज ज्योति कुमारी पर शुक्रवार सुबह कुछ लोगों ने हमला कर दिया। कुदाल से उनके सर पर वार किया गया है, जिससे उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। उन्हें इलाज के लिए टीएमएच में भर्ती कराया गया है। फिलहाल उनका इलाज जारी है। घटना के संबंध में घायल चिकित्सा कर्मी के भाई प्रेम प्रकाश ने बताया कि सुबह-सुबह कुछ लोग (तीन-चार) अस्पताल पहुंचे और बिन कुछ बात किये अचानक से हमला कर दिया।. घटना के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। लहुलुहान अवस्था में ज्योति कुमारी वहीं गिर पड़ी।. इसके बाद परिजनों ने उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया। पुलिस को घटना की सूचना दे दी गई है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। ज्योति कुमारी अस्पताल परिसर में ही अपने परिवार के साथ रहती है।. घटना के कारणों का पता नहीं चल सका है।

बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विदेश दौरे पर उठाए सवाल

गिरिडीह। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विदेश दौरे पर गंभीर सवाल खडे किये है। गिरिडीह में अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि ये दौरा भविष्य में जांच का विषय होगा। उन्होंने कहा कि वे ऐसे देश में गए हैं जिसकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। दौरा में उद्योग मंत्री को शामिल नहीं करके अपनी पत्नी और सेवानिवृत अधिकारी को ले गए हैं। ये जॉच का विषय है कि वे निवेशकों को आकर्षित करने गए हैं या निवेश करने गए हैं। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि संविधान निर्माता अंबेडकर जी की जयंती के दिन झारखंड के मंत्री हफीजूल हसन देश के संविधान से ऊपर शरीयत कानून को मानते हैं। उन्होंने कहा कि मंत्री पर कारवाई तक पार्टी संघर्ष करेगी। राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा गया है।अब जिलों में प्रदर्शन किया जाएगा। श्री मरांडी ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि गिरिडीह जिले के बिरनी थाना क्षेत्र के एक गांव में हिंदू सड़क पर रामनवमी का जुलूस नहीं निकाल सकता है। आज उत्तर प्रदेश को छोड़ पूरे देश में हिन्दुओं के पर्व त्योहार पर हिंसा चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि भारत की संसद ने वक्फ कानून बना दिया है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर उन्हें कुछ नहीं कहना है।

धनबाद में होगा वन नेशन वन इलेक्शन पर मंथन, तैयारी पूरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। धनबाद का व्यवसायी संगठन वन नेशन वन इलेक्शन के पक्ष में हैं और इसे लेकर फ़ेडरेशन ऑफ़ धनबाद जिला चेम्बर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज आगामी 20 अप्रैल को धनबाद में एक देश एक चुनाव विषय पर संगोष्ठी का आयोजन करेगा। साथ ही सभी की सहभागिता के साथ एक देश एक चुनाव के पक्ष में राष्ट्रपति को पत्राचार भी करेगा। एक राष्ट्र एक चुनाव का मतलब है देश में लोकसभा और सभी राज्य के विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराना। धनबाद का व्यवसायी संगठन यह मानती है कि वन नेशन वन इलेक्शन के लागू होने से संसाधनों के साथ साथ समय की भी बचत होगी, विकास तेजी से बढ़ेगा, साथ ही बार बार के चुनाव के कारण व्यवसाय प्रभावित होती है जिससे भी निजात मिलेगा।. फेडरेशन ऑफ़ धनबाद जिला चेम्बर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के पदाधिकारियों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि एक राष्ट्र एक चुनाव के विषय पर 20 अप्रैल को टाउन हॉल में आयोजित होनेवाली संगोष्ठी में व्यापक चर्चा होगी। महासचिव अजय नारायण लाल ने कहा कि अलग अलग तिथियों में चुनाव होने से व्यापारी वर्ग को सबसे ज्यादा परेशानी होती है व्यापार प्रभावित होता है और व्यापारी पर सीधे तौर पर आर्थिक चोट पड़ता है।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में अभिभावक गोष्ठी आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर 9 डी बोकारो में बाल वाटिका खंड (कक्षा नर्सरी से यूकेजी) के अभिभावकों की गोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ अभिभावक कविता कुमारी, अमित कुमार एवं प्राचार्य राजेंद्र कामत ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस गोष्ठी में भैया-बहनों के सर्वांगीण विकास हेतु विद्यालय क्या कर रहा है और क्या करने जा रहा है। अभिभावकों की उसमें भूमिका क्या होगी और उन्हें विद्यालय से क्या अपेक्षा है। इन बातों पर चर्चा हुई। विद्या भारती के द्वारा बालकों को शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक रूप से विकसित करने के लिए दिए जाने वाले सुवर्णप्राशन की विस्तृत जानकारी दी गई। सभी ने विद्यालय के कार्यों की सराहना की और सर्वसम्मति से अपने पाल्य के सर्वांगीण विकास हेतु मिलकर आगे बढ़ने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेंद्र कामत जी ने अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ संस्कार देना हमारा लक्ष्य है। विद्यालय हर प्रकार से अभिभावकों के साथ खड़ा है। विद्यालय से उनकी जो भी अपेक्षाएं हैं वह हम पूर्ण करने के लिए कृत संकल्प है। मातृत्वपूर्ण परिवेश में भैया बहनों को शिक्षा प्रदान की जाती है। विद्यालय क्रिया आधारित कक्षाओं का भी संपादन कर रहा है जिसके माध्यम से भैया-बहनों के शिक्षा के स्तर में और निखार लाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा जब खेल के माध्यम से हो तो अधिक लाभप्रद होती है। अभिभावकों से हैंड प्रिंटिंग गतिविधी कराई गई, जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर बाल वाटिका खंड की आचार्या स्वेता, शिखा सिन्हा, एवं वरिष्ठ आचार्य चंदन सरकार के साथ-साथ कुल 40 अभिभावक वृंद सम्मिलित हुए।

आनंद मंगल संस्था ने बालिकाओं के बीच बांटीं पुस्तक व पोशाकें

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। धनबाद क्लब के फिएस्टा हॉल में संस्था की सदस्यों ने समाज के विशेष अतिथिगणों को आमंत्रित किया। संस्था ने केयरिंग इंडिया, एकल, राउंड टेबल, महिला समिति, पवित्रम, जीतों के अध्यक्ष की उपस्थिति में लक्ष्य-एक कदम साक्षरता की ओर को साक्षात्कार किया। संस्था ने चौथी बार सौ जरूरतमंद बालिकाओं को पुस्तके, स्कूल यूनिफार्म और स्टेशनरी निशुल्क भेंट की। अतिथियो ने संस्था की सराहना करते हुए कहा कि आनंद मंगल बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा दे रही है। एक शिक्षित बेटी न केवल अपने परिवार का भरण-पोषण कर सकती है, बल्कि समाज में भी सकारात्मक परिवर्तन

ला सकती है। आनंद मंगल संस्था का उद्देश्य समाज की सेवा करना और उनकी जरूरतों को पूरा करना होता है। संस्था हमेशा समुदाय की मदद के लिए तैयार रहती हैं और उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए काम करती हैं।

आयोजन करने में मीना डोकानिया, संगीता अग्रवाल, मीनू, रेखा रुंगटा, रश्मि, रंजना, संगीता, पायल, नीतू ऋद्धि, सरोज, सपना, रेवा, अल्का, उमा, सुनीता, किरण, सीमा, सरिता, रेखा, पिंकी, दीप्ति, श्वेता, संतोष, बरखा, संगीता, पूनम, सुनीता, कीर्ति, डोली, कुमुद, माधवी, अर्चना, आशा, कविता शीतत, अंजू, प्रीती, विजेता, प्रतिमा, निधी एवं ज्योति अहम भूमिका निभाई।

श्रमिकों की सुरक्षा व स्वास्थ्य सुनिश्चित करने की दिशा में सरकार कर रही कार्य : मनसुख

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। खान सुरक्षा महानिदेशालय धनबाद दौरे पहुंचे भारत सरकार के श्रम,रोजगार,युवा एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख भाई मांडवीया ने अधिकारियों के साथ बैठक कर डीजीएमएस के कार्य प्रणाली की विस्तार से समीक्षा की। बैठक के उपरांत केंद्रीय मंत्री ने कैंपस में पौधारोपण किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री के समक्ष डिजीएमएस की रेसक्यू टीम ने माइंस दुर्घटना के बाद होने वाले बचाव कार्य पर एक मॉक ड्रिल किया गया। जिसमे दुर्घटना की कल्पना की गई और बचाव दल ने तुरंत कार्रवाई की, जिसमें प्रभावित क्षेत्र तक पहुंच, फंसे हुए व्यक्तियों का पता लगाना और निकालने के लिए प्रभावी रणनीति का उपयोग करना शामिल था। केंद्रीय मंत्री ने मिडिया से बातचीत में बताया कि माइंस सेक्टर में कई नये नये उपकरण चालू किया गया. उसे सर्टिफाई करने और डीजीएमएस के अधिकारियों के नॉलेज बिल्ड करने के भी निर्णय हुए हैं. माइंस में काम करने वाले श्रमिकों के स्वास्थ्य की भी चिंता केंद्र सरकार कर रही है और उनके स्वास्थ्य के देखभाल को सुनिश्चित करने के लिए इएसआईसी हॉस्पिटल खोले जा रहे हैं. सघ ही श्रमिकों को आयुष्मान से भी जोड़ा गया है ताकि जिन श्रमिकों को ई एस आई सी के अस्पतालों में इलाज संभव नहीं होने की स्थिति में उन्हें आयुष्मान से इसका फायदा मिल सके। आज देश में माइनिंग सेक्टर बढ़ रहा है. नई नई टेक्नोलोजी आ रही है। टेक्नोलोजी का उपयोग करके श्रमिकों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करनी है और उनका स्वास्थ्य भी सुनिश्चित करना है और इन दोनों दिशाओं में काम चल रहा है.असंगठित क्षेत्र के मजदूरों के लिए आउट सौर्सिंग कम्पनीयों में हाई पावर कमिटी के लागू नहीं होने के सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि डिजीएमएस की यह जिम्मेवारी है कि राज्य और देश में और माइनिंग सेक्टर में काम करने वाले मजदूर की सुरक्षा हो उसको अच्छा वेतन मिले उसके स्वास्थ्य की देखभाल सुनिश्चित की जाए और उसका वेतन सुनिश्चित किया जाएं, इस दिशा में हमारा डायरेक्टर जनरल माइंस सेफ्टी डिजीएमएस काम कर रहा है।

संविधान से छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं : केशव महतो

रामगढ़। हमारे भारत का संविधान विश्व का सबसे श्रेष्ठ संविधान है क्योंकि हमारे देश का हर सिस्टम संविधान के आधार पर ही चल रहा है, संविधान के साथ अगर छेड़छाड़ होगा तो कांग्रेस इसे बर्दाश्त नहीं करेगी। इसकी रक्षा करेंगी। यह बातें आज कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने रामगढ़ में कहीं। श्री महतो लक्ष्मी नारायण महा यज्ञ में शामिल होने मरार आए हुए थे।

कुपोषण मुक्त समाज निर्माण में सेविका-सहायिकाओं की भूमिका अहम : अन्नपूर्णा देवी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोडरमा। सही पोषण देश रोशन के संदेश के साथ पूरे देश में पोषण पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसके तहत आज कोडरमा के पॉलिटेक्निक कॉलेज स्थित ऑडिटोरियम में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी शामिल हुई।

विविध कार्यक्रमों के साथ कोडरमा में भी पोषण पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसके तहत आंगनबाड़ी केंद्र की सेविका और सहायिका आंगनबाड़ी केंद्र के अलावे घर-घर जाकर गर्भवती और धात्री महिलाओं के साथ बच्चों को कुपोषण मुक्त बनाने के लिए सलाह दे रही है। पोषण पखवाड़ा के तहत आज कोडरमा के पॉलिटेक्निक कॉलेज स्थित ऑडिटोरियम में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जहां बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी शामिल हुई, जबकि विशिष्ट अतिथि के तौर पर विधायक डॉ नीरा यादव और उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने कार्यक्रम में शिरकत की। इस मौके पर मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि लगातार पोषण पखवाड़ा के तहत सेविका और सहायिका अपनी जिम्मेदारियां को निभाते हुए देश को कुपोषण मुक्त बनाने में अहम भूमिका निभा रही है। कार्यक्रम के दौरान पीसीपीएनडीटी एक्ट पर एक लघु नाटक का मंचन किया गया, जबकि आंगनबाड़ी केंद्र के छोटे-छोटे बच्चों ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किया। इस दौरान मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने मुँह जुठी कार्यक्रम के तहत बच्चों को खीर खिलाया और गर्भवती महिलाओं को पोषण किट देकर उनके गर्भ में पल रहे बच्चों के लिए शुभकामनाएं दी। इसके अलावे बेहतर कार्य कर रही आंगनवाड़ी सेविका सहायिकाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। आंगनबाड़ी केंद्र की सेविका सहायिकाओं ने बताया कि पोषण पखवाड़ा के दौरान लगातार वे घर-घर जाकर गर्भवती और धात्री महिलाओं के अलावा बच्चों को सही पोषण से जुड़ी जानकारियां दे रही है, ताकि देश कुपोषण मुक्त हो सके। कार्यक्रम के अंत में मंत्री समेत अन्य अतिथियों ने पोषण पखवाड़ा के तहत चलाए जा रहे हस्ताक्षर अभियान में भी हिस्सा लिया और सेल्फी पॉइंट पर तस्वीर खिंचवाकर अभियान को सफल बनाने की लोगों से अपील की।

नाट्य कार्यशाला में छात्राओं ने सीखा अभिव्यक्ति व संवाद कौशल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, चास में आयोजित 6 दिवसीय नाट्य कार्यशाला का आज समापन हुआ। इस कार्यशाला में विद्यालय की छात्राओं ने न केवल रंगमंच की मूलभूत तकनीकों को सीखा, बल्कि आत्मविश्वास, अभिव्यक्ति और संवाद कौशल में भी अद्भुत विकास किया। यह कार्यशाला सीसीएल सीएसआर की सौजन्य से आयोजित की गई, जिसमें विद्यालय की छात्राओं को थिएटर की विभिन्न विधाओं से परिचित कराया गया। कार्यशाला का आयोजन के. एस. प्रवीण के मार्गदर्शन में हुआ और प्रशिक्षण की जिम्मेदारी जानी-मानी रंगकर्मी व निर्देशक मोहम्मद महबूब आलम ने निभाई। छात्राओं को अभिनय, स्वर प्रयोग, भाव-भंगिमा, मंच संचालन, समूह निर्माण, संवाद अदायगी तथा जागरूकता नाटक की विधियों का गहन प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला के अंतिम दिन छात्राओं ने ब्लबेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ विषय पर एक भावनात्मक जागरूकता नाटक प्रस्तुत किया, जिसे उपस्थित सभी दर्शकों ने सराहा।

इस अवसर पर विद्यालय परिवार, सीसीएल के प्रतिनिधि, शिक्षकगण तथा स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति ने छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। यह कार्यशाला न केवल रंगमंचीय प्रतिभा को निखारने का माध्यम बनी, बल्कि छात्राओं के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी.कॉर्प.लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर 31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार),
स्थानीय संपादक: मनोज विशाल
फोन नंबर: 9431145865, 8210783623,
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या: JHAHIN/2017/72655,
Email : bokaronbt@gmail.com

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.: ईएलडी-125-डब्ल्यूसी-ओटी-04-25, दिनांक 11.04.2025; वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (टीआरडी), पूर्व रेलवे, चौथी मंजिल, रेल यात्री निवास, हावड़ा स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निविदा सं. ईएलडी-125-डब्ल्यूसी-ओटी-04-25 के तहत ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम साथ में उसका स्थान:** पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल में 8-पहिया टावर वैगन (10 अदद) का दो वर्षों के लिए सम्पूर्ण रखरखाव। **कार्य की अनुमानित लागत:** रु. 3,03,81,636; **जमा की जाने वाली बयाना राशि/बोली सुरक्षा:** रु. 3,01,900; **निविदा प्रपत्र की कीमत:** शून्य। **कार्य समापन अवधि:** एलओए के जारी किए जाने की तारीख से 24 (चौबीस) महीने। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 08.05.2025 को अपराह्न 3.00 बजे। **निविदा खोला जाना:** निविदा बंद होने के उपरांत किसी भी समय निविदा खोली जाएगी। निविदा के परिपूर्ण विवरण/ब्यौरा/विनिर्देश के लिए निविदादातागण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं एवं अपनी बोलियां ऑनलाइन जमा करें। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है तथा अगर कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होता है, तो उसे स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा तत्काल रद्द कर दिया जाएगा।

(HWH-34/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

सं. : ओ/एसी/टी/08 से 09/25-26 (ओपन), दिनांक 16.04.2025; मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं (खुली) आमंत्रित की जाती हैं: **क्रमांक 1, केस सं.:** ओ-एसी-टी-08-25-26; **कार्य का नाम:** आसनसोल मंडल - एक्सईएन/बीआरएल/आसनसोल के अधीन पुल सं. 31, 95, 119, 120, 124, 124/ए, 14, 27, 28, 34, 48, 78, 120 (देवघर-दुमका), 123, 5ई, 5डब्ल्यू, 509 डाउन/II, 57 एवं 34 डाउन इत्यादि पर साइड पाथवे के प्रावधान के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य:** रु. 2,40,05,773.26। **बयाना राशि:** रु. 2,70,000; **कार्य हेतु समापन अवधि:** 12 महीने। **क्रमांक 2, केस सं.:** ओ-एसी-टी-09-25-26; **कार्य का नाम:** सीनि. डीईएन/1/आसनसोल के अधीन एईएन/एचक्यू/आसनसोल के क्षेत्राधिकार में आसनसोल के ऑफिसर्स कॉलोनी की अनन्या बिल्डिंग में 04 (चार) अदद अतिरिक्त ऑफिसर्स रेस्ट रूमों के सृजन, अनन्या बिल्डिंग के पीछे की ओर नई प्रवेश सड़क के साथ कार पार्किंग क्षेत्र के प्रावधान तथा अन्य आनुषंगिक कार्यों के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य:** रु. 65,10,137.76; **बयाना राशि:** रु. 1,30,200; **कार्य हेतु समापन अवधि:** 06 महीने। **बंद होने की तारीख एवं समय:** दोनों के लिए 14.05.2025 को दोपहर 12.00 बजे। परिपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

(ASN-21/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

हावड़ा मंडल के तहत वाणिज्यिक प्रचार के अधिकारों की संविदा की सुपुर्दगी

ई-नीलामी सूचना सं. सीओएम/पीयूबी/एचडब्ल्यूएच/ई-ऑक्शन/2025, दिनांक 17.04.2025; वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, चौथी मंजिल, रेल यात्री निवास बिल्डिंग, हावड़ा स्टेशन के निकट, पिन-711101 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है : **कार्य का नाम:** वाणिज्यिक प्रचार के अधिकारों की संविदा की सुपुर्दगी। नीलामी सूचीपत्र **www.ireps.gov.in** पर अपलोड कर दिया गया है। ● **सूचीपत्र सं. :** पीयूबी-एचडब्ल्यूएच-25-15; ● **नीलामी आरम्भ होने की तारीख एवं समय:** 05.05.2025 को दोपहर 12.00 बजे। **सिक्वेंस सं.; लॉट सं.; विवरण** क्रमशः निम्नलिखित हैं: एए/1; एडीवीटी-आईएनटीईएक्सटी-एस1-ईएमयूआर2-25-1 (विज्ञापन-ट्रेन के भीतर एवं बाहर); हावड़ा मंडल के तहत चलने वाली 12 कोचों वाली ईएमयू रेक के कोचों के सम्पूर्ण साइड वॉलों की बाहरी सतह पर (खिड़कियों तथा अनिवार्य साइनेज को छोड़कर) एवं कोचों के भीतर निर्दिष्ट स्थानों पर विनायल रैपिंग (आरडीएसओ विनिर्देश के अनुसार ग्राफिक फिल्मों) के जरिए वाणिज्यिक प्रचार के अधिकार की सुपुर्दगी। एए/2; एडीवीटी-आईएनटीईएक्सटी-एस1-ईएमयूआर8-25-1 (विज्ञापन-ट्रेन के भीतर एवं बाहर); हावड़ा मंडल के तहत चलने वाली 12 कोचों वाली ईएमयू रेक के कोचों के सम्पूर्ण साइड वॉलों की बाहरी सतह पर (खिड़कियों तथा अनिवार्य साइनेज को छोड़कर) एवं कोचों के भीतर निर्दिष्ट स्थानों पर विनायल रैपिंग (आरडीएसओ विनिर्देश के अनुसार ग्राफिक फिल्मों) के जरिए वाणिज्यिक प्रचार के अधिकार की सुपुर्दगी। एए/3; एडीवीटी-आईएनटीईएक्सटी-एस1-ईएमयूआर22-25-1 (विज्ञापन-ट्रेन के भीतर एवं बाहर); हावड़ा मंडल के तहत चलने वाली 12 कोचों वाली ईएमयू रेक के कोचों के सम्पूर्ण साइड वॉलों की बाहरी सतह पर (खिड़कियों तथा अनिवार्य साइनेज को छोड़कर) एवं कोचों के भीतर निर्दिष्ट स्थानों पर विनायल रैपिंग (आरडीएसओ विनिर्देश के अनुसार ग्राफिक फिल्मों) के जरिए वाणिज्यिक प्रचार के अधिकार की सुपुर्दगी। एए/4; एडीवीटी-आईएनटीईएक्सटी-एस1-ईएमयूआर24-25-1 (विज्ञापन-ट्रेन के भीतर एवं बाहर); हावड़ा मंडल के तहत चलने वाली 12 कोचों वाली ईएमयू रेक के कोचों के सम्पूर्ण साइड वॉलों की बाहरी सतह पर (खिड़कियों तथा अनिवार्य साइनेज को छोड़कर) एवं कोचों के भीतर निर्दिष्ट स्थानों पर विनायल रैपिंग (आरडीएसओ विनिर्देश के अनुसार ग्राफिक फिल्मों) के जरिए वाणिज्यिक प्रचार के अधिकार की सुपुर्दगी। एए/5; एडीवीटी-आईएनटीईएक्सटी-एस1-ईएमयूआर43-25-1 (विज्ञापन-ट्रेन के भीतर एवं बाहर); हावड़ा मंडल के तहत चलने वाली 12 कोचों वाली ईएमयू रेक के कोचों के सम्पूर्ण साइड वॉलों की बाहरी सतह पर (खिड़कियों तथा अनिवार्य साइनेज को छोड़कर) एवं कोचों के भीतर निर्दिष्ट स्थानों पर विनायल रैपिंग (आरडीएसओ विनिर्देश के अनुसार ग्राफिक फिल्मों) के जरिए वाणिज्यिक प्रचार के अधिकार की सुपुर्दगी।

(HWH-38/2025-26) वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, हावड़ा

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter